हिन्दी दैनिक पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, गुरूवार | 10 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 अंक : 97 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

कपिल मिश्रा को बड़ी राहत, कोर्ट ने इस दिन तक जांच के आदेश पर लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में फरवरी 2020 में हुए दंगों के सिलसिले में कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच पर 21 अप्रैल तक रोक लगा दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के खिलाफ कपिल मिश्रा की पुनरीक्षण याचिका पर नोटिस जारी किया है। अदालत ने अगली सुनवाई तक आगे की जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई की तारीख 21 अप्रैल है। इससे पहले कपिल मिश्रा ने आज ही 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के मामले में आगे की जांच के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी।दिल्ली पुलिस ने भी आगे की जांच के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है। पिछले हफ्ते, दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में 2020 के दंगों में कपिल मिश्रा की कथित भूमिका की जांच के लिए एफआईआर का आदेश दिया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने "प्रथम दृष्टया" संज्ञेय अपराध पाया और कहा कि घटनास्थल पर मिश्रा की मौजूदगी से इंकार नहीं किया जा सकता है ।

पटना में कम होगा जाम

आज से दीघा से डायरेक्ट दीदारगंज जाएगा जेपी गंगा पथ

पटनावासियों को अब दीघा से दीदारगंज जाना आसान होगा। जेपी गंगा पथ पर चढ़कर दीघा से दीदारगंज जा सकेंगे, अभी तक कंगन घाट तक जा पाते थे। कल यानी 10 अप्रैल को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 3831 करोड़ की सौगात देंगे।

एजेंसी

पटना: राजधानी पटना के लोगों के लिए राहत की खबर है। अब जाम के झाम से थोड़ी निजात मिलेगी। कल यानी गुरूवार से दीघा से डायरेक्ट दीदारगंज जेपी गंगा पथ से जा सकेंगे। गंगा नदी के किनारे बने जेपी गंगा पथ परियोजना का विस्तार दीदारगंज तक होने जा रहा है। अभी दीघा से लेकर कंगन घाट तक यह पथ तैयार है। अब इसका विस्तार दीदारगंज तक होने जा रहा है। जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार (10 अप्रैल) को करेंगे। लगभग 3831 करोड़ की लागत से बनी इस परियोजना का निर्माण बिहार राज्य पथ विकास निगम ने किया है। पटना शहर के दो महत्वपूर्ण छोरों को जोड़ने वाली इस सड़क की लंबाई 20.5 किलोमीटर है।

आपको बता दें जेपी गंगा पथ का निर्माण दीघा से दीदारगंज तक 20.5 किमी लंबे पुल और सड़क बनाकर किया गया है। इसका विस्तार दीघा से कोईलवर और दीदारगंज से मोकामा तक किया जाएगा। वर्तमान में दीघा से कंगन घाट तक 15.5 किमी में आवागमन चालू है। जेपी गंगा पथ के दीदारगंज तक चालू होते ही उत्तर बिहार से पटना आने वाले लोगों को काफी सुविधा होगी। उत्तर बिहार यानी

भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बेगूसराय, खगड़िया, बांका सहित अन्य जिलों से आने वाले लोग दीदारगंज स्थित टोल प्लाजा से पहले ही टर्न लेकर जेपी गंगा पथ में प्रवेश कर जाएंगे। जो गाय घाट, अशोक राजपथ, पीएमसीएच, गांधी मैदान, अटल पथ, पाटली पथ, दीघा को जा सकेंगे।

वर्तमान में दीदारगंज से शहर प्रवेश करने में लोगों को दो घंटे का समय लगता है। इससे निजात मिलेगी। सरकार द्वारा योजना बनाई जा रही है कि दीदारगंज तक आवागमन चालू होने के बाद भी जेपी गंगा पथ पर बड़े वाहनों के प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इससे छोटे वाहनों को आवागमन में सुविधा होगी। 24 जून, 2022 को पहले चरण में दीघा से पीएमसीएच तक सड़क से आवागमन चालू हुआ था। वहीं दूसरे चरण में पीएमसीएच से गायघाट तक 14 अगस्त, 2023 को शुरू किया गया था। तीसरे चरण में 10 जुलाई, 2024 को कंगन घाट तक आवागमन शुरू किया था। वहीं चौथे चरण में कंगन घाट से दीदारगंज तक आवागमन कल से शुरू कर दिया जाएगा।

बिहार में कोलकाता की तर्ज पर राज्य सांख्यिकी प्रशिक्षण संस्थान खोले जाएंगे। सभी 38 जिले और 534 प्रखंडों में आधारभूत आईटी संरचना के निर्माण और आंकड़ों को डिजिटल रूप में संग्रहण, संकलन और संधारण के लिए डाटा सेंटर बनेगा। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से इन संस्थानों के निर्माण के लिए तकनीकी सहायता के साथ ही 650 करोड़ देने का अनुरोध किया है। पिछले दिनों दिल्ली में आयोजित देशभर के योजना मंत्रियों के सम्मेलन में बिहार ने यह मांग की है। बिहार से इस सम्मेलन में ऊर्जा, योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव शामिल हुए।मंत्री ने कहा कि बिहार में राज्य सांख्यिकी प्रशिक्षण की आवश्यकता है, ताकि बिहार सांख्यिकी सेवाओं, अधीनस्थ सेवाओं और अंतर-विभागीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सुगमता से हो सके। इसके लिए प्रशिक्षणार्थियों के लिए छात्रावास, संस्थान के लिए आवश्यक कक्ष, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पुस्तकालय आदि मद में 150 करोड़ खर्च होंगे। सांख्यिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए सभी जिले और प्रखंडों में डाटा सेंटर के निर्माण पर 500 करोड़ खर्च होने का अनुमान है।

ब्रह्माकुमारी प्रमुख दादी रतनमोहिनी का 101 साल की उम्र में निधन,

राष्ट्रपति, पीएम मोदी समेत कई नामचीन हस्तियों ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली: ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख दादी रतनमोहिनी का मंगलवार को अहमदाबाद के एक अस्पताल में 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया, जिसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्रियों और देश भर के गणमान्य लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और लोगों ने आध्यात्मिक नेता की शिक्षाओं, ज्ञान और समाज को दिए गए मार्गदर्शन को याद किया। एक बयान में ब्रह्माकुमारीज ने कहा कि दादी रतनमोहिनी जी ने अपनी दिव्य अवस्था प्राप्त की और 8 अप्रैल 2025 को अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया। वह 101 वर्ष की थीं। ब्रह्माकुमारीज की प्रशासनिक प्रमुख के रूप में, दादी रतनमोहिनी के जीवन में गहरी आध्यात्मिक प्रतिबद्धता थी। बयान में कहा गया, उनका जीवन ईश्वरीय समर्पण का प्रमाण था। दादीजी की यात्रा शांति, प्रेम और ज्ञान के प्रसार के लिए एक सदी की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उनका अंतिम संस्कार 10 अप्रैल को होगा।क्स से बात करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वह ब्रह्माकुमारी संगठन के लिए प्रकाश की किरण थीं।इस संगठन ने उनकी जीवन यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि दादी रतन मोहिनी जी के निधन के बारे में जानकर मुझे बहुत दुख हुआ है। वे ब्रह्माकुमारी संस्था का एक प्रकाश-स्तंभ थीं। इस संस्थान ने मेरी जीवन यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दादी रतन मोहिनी जी ने अपनी शिक्षाओं और कार्यों से अनगिनत लोगों की सोच और जीवन को संवारा।

तेजस्वी ने खुद को घोषित किया सीएम उम्मीदवार, JDU बोली- यह बिहार की जनता का अपमान

एजेंसी

पटना: कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने की वकालत करने के एक दिन बाद, राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने खुद को राज्य में विपक्षी महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया। राज्य की राजधानी में ह्यमुसहर-भुईया महारैलीको संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा कि अगर राजद के नेतृत्व वाला महागठबंधन सत्ता में आता है और उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों को माई-बहन सम्मान योजना के तहत लाभ मिलेगा।आरजेडी नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वे गरीबों को पक्का मकान बनाने के लिए जमीन मुहैया कराएंगे और उन्हें रोजगार देंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए कहा, अगर मैं मुख्यमंत्री बना तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि आपसे किए गए वादे पूरे हों। भले ही मैं (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से) छोटा हूं, लेकिन मैं अपनी बात पर कायम हूं। अपने बयान को पुष्ट करने के लिए बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए उन्होंने युवाओं को पांच लाख नौकरियां दीं।

जिम्मेदारी लें या फिर रिटायर हो जाएंगे, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मल्लिकार्जुन खड़गे का कड़ा संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली: पार्टी नेताओं को सख्त संदेश देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि जो लोग पार्टी के काम में योगदान देने के इच्छुक नहीं हैं, उन्हें आराम करना चाहिए। जो जिम्मेदारियां निभाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें सेवानिवृत्त होने पर विचार करना चाहिए। गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे आयोजित एआईसीसी अधिवेशन में अपने अध्यक्षीय भाषण में खड़गे ने इस बात पर भी जोर दिया कि जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्तियां एआईसीसी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सख्ती और निष्पक्षता से की जाएंगी।मल्लिकार्जुन खड़गे ने

कहा कि संगठन के निर्माण में जिला अध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। इसलिए, उनकी नियुक्ति एआईसीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती और निष्पक्षता से की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें एक साल के भीतर सर्वश्रेष्ठ लोगों के साथ बूथ, मंडल, ब्लॉक और जिला स्तरीय समितियां बनानी चाहिए। खड़गे के हवाले से कहा गया है कि इसमें कोई पक्षपात नहीं होना चाहिए। खड़गे ने कहा कि उन्होंने और राहुल गांधी ने पहले ही देश भर के जिला अध्यक्षों के साथ तीन बैठकें की हैं। खड़गे ने कहा कि भविष्य में, हम चुनावों के लिए उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में जिला अध्यक्षों को शामिल करने जा रहे हैं। उन्होंने काम न करने वाले नेताओं को भी स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि जो लोग पार्टी के काम में मदद नहीं करते, उन्हें आराम करने की जरूरत है, जो अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभाते, उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए।

नया वक्फ एक्ट धार्मिक स्वतंत्रता-संविधान पर हमला', राहुल गांधी बोले- कांग्रेस ही BJP को हराएगी

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज फिर कहा है कि सरकार बनी तो जाति जनगणना पर कानून बनाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का हिंदुस्तान की सभी संस्थाओं पर अतिक्रमण हो गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि गांधी की विचारधारा और संघ की विचारधारा में फर्क है। राहुल ने दावा किया कि कांग्रेस ही आरएसएस और भाजपा को हराएगी। उन्होंने दावा किया कि नया वक्फ एक्ट धार्मिक स्वतंत्रता-संविधान पर हमला है। उन्होंने कहा कि हमने तेलंगाना में

जाति जनगणना का क्रांतिकारी कदम उठाया। उससे कुछ महीने पहले, मैंने संसद में पीएम नरेंद्र मोदी से पूछा था कि हमें देश में जाति जनगणना करवानी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि मैं जानना चाहता था कि इस देश में किसकी कितनी हिस्सेदारी है और क्या यह देश सही मायने में आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदायों का सम्मान करता है। पीएम नरेंद्र मोदी और आरएसएस ने जाति जनगणना से साफ इनकार कर दिया क्योंकि वे नहीं चाहते कि इस देश में अल्पसंख्यकों को कितना हिस्सा मिलता है। मैंने उनसे कहा कि हम संसद में आपके सामने ही जाति जनगणना कानून पारित करेंगे। उन्होंने कहा कि मैंने इंदिरा गांधी जी से सवाल पूछा था कि आपके दुनिया में न रहने पर लोगों को आपके बारे में क्या बोलना और सोचना चाहिए। इसके बाद राहुल के मुताबिक इंदिरा गांधी ने कहा था कि राहुल, मैं सिर्फ अपना काम करती हूं। मेरे न रहने पर लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं,

बाल ठाकरे के घर एक पैगंबर पैदा हो गया वाले बयान को लेकर विधायक यतनलाल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, मामला दर्ज किया गया

एजेंसी

कर्नाटक: कर्नाटक के निष्कासित भाजपा नेता और विजयपुरा के विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ रामनवमी के एक कार्यक्रम के दौरान पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित तौर पर की गई विवादास्पद टिप्पणी को लेकर मामला दर्ज किया गया है। विजयपुरा के गोल गुम्बज पुलिस स्टेशन में स्थानीय निवासी मोहम्मद हन्नान द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में यतनाल पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस

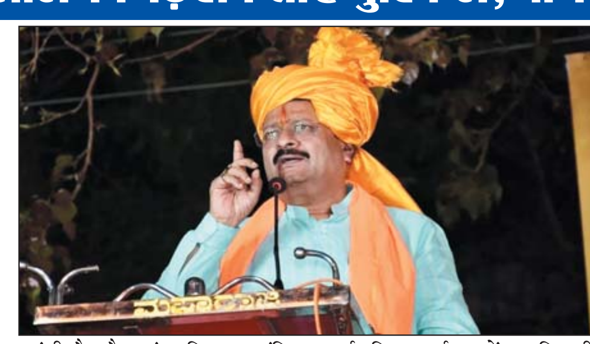

पहुंची है और सांप्रदायिक अशांति भड़क सकती है। शिकायत के अनुसार, यतनाल ने 7 अप्रैल को हुबली के बन्नी ओनी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी। उन पर आरोप है कि उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे के घर एक पैंगबर पैदा हो गया। जिसे मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा भड़काऊ और आपत्तिजनक माना गया। यतनाल ने कार्यक्रम में कहा, बाल ठाकरे क्या आदमी थे। जब मीडिया उनसे पूछती थी कि 'आप किस तरह के हिंदू हैं?' तो वे कहते थे, 'मैं पागल हिंदू हूं।' वे गर्व से कहते थे कि वे हिंदुओं और हिंदुत्व के दीवाने हैं। लेकिन उनके घर में एक मुहम्मद पैगम्बर पैदा हो गया है। मुझे लगता है कि वे क्रॉसब्रीड होंगे। शिकायतकर्ता ने कहा कि यतनाल की टिप्पणियों से मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंची है और सांप्रदायिक सद्भाव को खतरा है।

'वक्फ एक्ट को लेकर राहुल गांधी की सोच स्पष्ट नहीं', रविशंकर प्रसाद बोले- देश ने उन्हें गंभीरता से लेना बंद कर दिया

एजेंसी

पटना। वक्फ एक्ट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बयान पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में एक बार कहा था कि 6-7 साल में एक व्यक्ति युवा हो जाता है। फिर उन्होंने कहा कि तपस्या से गर्मी आ जाती है। आज वैसा ही नया सिद्धांत कुछ दिखाई पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी को वक्फ पर बोलने की कोशिश करने के लिए अहमदाबाद का इंतजार करना पड़ा। मैं कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी 12-13 घंटे सदन में बहस हुई आप खुद बैठे थे, वक्फ पर आपने क्यों नहीं बोला। ये दिखाता है कि क्या बोलना चाहिए, क्या नहीं बोलना चाहिए, इसके बारे में उनकी (राहुल गांधी) सोच में स्पष्टता नहीं होती है। अपना हमला जारी रखते हुए रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि इससे पता चलता है कि राहुल गांधी को समझ नहीं आ रहा है कि वक्फ के बारे में क्या बोलना है। मैं पूरे अधिकार से कह रहा हूं कि राहुल गांधी के पास इस बात की स्पष्टता नहीं है कि उन्हें किस मुद्दे पर और कब क्या रुख अपनाना चाहिए। उन्हें इन तीन सवालों का जवाब देना चाहिए। क्या आपको यह सही लगता है या गलत कि वक्फ की 8 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली संपत्ति पर गरीब मुसलमानों और बेटियों के लिए कोई अस्पताल, स्कूल, अनाथालय या कौशल केंद्र नहीं बनाया गया है? क्या आपको इस बात से परेशानी है कि मुस्लिम समुदाय की विधवाओं की तरक्की के लिए वक्फ में सुधार किया जा रहा है?

चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान मिलकर कर रहे प्लानिंग?

भारत का क्या होगा अगला कदम

एजेंसी

नई दिल्ली: क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव के बीच पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की चीन यात्रा के बाद, पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ढाका की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। 2012 के बाद से इस्लामाबाद से यह पहली उच्च-स्तरीय यात्रा है, जब पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार बांग्लादेश की यात्रा पर गई थीं। डार की यात्रा से पहले, पाकिस्तान की विदेश सचिव अमना बलूच 17 अप्रैल को ढाका जाएंगी और कूटनीतिक बातचीत के लिए मंच तैयार करेंगी। आगामी यात्रा की पुष्टि करते हुए, बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद

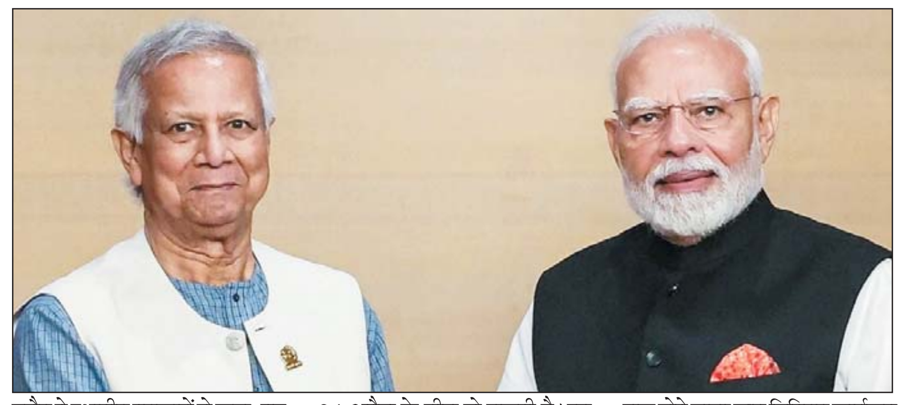

हुसैन ने स्थानीय पत्रकारों से कहा, यह तय हो गया है कि वह आएंगे। हम अगले कुछ दिनों में तारीख की पुष्टि कर पाएंगे। आधिकारिक तारीखों की घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है, सूत्रों ने संकेत दिया है कि यात्रा 20 और 21 अप्रैल के बीच हो सकती है। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच संशोधित रूपरेखा समझौते के लिए आधार तैयार होने की उम्मीद है। एजेंडे में प्रमुख मदों में रक्षा सहयोग, चीन से लड़ाकू विमान खरीद, प्रशिक्षण तंत्र और इस सप्ताह शुरू होने वाला छात्र विनिमय कार्यक्रम शामिल हैं। खुफिया जानकारी साझा करने की पहल और पाकिस्तान-बांग्लादेश राजनीतिक सलाहकार बैठक पर भी चर्चा होने की संभावना है। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं जब पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद इस क्षेत्र में कूटनीतिक गतिशीलता बदल रही है। भारत बांग्लादेश, पाकिस्तान और चीन के बीच विकसित हो रहे संबंधों पर करीब से नजर रख रहा है। हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद से बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों में वृद्धि हुई है। भारत ने पड़ोसी देश के साथ बार-बार इस मुद्दे को उठाया है। हाल ही में मुहम्मद यूनुस ने चीन को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए आमंत्रित करके विवाद खड़ा कर दिया।

पदयात्रा बिहार के युवाओं के भविष्य पर कांग्रेस के दृष्टिकोण को दिखाता है: अमिता भूषण

हमें भाजपा के बरबोले नेताओं के बयान पर ध्यान नहीं देना है

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

येनूसराय: बेगूसराय में डा कन्हैया कुमार की नौकरी दो पलायन रोको यात्रा के सिलसिले में राहुल गांधी का बेगूसराय आगमन राजनैतिक गलियारों में विमर्श का बड़ा केन्द्र बना हुआ है. बात्रा ती अपने निर्धारित लक्ष्य और कार्यक्रम के तहत आगे निकल गई पर इसने बेगूसराय को बिहार की राजनीती के केन्द्र में लाकर खड़ा कर दिया है. बाबा के दौरान स्वतः स्फूर्त उमदी ऐतिहासिक भीड, कार्यकताओं के जोश और पलायन, रोजगार जैसे मुद्दों पर चौक चौराही तक हो रही विमर्श से कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता गदगद है. सदर
बेगूसराय की पूर्व विधायक अमिता भूषण और उनकी पूरी टीम पिछले कई दिनों से इस कार्यक्रम की सफलता के लिये जिस कदर मेहनत कर रही थी कार्यक्रम की

ऐतिहासिक सफलता से उनके भी चेहरे पर सकून का भाव दिखा. अमिता भूषण ने कहा कि इस चाबा को सिर्फ बेगूसराय के परिपेक्ष्य में देखना उचित नहीं है. यह सही है कि यात्रा और यात्रा में राहुल गांधी की उपस्थिति बेगूसराय और बेगूसराय के कांग्रेस जन के लिये ऐतिहासिक अवसर था पर यह यात्रा एक व्यापक उद्देश्य की यात्रा है जो बिहार और बिहार के युवाओं के भविष्य पर कांग्रेस के दृष्टिकोण को दिखाता है. बेगूसराय
के कांग्रेस कार्यकताओं ने इसके लिये जो दिन रात मेहनत की है इसके लिये उन्होंने एक एक कार्यकर्ता के प्रति
अपना आभार प्रकट किया है. उन्होंने कहा कि पदयात्रियों के स्वागत, उनकी सुविधा के लिये जो मेहनत
हमारी टीम, जिला कांग्रेस के कार्यकर्ता ने की है उनके प्रति भी मेरा आभार है. इतनी बड़ी भीड़ को संभालना, उनके लिये सभी जरूती चीजों का इंतजाम काफी चुनौतीपूर्ण तो था पर हम इस चुनौती से पार पाने में सफल रहे. अमिता भूषण उन तमाम चों, बुद्धिजीवियों, किसानों, मजदूरी, संस्थानों के प्रति भी आभार प्रकट किया है जिन्होंने जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर इस यात्रा में शामिल हुचे. इनमें महिलाओं, महिला संगठनों, व्यापारी वर्ग, अधिवक्ता समुदाय, शिक्षक समुदाय, चिकित्सा व्यवसाय से जुड़े लोग शामिल थे. बाजा के संदर्भ में कुछ भाजपा नेताओं के बयानों के संदर्भ में अमिता भूषण ने कहा कि वो ऐसे नेताओं के बयानों पर प्रतिक्रिया देना महत्वपूर्ण नहीं समझती. ऐसे नेताओं की राजनीतिक रोटी दाल उस दल में इसी से चलती है. कुछ नेताओं के दूर की दृष्टि के चश्मे का नंबर बदलने की जरूरत है उन्हें न भीड़ दिखती है, न महगाई, बेरोजगारी और पलायन हमलोगों का उद्देश्य राहुल गांधी द्वारा दिये गये सांगठनिक टिप्स और टास्क का अनुसरण करते हुये बिहार में राजनैतिक बदलाब के मिशन के साथ बिहार के भविष्य को संवारने की दिशा में काम करना है ना कि ऐसे बड़बोले नेताओं के बयानों पर ध्यान देनर

डीएम ने किया समाहरणालय के सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

- प्रखंड स्तर पर विडियो कॉल से किया औचक निरीक्षण, अनुपस्थित कर्मियों और पदाधिकारियों का मानदेय किया स्थगित

निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त बेगूसराय, जिला परिवहन पदाधिकारी बेगूसराय, जिला पंचायत राज पदाधिकारी बेगूसराय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। जांच के क्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी, बेगूसराय एवं मद्य निषेध अधीक्षक बेगूसराय अनुपस्थित पाये गये।

बेगूसराय: बेगूसराय के डीएम तुषार सिंगला ने मंगलवार दिनांक 08.04.2025 को 10:10 पूर्वाह्न से समाहरणालय अंतर्गत सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त बेगूसराय, जिला परिवहन पदाधिकारी बेगूसराय, जिला पंचायत राज पदाधिकारी बेगूसराय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। जांच के क्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी, बेगूसराय एवं मद्य निषेध अधीक्षक बेगूसराय अनुपस्थित पाये गये। डीएम ने सभी कार्यालय में कर्मियों की उपस्थिति पंजी की जांच की, जिसमें जिला कल्याण विभाग के 9, नीलम शाखा के 4, जिला राजस्व शाखा के 3, जिला भू अर्जन कार्यालय के 3, जिला विधि शाखा के 3, जिला पंचायत कार्यकाल के 4, जिला नागरिक सुरक्षा के 1 कुल 28 कर्मी अनुपस्थित पाये गये। इसके बाद डीएम ने प्रखंड अंतर्गत सभी पदाधिकारियों की कार्यालय में उपस्थिति की जांच करने हेतु 10:45 पूर्वाह्न से 11:00 बजे पूर्वाह्न तक वाट्सएप विडियो कॉल के माध्यम से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में भूमि सुधार उप समाहर्तातिघड़ा, प्रखंड विकास पदाधिकारी खोदावंदपुर, छौड़ाही, अंचल अधिकारी छौड़ाही, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी बछवाड़ा, चेरियाबरियारपुर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बेगूसराय सदर, बछवाड़ा, कार्यक्रम पदाधिकारी साहेबपुर कमाल, सब इलेक्शन ऑफिसर बखरी कार्यालय में उपस्थित नहीं पाये गये। सभी अनुपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों का डीएम द्वारा मानदेय स्थगित कर दिया गया साथ ही ससमय कार्यालय में उपस्थित नहीं रहने पर स्पष्टीकरण की मांग की गई है। डीएम ने कहा कि सभी पदाधिकारी, नियमित कर्मी एवं नियोजित कर्मी सामान्य प्रशासन के दिशा-निर्देश पर पूर्वाह्न 10 बजे से कार्यालय में उपस्थित होकर अपने कार्य का निर्वाहन करें, अन्यथा अनुपस्थित पाये जाने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों पर अनुशानात्मक एवं दंडानात्मक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ग्रीष्म ऋतु के दौरान सभी विद्यालय मॉर्निंग हो गया है, अतः जब छात्र-छात्राएं विद्यालय मॉर्निंग में पहुंच कर पठन-पाठन कर सकते है, तो पदाधिकरी एवं कर्मी भी ससमय उपस्थित होकर अपना कार्य करें।

परिवहन विभाग समस्तीपुर ने करीब 16 हजार से अधिक वाहनों से 4.68 करोड़ का राजस्व वसूला

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : समस्तीपुर जिले में परिवहन विभाग ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले के 16,918 कामर्शियल वाहनों से 4.68 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया गया है। जिला परिवहन पदाधिकारी विवेक चंद्र पटेल के अनुसार, यह आंकड़ा टैक्स वसूली व्यवस्था में सकारात्मक सुधार को दशार्ता है। विभाग ने अपना निर्धारित लक्ष्य पूरा कर लिया है। पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस बार टैक्स वसूली में 1.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।वाहनवार राजस्व का विवरण इस प्रकार है झ 15 हजार तीन चक्का वाहनों से 3.26 करोड़ रुपये, 580 ट्रैक्टरों से 56.22 लाख रुपये और 109 बसों से 7.57 लाख रुपये प्राप्त हुए। तीन एम्बुलेंस से 51 हजार रुपये की वसूली की गई। 1,164 बड़ी और छोटी गाड़ियों से 55.25 लाख रुपये तथा 62 मैक्सी और मोटर कैब से 21.91 लाख रुपये का टैक्स वसूला गया।विभाग अब उन वाहन मालिकों पर फोकस कर रहा है, जिन्होंने कई वर्षों से टैक्स नहीं जमा किया है। इन बकाएदारों को जल्द नोटिस भेजे जाएंगे। टैक्स वसूली को और पारदर्शी बनाने के लिए नियमित अभियान चलाए जाएंगे। इससे जिले में राजस्व संग्रहण और मजबूत होगा।

बढ़े रसोई गैस की कीमतों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने जताई नाराजगी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- गरीबों की आमदनी नहीं लेकिन खर्च बढ़ा रही है भाजपा एनडीए सरकार : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार

पटना, बुधवार, 9 अप्रैल, 2025 भाजपा एनडीए सरकार गरीबों की आमदनी में कोई इजाफा नहीं कर रही है लेकिन उनके दैनिक खर्चों में महंगाई बढ़ाकर वृद्धि कर रही हो। रसोई गैस की कीमतों में 50 रुपए के इजाफे पर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश कुमार ने गहरी आपत्ति जताते हुए कहा कि उज्ज्वला योजना और आम रसोई गैस धारकों के ऊपर यह अतिरिक्त खर्च बढ़ाना केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता को उजागर करती है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि इस बढ़ोतरी पर बिहार के डबल इंजन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार चुप्पी क्यों साध रखें हैं। यही भाजपा प्रत्येक राज्यों में चुनाव के समय 500 रुपए में रसोई गैस देने का घोषणा करके चुनाव लड़ती है और अभी बेतहाशा वृद्धि कर देती है। बढ़ी रसोई गैस की कीमतों से आम परिवारों पर विपरीत असर करेगा और उनके दैनिक खर्च और जीवन यापन में समस्याएं बढ़ेंगी। आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर यह तगड़ा झटका है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री जनता के बजाय तेल कंपनियों के प्रवक्ता बनकर वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का एलान करते हैं। उत्पाद शुल्क वृद्धि करके आम उपभोक्ताओं के जेब से तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपये की भरपाई करना बेहद निराशाजनक है। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत घटकर लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल हो गई है, लेकिन इसका लाभ आम उपभोक्ताओं को मिलने के बजाय उन्हें अतिरिक्त बोझ दिया जा रहा है।

पूर्व विधान पार्षद लालबाबू लाल का निधन, प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार सहित वरिष्ठ नेताओं ने जताया शोक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 9 अप्रैल, 2025बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधान पार्षद लाल बाबू लाल का आज सुबह 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया है और कहा कि आजीवन दलित वर्ग के उत्थान के लिए उन्होंने कार्य किया और लगातार विभिन्न मंचों पर और पार्टी फोरम में उनके हक की आवाज उठाते रहें। उनके निधन से हमने क्रांतिकारी अभिभावक खो दिया है। पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़ चढकर उन्होंने सदैव हिस्सा लिया और किडनी की बीमारी से ग्रस्त होने के बावजूद सदाकत आश्रम इस उम्र में भी लगातार आते रहें। पूर्व एमएलसी लालबाबू लाल बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुंगेरी लाल के भतीजे थे और बेहद कम उम्र में एमएलसी बनें थे। कल उनका पार्थिव शरीर बिहार कांग्रेस के मुख्यालय सदाकत आश्रम में पुष्पांजलि को लाया जाएगा।बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू, सांसद तारिक अनवर, डा0 शकील अहमद खान, डा0 मदन मोहन झा, सुशील पासी, शाहनवाज आलम, देवेन्द्र यादव,मोती लाल शर्मा, कृपानाथ पाठक, प्रेमचन्द्र मिश्रा, राजेश राठौड़, अजय चौधरी, ब्रजेश प्रसाद मुनन, जमाल अहमद भल्लू, डा0 हरखू झा, आनन्द माधव, ज्ञान रंजन,डा0 स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, शिशिर कौंडिल्य, निधि पांडेय ,सत्येन्द्र कुमार सिंह, प्रदुम्न यादव, ई. संजीव सिंह, राजछविराज,अरविन्द लाल रजक ने भी पूर्व विधान पार्षद लाल बाबू लाल के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

विवाह के चौथे दिन फरार हुई दुल्हन को पुलिस ने एक साल बाद किया बरामद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/मोरवा :- मोरवा प्रखंड के चकलालशाही से अपहता को हलई पुलिस द्वारा समस्तीपुर से बरामद कर न्यायालय में बयान के लिए प्रस्तुत किया गया। विदित हो कि सरायरंजन की एक लड़की का विवाह वर्ष 2024 में चकलालशाही में हुआ था। विवाह के 4 दिन के बाद ही वह भाग गई थी। इस घटना के विरुद्ध अभिभावक के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। तबसे हलई पुलिस के द्वारा युद्ध स्तर पर उसकी खोज की जा रही थी। थाना अध्यक्ष राहुल कुमार के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर समस्तीपुर से बरामद करने के बाद उसे न्यायालय में बयान के लिए प्रस्तुत किया गया है।

मशरक में मोबाइल टावर से बैट्री चोरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के कवलपुरा गांव में मोबाइल टावर से बैट्री चोरी हो गयी घटना की सूचना मिलने पर इमरजेंसी 112 की टीम पहुंच जांच पड़ताल कर रही है। घटना के बारे में बताया गया कि कवलपुरा गांव में उज्जवल सिंह के जमीन पर टावर विजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सौजन्य से एयरटेल मोबाइल नेटवर्क से 24 पीस 48 वोल्ट का बैट्री चोरी कर ली गई है। मामले में टेक्निशियन ने बताया कि मोबाइल टावर का नेटवर्क डाउन हो गया तब टावर पर जाकर देखा गया तों पता चला कि बैट्री चोरी कर ली गई है।

सारण पुलिस द्वारा जनसुनवाई हेतु जिलान्तर्गत आयोजित की गयी सारण पुलिस आपके द्वारऱ कार्यक्रम

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपरा,पुलिस मुख्यालय से मिले दिशा-निर्देश के आलोक में जनसुनवाई हेतु आगंतुकों के समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु बेहतर एवं सुदृढ़ व्यवस्था बनाने के लिए आज दिनांक-09.04.25, बुधवार को सारण पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के दौरान जिलान्तर्गत वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा अपने अनुमंडल अंतर्गत 01-01 थाने में जाकर 11 बजे पुर्वा० में कैम्प लगाकर जनता की समस्या को सुनकर इसका निष्पादन किया गया। जिसमें गरखा थाना में-11, सोनपुर थाना में 11 दाउदपुर थाना में-03, मेल्दी थाना में-04, तरैया थाना में-06 आवेदको ने उपस्थित हो कर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

तेजाबी हमले के दो दोषियों को दलसिंहसराय कोर्ट ने सुनाई 10-10 वर्षो की सजा

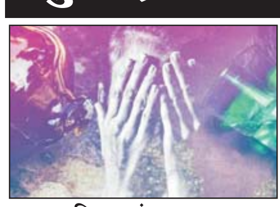

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/दलसिंहसराय :- दलसिंहसराय व्यवहार न्यायालय के एडीजे शशिकांत राय के कोर्ट ने सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी करते हुये तेजाबी हमले के दो दोषियों को 10 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाई। वहीं 10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया। जानकारी देते हुये एपीपी अरुण कुमार सिन्हा ने बताया कि 8 मई 2020 को केवटा में जीवछ राय अपने भाई के साथ पक्का मकान का कार्य करवा रहे थे।इस दौरान अभियुक्त तारा देवी, उषा देवी समेत अन्य आरोपियों ने तेजाबी हमला कर कांड के सूचक समेत अरुण राय, प्रेम कुमार, गणिता देवी, अनूठी देवी, चंद्रकला देवी, राम दुलारी देवी, निर्भय कुमार को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। कोर्ट ने अभियुक्त तारा देवी एवं उषा देवी को धारा आईपीसी की धारा 307 में 5 वर्ष सश्रम कारावास की सजा साथ बीस हजार रुपए अर्थदंड लगाया अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने पर 15 दिनों का साधारण कारावास की सजा का प्रावधान किया। वहीं धारा 326(ए) में 10 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा साथ दस हजार रुपए जुमार्ना लगाया। अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने पर दस दिनों का साधारण कारावास की सजा भुगतने का आदेश दिया। बताते चलें कि 29 मार्च को कोर्ट ने मामले की सुनवाई पूरी करते हुए दोनों अभियुक्तों को दोषी करार दिया था।

डीएम व एसएसपी ने पालनाघर का किया उद्घाटन कामकाजी महिलाओं के बच्चों को मिलेगा लाभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- 9:15 बजे से लेकर शाम 6:30 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस में खुले रहेंगे

(दरभंगा):- जिला पदाधिकारी दरभंगा श्री राजीव रौशन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक श्री जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी द्वारा पुलिस लाइन में स्थित पालनाघर का उद्घाटन संयुक्त रूप से फीता काटकर किए। पुलिस लाइन परिसर में मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के तहत संचालित पालना घर का वरीय पुलिस अधीक्षक दरभंगा द्वारा नारियल तोड़कर पालनाघर के शुभारम्भ की।
पालना घर को सही ढंग से संचालित करने के लिए आज जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने रिंकी कुमारी एवं काजल को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किये।जला पदाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की नीति के तहत सरकारी सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, इस पालना घर का उद्देश्य है,पुलिस लाइन परिसर में कार्यरत महिला पुलिस बल के बच्चों की कार्यस्थल पर देखभाल की समुचित व्यवस्था करना,इससे महिलाएं बिना किसी कठिनाई के बच्चों के लालन-पालन के साथ कार्यालय के कार्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर सकेंगी।* यहां कार्यरत पुरुष भी इस पालना घर में अपने बच्चों को लेकर आ सकते हैं। पालना घर छह माह से पांच वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए है। पालना घर में बच्चों की देखभाल हेतु एक क्रेच वर्कर एवं एक सहायक क्रेच वर्कर की नियुक्ति की गयी है।साथ ही नियुक्ति पत्र का वितरण जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया। यहां बच्चों के खेलने और पढ़ने तक की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। जिला प्रशासन,दरभंगा एवं महिला बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग के समन्वय से इस पालना घर का निर्माण किया गया है। बिहार सरकार नौकरी में महिलाओं को आरक्षण दे रही है, जिसके बाद कार्यालयों में महिला कर्मियों की संख्या काफी बढ़ गई है ऐसे में उन महिलाओं के छोटे बच्चों को रखना और नौकरी करना दोनों मुश्किल होता है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने संवाददाता को संबोधित करते हुए कहा कि महिला पुलिस कर्मी को बच्चों को लेकर काम करने में कठिनाई होती है, इसी को लेकर पालना घर बनाया गया है। *अब बच्चे पालना घर में रहेंगे एवं काम करने वाले महिला पुलिस बल को कोई दिक्कत नहीं होगा। उन्होंने कहा कि 14 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ है,आज 10 बच्चे उपस्थित हैं,आज पुलिस कर्मी के लिए खुशी का दिन है। डीपीओ आईसीडीएस चाँदनी सिंह ने बताया कि पुलिस लाइन,दरभंगा में बने पालना घर महिला कर्मियों लिए वरदान साबित होगा। पालना घर को साज सज्जा,बच्चों को खेलने के लिए खिलौने, बेड,किचन,आरओ,बाल चित्रकारी से दीवार को सजाया गया है।

जिला पदाधिकारी महोदय समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा ने रबी गेहूं फसल कटनी करा कर उत्पादन का किया आकलन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर, 09 अप्रैल 2025 बुधवार। आज दिनांक 09/4/2025, दिन बुधवार को रबी गेहूं फसल कटनी का कार्य पंचायत बखरी बुजुर्ग के राजस्व ग्राम उदापट्टी में किसान मो० शमशुल के खेत में जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा के अध्यक्षता में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी श्री अशोक कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, तथा सरायरंजन प्रखंड अंर्तगत कृषि समन्यवक, किसान सलाहकार की उपस्थिति में किया गया। रबी फसल कटनी का कार्य 10 मीटर लंबा और 5 मीटर चौड़ा यानि 50 वर्ग मीटर क्षेत्र में गेहूं फसल की कटनी कराई गई। फसल कटनी के बाद थ्रेशिंग किया गया। थ्रेशिंग के बाद उसका वजन किया गया।
50 वर्ग मीटर क्षेत्र में हरा दाना का उत्पादन 15.515 किलोग्राम हुआ।
इस प्रकार उपज 31.03 क्विंटल पर हेकटेयर हुआ। पांच से सात दिन बाद सूखा दाना का वजन किया जाएगा।

मशरक में श्री सीताराम नाम जाप महायज्ञ भव्य कलशयात्रा से शुभारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर गांव के सूर्य मंदिर के प्रांगण में नौ दिवसीय श्री सीताराम नाम जप महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलशयात्रा से शुभारंभ किया गया।मौके पर ग्रामीणों में मुखिया प्रतिनिधि चन्द्रशेखर सिंह, पप्पू सिंह,दिनेश सिंह, निरंजन सिंह,पवन सिंह,संतोष सिंह विकेश सिंह,सुजीत सिंह श्री कांत सिंह,बिजली ठेकेदार श्री राम सिंह,ललन सिंह, नरेंद्र सिंह, बिनोद सिंह, बब्लू सिंह,गोलू कुमार सिंह समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहें। महायज्ञ के संचालक संत श्याम शंकर दास जी महाराज के नेतृत्व में हजारों पीला वस्त्र धारण किए कन्याओं और महिलाओं के हाथ में पूजा-अर्चना के बाद कलश सौंपा गया। जो यज्ञ मंडप से पूजा अर्चना के बाद गांव का भ्रमण करते हुए चरिहारा महावीर मंदिर पहुंची जहां से पुनः गांव का भ्रमण करते हुए सूर्य मंदिर के पोखरे पर पहुंची जहां विधिवत जल बोझी कराई गई।आयोजन समिति के लोगों ने बताया कि नौ दिवसीय सीताराम महायज्ञ में प्रतिदिन प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जिला समाहरणालय के सभागार में महिला संवाद कार्यक्रम के तहत सभी जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुरः आज दिनांक 09-04-2025 को जिला समाहरणालय के सभागार में महिला संवाद कार्यक्रम के तहत सभी जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री रौशन कुशवाहा, अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी और जिला सुचना एवं जन संपर्क अधिकारी एवं जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका) द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।सर्वप्रथम जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ देकर

स्वागत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा कार्यशाला में उपस्थित सभी पदाधिकरियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि महिला संवाद कार्यक्रम का अनुश्रवन प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं जिला स्तर पर उप विकास आयुक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आप जितने जागरूक होंगे उतना ही आगे बढ़ने की संभावना होगी और जो जितना आगे बढ़ता है उसका समाज में उतना ही सम्मान होता है। उन्होंने मुख्य रूप से महिला अधिकारियों को इस महिला संवाद कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया।उप विकास आयुक्त, समस्तीपुर द्वारा बताया गया कि इस कार्यक्रम में जीविका दीदी के अलावे अन्य ग्रामीण महिलायें भी भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि डिस्प्ले युक्त रथ के माध्यम से एवं लीफलेट के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों में दिया जाएगा तथा इस संवाद के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की सरकार से अपेक्षाओं एवं जरूरतों को संकलित कर राज्य सरकार को उपलब्ध कराया जाएगा।अंत में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही इस कार्यशाला को समाप्त किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना में घूसखोरी चरम पर, धौंस-धमकी के बाबजूद पीड़ित कर रहे शिकायत- सुरेंद्र

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बीडीओ एवं कार्यालय मैनेज के नाम पर वसूली की जांच कर कारवाई हो अन्यथा आंदोलन-माले
- शिकायतकर्ता को प्रताड़ित करने पर रोक लगे अन्यथा भाकपा माले सीधी कारवाई को उतरेगा

ताजपुर/समस्तीपुर9 अप्रैल 2025
पिछले दिनों दो आवास सहायकों पर कारवाई के बाबजूद प्रखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना में घूसखोरी चरम पर है। सूची बनाने से लेकर पहली, दूसरी एवं तीसरी किस्त की राशि भुगतान में लाभुकों से अलग-अलग वसूली की जाती है साथ में भुगतान बंद करा देने के नाम पर लाभुकों को चुप रहने का नसीहत दिया जाता है। लेकिन ताजपुर की संघर्षशील धरती पर तमाम धौंस-धमकी को धत्ता बताते हुए शिकायत कर्ता आगे आ रहे हैं। उक्त बातें भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा। उन्होंने रजबा पंचायत का हवाला देते हुए बताया कि कुबौली निवासी रामप्रीत सिंह के पुत्र रामनाथ कुमार ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पहला किस्त की राशि 40 हजार रूपए भुगतान के एवज में 7 हजार रूपए की राशि राजीव कुमार द्वारा मांगा जा रहा है और नहीं देने पर दूसरा किस्त का भुगतान रोकबा देने का धमकी दिया जा रहा है। माले नेता ने बताया कि वसूली के ऐसे मामले अन्य पंचायतों से भी आ रहा है। कई जगह से तो बीडीओ एवं कार्यालय मैनेज के नाम पर वसूली किया जा रहा है जो जांच का विषय है। भाकपा माले नेता ने विभिन्न पंचायतों में आवास सहायकों, दलालों द्वारा वसूली की गहनता से जांच करने, वसूली के आरोपियों पर कारवाई करने अन्यथा आंदोलन का रास्ता अख्तियार करने की चेतावनी दी है। उक्त बातें भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा। उन्होंने रजबा पंचायत का हवाला देते हुए बताया कि कुबौली निवासी रामप्रीत सिंह के पुत्र रामनाथ कुमार ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पहला किस्त की राशि 40 हजार रूपए भुगतान के एवज में 7 हजार रूपए की राशि राजीव कुमार द्वारा मांगा जा रहा है

राज्य स्तरीय जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता को ले चयन शिविर 12 अप्रैल को

यह चयन सुबह 8:00 बजे से लेकर 10 बजे तक आयोजित है ,जिसमें वैसे खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म 1जनवरी 2006 के बाद हुआ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। हैंडबॉल एसोसिएशन आफ बिहार द्वारा पश्चिमी चंपारण में 18 अप्रैल 2025 से लेकर 20 अप्रैल 2025 तक आयोजित प्रथम बिहार राज्य जूनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली सिवान जिले के टीम के गठन को लेकर 12 अप्रैल 2025 को रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के खेल मैदान में चयन किया जाएगा। यह चयन सुबह 8:00 बजे से लेकर 10 बजे तक आयोजित है ,जिसमें वैसे खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म 1जनवरी 2006 के बाद हुआ हो। हैंडबॉल एसोसिएशन आफ सिवान की सचिव सलमा खातून ने बताया कि इस चयन प्रतियोगिता में सिवान जिले के वैसे सभी खिलाड़ी आमंत्रित हैं जो हैंडबॉल खेल से जुड़े हुए हैं एवं जिनका जन्म 1 जनवरी 2006 के बाद हुआ है इस चयन प्रतियोगिता में पंजीयन करने के लिए दो पासपोर्ट साइज फोटो ,आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य है ।चयनित सभी खिलाड़ियों का आवासीय प्रशिक्षण 12 अप्रैल से ही शुरू हो जाएगा जो 16 अप्रैल तक चलेगा यह प्रशिक्षण पूर्ण रूप से आवासीय होगा। प्रशिक्षणोंपरांत टीम 17 अप्रैल 2025 को पश्चिम चंपारण के लिए रवाना होगी। चयन समिति में एन आई एस प्रशिक्षक विवेक कुमार सिंह, अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी खुशबू कुमारी शामिल है। सिवान सचिव सलमा खातून ने बताया कि चयन सह प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ी हीं सिवान टीम में शामिल किए जाएंगे

मशरक में जमीनी विवाद में मारपीट में घायल की पटना पीएमसीएच में मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के गंडामण धरमासती गांव में विवादित जमीन पर नीव निकालने के विवाद में मारपीट में घायल की पटना पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं दो गंभीर हालत में इलाजरत हैं। मृतक की पहचान गंडामण गांव निवासी रामनाथ राय के 38 वर्षीय पुत्र शत्रुघ्न राय के रूप में हुई। मृतक को एक पुत्र और एक पुत्री हैं। वहीं वह विदेश में रहता था और कुछ दिनों पहले ही गांव आए थे। मौके पर पहुंची थाना पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। घटना के बारे में जानकारी मिली कि मकान के आगे बाउंड्री निर्माण के लिए पीलर निकाला जा रहा था कि मारपीट हो गई जिसमें 8 लोग घायल हो गए।घायलों में एक तरफ से चन्द्रमा राय का 47 वर्षीय पुत्र ललन राय,26 वर्षीय पुत्र संतोष यादव,ललन राय की 44 वर्षीय पत्नी मंजू देवी और 26 वर्षीय पुत्र मुन्ना यादव और दूसरे तरफ से रामनाथ राय के तीन पुत्र 38 वर्षीय शत्रुघ्न राय,27 वर्षीय श्रषिदेव कुमार,25 वर्षीय संजय कुमार हैं। वहीं थाना पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बुधवार की शाम शव पोस्टमार्टम करा गांव लाया गया जहा परिजनों में मातम छा गया।

भाजपा का छपरा विधानसभा सक्रिय सदस्य सम्मेलन स्थानीय स्नेही भवन में हुआ आयोजित

लोकतांत्रिक परम्परा का जीवंत उदाहरण है भाजपा :- डॉ सी एन गुप्ता

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा ,भारतीय जनता पार्टी का छपरा विधानसभा स्तरीय सक्रिय सदस्य सम्मेलन स्थानीय स्नेही भवन में आयोजित हुआ।कार्यक्रम की शुरूवात पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण करके हुई.जिसमें वक्ताओं ने पार्टी की विभिन्न नीतियों के बारे में बताया। प्रदेश और केंद्र सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बुधवार को स्नेही भवन के सभागार मे आयोजित सक्रिय सदस्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है,जिसमें लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वाहन किया जाता है।उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए सत्ता नही राष्ट्र प्रथम होता है। मुख्य अतिथि भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष अमृता भूषण ने पार्टी की विभिन्न जानकारियां सदस्यों को दी। उन्होंने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। जिसका हमें गर्व है जो राष्ट्र के लिए काम करती है।आयोजित कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह,जिला प्रभारी अनूप श्रीवास्तव इत्यादि ने सम्बोधित किया.इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक सिंह,रामदयाल शर्मा, कौशल सिंह,अरुण कुमार सिंह,सुप्रिया जयशवाल आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।पूर्वी मंडल अध्यक्ष चन्दन सोनी की अध्यक्षता एवं धर्मेन्द्र सिंह चौहान के मंच संचालन में आयोजित सम्मेलन में जिला प्रवक्ता मदन सिंह, राजेश फैशन,डॉ भरत मांझी,संध्या सिंह, मण्डल अध्यक्ष सतेंद्र शर्मा, संस्कार कुमार, अनूप यादव ,पूर्व मण्डल अध्यक्ष गामा सिंह आदि समेत सैकड़ो बीजेपी सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे.

प्रधानमंत्री मातृत्व योजना को ले विशेष शिविर , गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक में विशेष शिविर आयोजित किया गया। इसमें गर्भवती महिलाओं की जरूरी चिकित्सकीय जांच के साथ जरूरी दवा व परामर्श निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। प्रभारी डॉ संजय कुमार, डॉ चन्द्रशेखर सिंह,डॉ एस के विधार्थी समेत कई अन्य महिला स्वास्थ्यकर्मियों ने गर्भवती महिलाओं की जांच-पड़ताल की। चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने बताया कि प्रसव अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत जांच करानी चाहिए। दरअसल, समय पर जांच कराने से किसी भी प्रकार की परेशानी का शुरूआती दौर में ही पता चल जाता और पता लगने पर ही उसे आसानी से दूर किया जा सकता है।

महिला संवाद कार्यक्रम संपन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मंगलवार को जिला महिला कांग्रेस कमिटी के तत्वाधान में विभिन्न स्थानों पर महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला महिला अध्यक्ष देविता कुमारी गुप्ता ने किया। जिसमें अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला पर्यवेक्षक अनामिका यादव के अतिरिक्त जिला कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष मो अबू तमीम, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की ओर से जिला पर्यवेक्षक नरेश भारद्वाज, जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव मुकेश कुमार चौधरी एवं जिला युवा कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रितेश कुमार चौधरी ने भी भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीमती यादव ने एनडीए की डबल इंजन की सरकार द्वारा महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा महिलाओं को आह्वान किया कि इस आता ताई सरकार से छुटकारा पाने के लिए अपने को संगठित करें। इस अवसर पर अध्यक्षा सहित सभी महानुभावों ने महिलाओं को संगठित एवं संघर्षशील होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नगर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कामिनी कुमारी राम, समस्तीपुर ग्रामीण महिला कांग्रेस की अध्यक्ष मीना कुमारी, उजियारपुर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष उषा देवी, मोरवा प्रखंड महिला कांग्रेस अध्यक्ष रंजू मंडल, उजियारपुर प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश चंद्र कुंवर, मंजू देवी, बेबी कुमारी ने भी विशेष रूप से भाग लेकर अपने विचार व्यक्त किया।

कांग्रेस की मानसिकता को समझ ही नहीं पाया कि वो एक व्यक्ति का विरोध करते-करते ,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

वो ये भी भूल गए कि वो देश का अपमान करने लग गए

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने दिल्ली आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं कांग्रेस की मानसिकता को समझ ही नहीं पाया कि वो एक व्यक्ति का विरोध करते-करते, वो ये भी भूल गए कि वो देश का अपमान करने लग गए। यह वही लोग हैं जिनके कार्यकाल में एक से एक बड़े घोटाले इस देश ने देखे हैं। आज देश के एक ऐसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी है, जिन्होंने देश में घोटालों पर, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगाने का काम किया है।एक ऐसे प्रधानमंत्री जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाने का किया है। आप नीतियों का विरोध करें लेकिन एक व्यक्ति का विरोध करते-करते इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना, यह बिल्कुल उचित नहीं है । इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

महिला संवाद के सफल आयोजन हेतु जीविका सारण द्वारा एक दिवसीय वर्कशॉप सह ओरियंटेशन कार्यक्रम आयोजित

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,महिलाओं को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने एवं उनके अनुभवों को साझा करने हेतु "महिला संवाद" जैसे नवाचारात्मक कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है। इसी क्रम में आज जीविका, सारण द्वारा जिला प्रेक्षागृह, छपरा में "महिला संवाद" के सफल आयोजन के उद्देश्य से एक दिवसीय वर्कशॉप सह ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन उपविकास आयुक्त श्री यतेन्द्र कुमार पाल, जिला परियोजना प्रबंधक श्री अरुण कुमार एवं जिला मेंटर श्रीमती निधि सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान उपविकास आयुक्त ने इस ओरियंटेशन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह कार्यक्रम न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि जन-जन तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि इस ओरियंटेशन का मुख्य उद्देश्य आगामी "महिला संवाद" कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना, उसकी रणनीति तथा क्रियान्वयन प्रक्रिया पर विचार-विमर्श करना है।

ज्ञात हो कि "महिला संवाद" कार्यक्रम का आयोजन सारण जिले के कुल 2116 चयनित ग्राम संगठनों में किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मोबाइल वैन एवं सूचना सामग्री (लिफ्लेट, बैनर आदि) के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इन वैनों को विशेष रूप से तैयार किया गया है, जिनमें एलईडी टीवी, योजनाओं से संबंधित बैनर, पोस्टर और अन्य क्एउ मटेरियल मौजूद रहेंगे। इन वैनों की कुल संख्या 18 होगी, जो पूर्वनिर्धारित रूटमैप के अनुसार पूरे जिले में भ्रमण करेंगी। इस संवाद कार्यक्रम में लाभुक महिलाएं अपने अनुभव साझा करेंगी, जिससे अन्य महिलाएं भी प्रेरित होंगी। साथ ही उपस्थित महिलाएं सरकार से अपनी अपेक्षाएं एवं सुझाव भी साझा करेंगी, जिससे नीतिगत स्तर पर समावेशी निर्णय लिए जा सकें। जिला मेंटर श्रीमती निधि सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि "महिला संवाद" एक ऐसा मंच है जो न केवल योजनाओं की जानकारी देगा, बल्कि यह लोगों की आकांक्षाओं को भी सरकार तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। इस वर्कशॉप सह ओरियंटेशन में जीविका सारण के सभी जिला कर्मी एवं प्रखण्ड स्तरीय कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने "महिला संवाद" की अवधारणा की सराहना की और इसके सफल आयोजन के लिए अपने सुझाव भी दिए।कार्यक्रम के समापन पर यह संकल्प लिया गया कि सारण जिला में "महिला संवाद" को जनभागीदारी से एक जनांदोलन का रूप दिया जाएगा,

विद्यालयों में उर्दू की शिक्षा सुनिश्चित कराने हेतु कौमी असातिजह तंजीम बिहार ने शिक्षा विभाग को लिखा पत्र

हिन्दी विद्यालयों की समय सारणी में उर्दू हो शामिल, उर्दू शिक्षकों से उर्दू भाषा शिक्षण का लिया जाए काम : मो0 रफी

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 9 अप्रैल, सरकारी विद्यालयों में बिहार की दूसरी सरकारी भाषा उर्दू की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कौमी असातिजह तंजीम बिहार ने आज अपर मुख्य सचिव बिहार शिक्षा विभाग पटना, निदेशक माध्यमिक शिक्षा बिहार व प्राथमिक शिक्षा बिहार को पत्र लिखा है। यह बातें कौमी असातिजह तंजीम बिहार के प्रदेश संयोजक मो0 रफी ने बताया। मो0 रफी ने पत्र के माध्यम से शिक्षा विभाग बिहार को आगाह किया है कि शैक्षणिक सत्र 2025 - 26 प्रारंभ हो चुका है। विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण स्थापित हो चुके हैं, परन्तु अफसोस उर्दू भाषा की शिक्षा को बाधित करने का खेल अब भी जारी है। जान बूझ कर हिन्दी विद्यालयों में जहां उर्दू भाषा के शिक्षक बहाल हैं उन्हें उर्दू पढ़ाने नहीं दिया जाता है। समय सारणी में भी उर्दू भाषा को शामिल नहीं

किया गया है।? जानबूझकर विद्यार्थियों को उर्दू भाषा की पुस्तक भी उपलब्ध नहीं कराई जाती है। जो बच्चे उर्दू भाषी हैं उन्हें शिक्षक न होने आदि का बहाना बना कर उर्दू की शिक्षा से वंचित रखा ज रहा है। उर्दू की शिक्षा से वंचित होने से बच्चों पर दोहरी मार पड़ती है, मजबूरन उन्हें संस्कृत विषय लेना पर रहा है जिसका उसे ज्ञान भी नहीं है न ही उनकी संस्कृति से कुछ संबंध है। वर्ग श के बाद जिस बच्चे का उर्दू विषय होता है वह राष्ट्र भाषा हिन्दी पढ़ते हैं और जो हिन्दी विषय लेते हैं उन्हें संस्कृत पढ़ना होता है। मो0 रफी ने यह भी कहा कि हिन्दी विद्यालयों का प्रबंधन करने वाले जानबूझकर उर्दू भाषा जानने वाले बच्चों के साथ ऐसा अन्याय करते हैं कि वह संस्कृत पढ़ने को विवश होते हैं। उन्होंने कहा यह भी सच्चाई है कि बहुत से वर्ग क से श के हिन्दी विद्यालयों में मुस्लिम बच्चे जो घर से उर्दू पढ़ कर आते हैं उन्हें विद्यालयों में उर्दू भाषा की शिक्षा से वंचित रखा जाता है। वहीं जो बच्चे वर्ग कसे श में उर्दू भाषा का शिक्षा प्राप्त करते हैं, परन्तु उन्हें वर्ग शकसे शक्कक में उर्दू भाषा की शिक्षा से वंचित रखा जाता है। यह विडम्बना है। मो0 रफी ने स्पष्ट रूप से कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु इनका संज्ञान लेना अति आवश्यक है, अगर व्यवस्था ठीक नहीं हुई तो शिक्षा के गुणवत्ता में बिगाड़ का जिम्मा स्वयं विभाग पर होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी भी खबर मिलती है कि पूराने शिक्षक बैठे रहते हैं और नये बहाल उर्दू शिक्षकों से उर्दू छोड़ दूसरे विषयों के शिक्षण का कार्य लिया जा रहा है। इसलिए मो0 रफी ने विनम्रतापूर्वक मांग की है कि उर्दू भाषा की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए हिन्दी विद्यालयों में जहां उर्दू के शिक्षक और उर्दू भाषी बच्चे नामांकित हैं वहां अनिवार्य रूप से उर्दू भाषा को समय सारणी में सम्मिलित किया जाए और उर्दू शिक्षकों से उर्दू भाषा के शिक्षण का कार्य लिया जाए। साथ ही उर्दू भाषा के बच्चों को संस्कृत पढ़ने को विवश न होना पड़े ऐसी व्यवस्था की जाए। मो0 रफी ने उन शिक्षकों पर कार्रवाई करने की मांग भी की है जो स्वयं तो बैठे रहते हैं और नव नियुक्त उर्दू शिक्षकों का शोषण करते हैं।

उत्साहित दिखे युवा: बजरंग दल के द्वारा निकाला गया मोटरसाइकिल जुलूस

श्री महाराणा प्रताप परशुराम व्यायामशाला के संयोजकत्व में हुआ भव्य आयोजन

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा/ बेगुसराय रामनवमी के अवसर पर हर साल की भांति इस साल भी मंगलवार को श्री महाराणा प्रताप परशुराम व्यायामशाला सह बजरंग दल बरौनी इकाई के द्वारा बरौनी आलू चट्टी रोड़ अनिल आजाद के गली से सैकड़ो की संख्या में उत्साहित सनातनी युवा ने शांतिपूर्ण माहौल में मोटरसाइकिल शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा आलू चट्टी रोड़ से प्रारंभ होकर मिचेर्या चौंक, राजेन्द्र रोड़, वाटिका चौक, कोल बोर्ड रोड़, रजवाड़ा गुमटी से होकर ठाकुरिचक होते हुए बारों आर्य मंदिर बारों बाजार निपानिया, कादिर चक होते अंबे सिनेमा गुमटी, 7बी होकर कार्यकर्म स्थल पर जाकर शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न किया। जुलूस में सैकड़ों की संख्या में मोटरसाइकल पर सवार होकर लोग शामिल हुए। जूलूस के दौरान तेघड़ा अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, तेघड़ा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रविंद्र मोहन प्रसाद, फुलवाड़िया थानाध्यक्ष दिवाकर प्रसाद सिंह, सहित भारी संख्या में प्रशासन और सुरक्षा कर्मी मौजूद थे।

हत्यारोपी के घर कुर्की जप्ती का इस्तेहार चिपकाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में जर्नादनपुर गांव के बिट्टू हत्याकांड के चार प्राथमिकी आरोपियों के घर अपर थानाध्यक्ष ने पुलिस पदाधिकारी के सहयोग से बुधवार को चकमेहसी क्षेत्र में जाकर इश्तिहार चिपकाए। जानकारी देते हुए अपर थानाध्यक्ष दीपक कुमार झा ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर चकमेहसी गांव के वार्ड संख्या 06 निवासी अहमद व हामिद दोनों भाई के घर इतिहास चिपकाया गया। इस गांव के वार्ड संख्या सात के इरशाद के घर भूसकौल गांव के अमित उर्फ फेकन के घर इश्तिहार चिपकाया गया। बतादे की कल्याणपुर थाना क्षेत्र के जनार्दन गांव के बिट्टू कुमार की हत्या 28 अगस्त 2024 को की गई थी। शव को बरहेता हाई स्कूल के पीछे हत्यारों ने फेंक दिया था। इस घटना को लेकर समस्तीपुर - दरभंगा सड़क लगभग पांच घंटे तक बाधित रहा था। पुलिस व स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारी को काफी मशक्कत के बाद जाम टूट पाया था।

पानी प्लांट का फीता काट कर पूर्व सांसद और राजद नेता ने विधिवत उद्घाटन उदघाटन किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

सिवान दुरौंधा 9 अप्रैल बुधवार।दारौंदा के दवन छपरा में बुधवार को पानी प्लांट का उद्घाटन पूर्व सांसद ओमप्रकाश यादव एवं राजद नेता मुन्ना शाही ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान पूर्व सांसद ओमप्रकाश यादव ने कहा कि इस प्लांट में पानी को विभिन्न स्त्रोतों से इकट्ठा किया कर ग्रामीण क्षेत्रों में भी शुद्ध पेयजल आपूर्ति उचित कीमत पर होगी। उन्होंने कहा कि पानी प्लांट से शादी विवाह व अन्य समारोह में सस्ते दर पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की भी योजना है। इस दौरान जिला पार्षद धर्मेंद्र यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह, नौलाख सिंह, बम बहादुर सिंह, महेश यादव, जितेन्द्र कुमार सिंह, रविन्द्र कुमार, धीरेन्द्र सिंह, रमेन्द्र नाथ श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक 09 अप्रैल 2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे मंडल कार्यालय के भारतेन्दु सभागार कक्ष में बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्मिक विभाग द्वारा भारत में सामाजिक न्याय के वास्तुकार विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शकील हैदर, वरिष्ठ संवाददाता, छपरा प्रतियोगिता में वाराणसी मंडल के विभिन्न विभागों एवं विभिन्न स्टेशनों पर कार्यरत कुल 21 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । प्रतियोगिता का संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी श्री दयाशंकर ने किया ।इस अवसर पर हित निरीक्षक जितेन्द्र श्रीवास्तव, अजय तिवारी तथा अनीता पाण्डेय कार्यालय अधीक्षक कल्याण द्वारा प्रतियोगिता का कुशल संयोजन किया गया । अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित उक्त प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को क्रमशः रुपये 2000/-,1500/-1000 रुपये के पुरस्कार अम्बेडकर जयंती समारोह में मंडल रेल प्रबंधक द्वारा प्रदान किया जाएगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोरौत का डीएम ने किया निरीक्षण

केंद्र की स्थिति को देख डीएम ने प्रकट की नाराजगी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी ।जिलाधिकारी रिची पाण्डेय द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोरौत का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में चिकित्सक की उपस्थिति एएनएम, पारा मेडिकल स्टाफ एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति रोस्टर के अनुसार जांच की गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी प्रकट की गई। केंद्र के प्रभारी स्वास्थ्य चिकित्सा प्रभारी डॉ विभूति नारायण झा के लगातार अनुपस्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी ने उनका वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। वही रोस्टर के अनुरूप ड्यूटी नहीं करने एवं समय पर अस्पताल नहीं आने के आरोप को सत्य पाए जाने पर जिलाधिकारी ने

डॉक्टर अरुण कुमार का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। वहीं केंद्र का सही संचालन न होने, भवन की जर्जर स्थिति, साफ सफाई का अभाव को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य प्रबंधक साक्षी कुमारी का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी द्वारा ओपीडी काउंटर पर प्रतिदिन किए गए ओपीडी की संख्या की जांच की गई।प्रसव वार्ड में बेड की स्थिति सीसीटीवी, अग्निशामक यंत्र बिजली के उपकरण, भवन की जर्जर स्थिति एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं की स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित पीएचसी प्रभारी को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के साथ सभी को ठीक करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप प्रसव की संख्या की जांच कीमानक के अनुरूप सभी मरीजों को आवश्यक दवाएं देने का निर्देश दिया गया।उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाए, दवा वितरण कक्ष, दवा स्टोर, टीकाकरण कक्ष, जांच केंद्र, महिला पुरुष वार्ड, ऑपरेशन थिएटर का निरीक्षण किया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था साफ-सफाई महिला एवं पुरुष शौचालय की साफ-सफाई हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आए आमजनों से मिलकर जिलाधिकारी ने फीडबैक लिया गया। साथ ही स्वास्थ्य केन्द्र को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश दिया गया ।

शोभा यात्रा में शामिल हुए विधायक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। गुरुवार को समस्तीपुर के स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन गोला रोड स्थित भूतनाथ मंदिर के शोभा यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने में बहुत बड़ी भूमिका सदैव निभाई है। गंगा - यमुनी तहजीब भारत की संस्कृति, सभ्यता में अहम स्थान रखते हैं। भारत में भय, कटुता, नकारात्मकता का कोई स्थान नहीं है। वक्त आ गया है कि हर कोई कटुता छोड़कर आपस में समाजिक सौहार्द और शांति के साथ रहें तथा देश की अनमोल विरासत कौमी एकता को बनाये रखे। समस्तीपुर जिला की गंगा जमुनी तहजीब प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सर्वधर्म की जीती जागती विरासत है।

मैट्रिक और इंटर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र, छात्राओं को सम्मानित किया विद्यालय परिवार ने

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान दुरौंधा 9अप्रैल बुधवार। दुरौंधा प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोडारी कला में बुधवार को मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में अव्वल आये मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें अव्वल आये एक दर्जन छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। इंटर में छात्रा तानवी कुमारी, पिंकी कुमारी, लक्ष्मी सागर आदि को सम्मानित किया गया। दसवीं कक्षा में रिषभ कुमार शर्मा, संतोषी कुमारी, अंजलि कुमारी, आदि को पठन पाठन सामग्री देकर सम्मानित किया गया। अव्वल अंक लाकर विद्यालय का नाम रौशन किया। मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से पास होने वाले छात्र छात्राओं को एवं इंटर में उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को विद्यालय परिवार ने देकर मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक मिथिलेश कुमार, अवध किशोर प्रसाद, राजीव रंजन कुमार, अमजद अली, प्रियेश कुमार, रेखा कुमारी, रंजना कुमारी, पूनम कुमारी, अलका पुरी सोनाली व्याहुत, आदि ने पठन पाठन सामग्री देकर सम्मानित किया गया।

नगर पुलिस अधीक्षक दरभंगा द्वारा की गई जनसुनवाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- नगर पुलिस अधीक्षक दरभंगा द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस पर आम लोगों की समस्या की सुनवाई की जाती है इसी क्रम में दिनांक 09.04.2025 को क्रमशः सिंहवाड़ा थाना - 02, लहेरियासराय थाना - 01, नगर थाना - 01, मब्बी थाना - 01, बिशनपुर थाना - 01, सोनकी थाना - 01, बहादुरपुर थाना - 01, जाले थाना - 01 कुल - 09 आवेदको के द्वारा आवेदन पत्र समक्ष में प्रस्तुत किया गया। जिसे गंभीरता से सुना गया तथा कई शिकायतो का मौके में निराकरण कराया गया तथा शेष आवेदन पत्र में वैधानिक कार्यवाही हेतु थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय सभा कक्ष में प्रधानमंत्री की संभावित मधुबनी यात्रा की तैयारियों को लेकर वरीय अधिकारियों के साथ बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय सभा कक्ष में माननीय प्रधानमंत्री की संभावित मधुबनी यात्रा की तैयारियों को लेकर वरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर अब तक की तैयारियों का समीक्षा किया । जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर मंच एवं पंडाल का निर्माण, पेयजल, शौचालय की व्यवस्था, पार्किंग स्थल का निर्माण, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, ड्रॉप गेट का निर्माण, आदि तैयारियों का विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। संभावित कार्यक्रम के अवसर पर विधिव्यवस्था संधारण को लेकर दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति आदि को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार, डीडीसी दीपेश कुमार, अपर समाहर्ता *राजेश कुमार, अपर समाहर्ता विभागीय जॉच नीरज कुमार, अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार, नगर आयुक्त अनिल चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक रश्मि सहित सभी वरीय अधिकारी उपस्थित थे '

मधुबनी में ए एमपी, संस्था की ओर से आज एक बैठक की गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी शहर में ए एमपी, संस्था की ओर से आज एक बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर जावेद अहमद ने की इस बैठक में विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की गई वहीं एजुकेशन को लेकर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया ए एम पी ऑर्गनाइजेशन के स्टेट हेड मो. रियाज अहमद ने बताया कि उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति शिक्षा से वंचित न रहे अल्पसंख्यक हो या फिर कोई भी इंसान को अगर आवश्यकता पड़ती है या उन्हें लगता है कि उनको पढ़ने पढ़ने में कठिनाई हो रही है तो वैसे लोगों को चिन्हित करके उसे जरुर मदद की जाती है ताकि उसे पढ़ाई करने में कोई भी दुविधा ना आवे मस्जिद उन्होंने कहा कि यह संस्था विगत 15 16 वर्षों से कार्य कर रहा है संस्था का में उद्देश्य है गरीब गुरबा एवं बेसहारा लोगों को सहयोग एवं उन्हें आगे बढ़ना आपके समझ में बहुत से ऐसे बच्चे मिल जाएंगे जो किसी गरीबी या फिर अन्य कर्म से वह बच्चा नहीं पढ़ पा रहा है वैसे लोगों को यह संस्था चिन्हित करके उन्हें एक वजीफे की शक्ल देखकर उन्हें आगे बढ़ने का काम कर रही है यह बिहार ही नहीं बल्कि हिंदुस्तान और अन्य जगह भी यह कार्य चल रहा है नाग कार्य में सभी को आगे आने की जरूरत है और जो भी लोग हैं वह एक दूसरों को हाथ पकड़ कर आगे बढ़ाएं तभी जाकर एक इंसानियत का फर्ज मुकम्मल हो सकेगा हर मनुष्य को चाहिए के अपने आसपास के क्षेत्र में जो लोग भी दबे कुछ ले हैं उन्हें शिक्षा में और उनके बच्चे के पढ़ने में मदद करें इस बैठक में डॉ. जावेद अहमद, जामा मस्जिद के इमाम मौलाना शाहिद, मोहम्मद तनवीर उबेद अहमद स्नेहा आनंद मिश्रा, अन्य बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे और अपने-अपने विचार विमर्श किया

बेनीपट्टी बुनियाद केंद्र, मधुबनी में 12 दिव्यांग लाभुकों को बैटरी चालित ट्राइसाइकिल दिया गया।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा के निदेर्शानुसार यह वितरण बेनीपट्टी अनुमंडलीय बुनियाद केंद्र से किया गया।बेनीपट्टी अनुमंडल के 18 लाभुकों को कॉल करके बुलाया गया जिसमे से 12 लाभुक ट्राइसाइकिल लेने आए। वितरण अऊर श्री आशीष अमन के द्वारा हरी झंडी दिखा कर किया गया।वितरण के पहले लाभुकों को ट्राइसाइकिल चलाने का प्रशिक्षण भी दिया गया जिसके पश्चात ट्राइसाइकिल वितरण किया गया।

प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम में यदुपट्टी पंचायत पहुंचे डीएम, समस्याओं के निराकरण हेतु अधिकारियों को दिया निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । जिलाधिकारी रिची पांडेय चोरौत प्रखंड के यदुपट्टी पंचायत में आयोजित प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचे एवं कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिलाधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित आम आवाम से संवाद स्थापित किया। लोगों से उन्होंने फीडबैक भी ली तथा उनकी समस्याओं को सुना ।समस्याओं के निराकरण के निमित उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। उक्त मौके पर जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सुनना एवं उनका निराकरण करने का है। साथ ही इससे अवगत होना कि सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं जो पंचायत स्तर पर संचालित की जा रही है, उनका क्रियान्वयन सही तरीके से हो रहा है या नहीं और उसके जो लाभार्थी है उनको किसी योजना का लाभ लेने में किसी प्रकार की कठिनाई हो रही है या नहीं या किसी प्रकार की उनकी शिकायत या परिवाद है तो उनको सुनना तथा उसके निराकरण के निमित अग्रेतर कार्रवाई करना है। स्थानीय मुखिया द्वारा पंचायत से संबंधित विभिन्न समस्याओं को निराकरण को लेकर जिलाधिकारी को मांग पत्र सौंपा गया ।राजस्व संबंधी कार्यों के निष्पादन में शिथिलता बरतने संबंधी आरोप के निमित्त अंचल अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई गई। डीसीएलआर,सीओ, एवं राजस्व कर्मचारी को निर्देशित किया गया कि कैंप लगाकर समस्याओं के समाधान के दिशा में गंभीर प्रयास करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आज के कैंप में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन एक माह के अंदर करते हुए उससे संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। निर्देश दिया गया कि अनुमंडल,प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कर्मी सजग रहेंगे तभी सभी योजनाओं का लाभ सभी योग्य लाभार्थी को मिल सके इस दिशा में गंभीरता से कार्य करेंगे। पंचायत स्तर पर महत्वपूर्ण योजनाएं, हर घर नल का जल, स्वास्थ्य विभाग की सेवाएं, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सको की ड्यूटी, विद्यालय का संचालन एवं मध्यान भोजन बन रहा है या नहीं, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आईसीडीएस द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन गर्भवती महिलाओं को योजनाओं का लाभ, कृषि, श्रम, उद्योग विभाग आदि की योजनाओं का पंचायत सरकार भवन में प्रचार प्रसार हो। उपरोक्त सभी योजनाओं का लाभ लाभुकों को मिल सके इस बाबत संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है। निर्देश दिया गया कि लगातार फील्ड विजिट करें। केंद्रों पर सेविका सहायिका की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

मौके पर एस डी एम पुपरी, एसडीपीओ पुपरी, संबंधित बीडीओ, सीओ अन्य प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारी तथा कर्मी उपस्थित थे।

महिला संवाद कार्यक्रम सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला टाऊन हॉल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

महिला संवाद कार्यक्रम सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला टाऊन हॉल मधुबनी में आयोजित किया गया।।कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा, जिला परियोजना प्रबंधक मोहम्मद वसीम अंसारी, मानव संसाधन प्रबंधक पूनम कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का उद्घाटन किये। गौरतलब हो कि महिला संवाद कार्यक्रम विधिवत 17 अप्रैल 2025 से सभी प्रखंड के चिन्हित पंचायत के ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, मुख्य रूप से इस कार्यक्रम में जीविका दीदी एवं अन्य दीदी और आम नागरिक भाग लेगे ।इस कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी प्रदान किया जाएगा जिससे आम नागरिकों को जानकारी हो सके। इस कार्यक्रम में जिले के सभी विषयगत प्रबंधक एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक सहित सभी जीविका कर्मी उपस्थित हुए '

सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत

आरा । शहर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव में हुए सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत हो गई। इलाज के क्रम में आरा लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका चरपोखरी थाना क्षेत्र के मनैनी गांव निवासी शिव शंकर साह की 35 वर्षीया पत्नी नीता देवी है ।मृतका के पति शिव शंकर साह ने बताया कि वह बाइक से अपनी पत्नी के साथ सोमवार की सुबह चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव गांव अपने ससुराल आए थे। सोमवार की दोपहर जब वह पत्नी के साथ अपने घर लौट रहे थे। उसी बीच चादी-जमीरा मार्ग पर जमीरा गांव के समीप अज्ञात वाहन ने उनके बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई ।जिसके बाद उनके द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालात को चिंताजनक देखते हो पटना रेफर कर दिया गया था। जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए पटना ले गए। वहां से डॉक्टर द्वारा कहा गया कि अब कोई फायदा नहीं आप इन्हें वापस घर ले जाइए। जिसके बाद परिजन उसे वापस गांव ला रहे थे। तभी कोईलवर के समीप उसने दम तोड़ दिया। जिसके बाद परिजन उसके शव को वापस सदर अस्पताल ले आए। जिसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी को दी।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की हत्या

गया। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतका की पहचान सुषमा देवी के रूप में हुई है। सुषमा पूर्व सीएम के भांजे की बेटी है। वो अतरी ब्लॉक में विकास मित्र के पद पर काम करती थी, जबकि आरोपी पति रमेश पटना में ट्रक चलाता है। जानकारी के मुताबिक, दोपहर 12 बजे आरोपी ने घर में ही पत्नी के सीने में गोली मार दी और देसी कट्टा फेंककर फरार हो गया ।दोनों की 14 साल पहले इंटरकास्ट मैरिज हुई थी। दोनों के 3 बच्चे हैं। घटना अतरी प्रखंड के टेटूआ गांव की है।

दूसरे कमरे में थी बहन और बच्चे वारदात के वक्त मृतका की बहन और बच्चे घर पर दूसरे कमरे में ही थे। गोली की आवाज सुनते ही मृतका की बहन और बच्चे मौके पर पहुंचे। वहीं, गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी सुषमा के घर पहुंचे। फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी ।शादी के बाद रमेश सिंह ने अपना घर बेच दिया था और पत्नी सुषमा के साथ उसके घर में ही जमाई बनकर रहने लगा था ।मृतका की बहन पूनम का कहना है कि, 11 बजे वाली बस से जीजा पटना से गया पहुंचे। आंगन में घूम रहे थे। फिर जिस कमरे में दीदी थी, वहां चले गए और लॉक कर लिया। सुषमा का पति रमेश पटना से हर रविवार की सुबह गांव आता था, लेकिन इस बार रमेश बुधवार को गांव आया और घटना को अंजाम देकर फरार हो गया।

इधर, सूचना मिलते ही अतरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर को चारों तरफ से घेर लिया। वहीं, गया एसएसपी ने बताया कि मामले की जांच के लिए स्पेशल टीम बनाई गई है।

3 जनाजे उठे,फिर 5 लोगों ने की निकाह की रस्म

पटना। सटे मोकामा में 7 अप्रैल को दरियापुर गांव में मो.रज्जी की शादी थी। शादी वाले दिन ही दूल्हे के भाई सहित 3 लोगों की गंगा में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। शादी वाली घर में अचानक मातम फैल गया। मंगलवार को तीनों शवों को सुपुर्दे खाक किया गया। इसके बाद मंगलवार रात को ही दूल्हा अपने परिवार के 4 लोगों के साथ बेगूसराय पहुंचा और निकाह की रस्म पूरी की, हालांकि लड़की की विदाई नहीं हो पाई ।लड़के के घर वालों का कहना है कि इस माहौल में लड़की को घर नहीं लाया जा सकता। लड़की अभी अपने घर पर ही रहेगी। हालात ठीक होने पर लड़की को यहां लाया जाएगा ।मृतकों की पहचान मो. मेराज, मो. इब्राहिम और मो. अमीर के रूप में हुई है। मो. मेराज (20) और मो. इब्राहिम (19) दोनों पड़ोसी थे। जबकि, मो. आमिर (18) का घर थोड़ी दूरी पर गांव में ही है। मेराज अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए दिल्ली से आया था ।बेगूसराय जानी थी बारात

मृतक इब्राहिम के ममेरे भाई मोहम्मद रज्जी की बारात सोमवार शाम को बेगूसराय के डुमरी गांव जाने वाली थी। घर सजा हुआ था। सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं ।तीनों मौतों के कारण बारात रोक दी गई। उनके अंतिम संस्कार के बाद निकाह पढ़ा गया। अब दुल्हन की विदाई कुछ महीने बाद होगी ।इब्राहिम दसवीं का छात्र था और छह भाइयों में सबसे छोटा था। आमिर नौवीं का छात्र था और दो भाइयों में छोटा था। मेराज दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता था और पांच भाइयों में सबसे छोटा था। वह अपने दोस्त मोहम्मद रज्जी की शादी में शामिल होने के लिए पिता के साथ दिल्ली से आया था ।इसके बाद एक मछुआरे ने जाल लगाकर शव को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने डूबने से बचाने का प्रयास किया था, लेकिन इन तीनों युवक को बचाने में सफलता नहीं मिली। एसडीआरएफ की टीम दो घंटे तक वहां नहीं पहुंची थी ।गंगा बालू की कटाई के कारण ऐसा हादसा होता है। जहां भी बालू काटा जाता है उस स्थान पर वाहन के चालान की जांच की जाए और जहां भी किनारा गहरा हो वहां चेतावनी का बोर्ड लगाया जाए ।गंगा में नहाते वक्त डूबे थे 8 लोग, 5 बचाए गएदरअसल, सोमवार को मोकामा के दरियापुर गांव में गंगा में नहाने के दौरान 8 युवक डूब गए थे। इनमें तीन की मौत हो गई थी।

सभी शादी में शामिल होने के लिए गांव के ही मो. रज्जी के घर आए थे। मृतकों में दो रिश्तेदार थे, जबकि तीसरा युवक दूल्हे का दोस्त था।

कैबिनेट के फैसले बैठक में 27 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना। सरकार ने रोजगार और सेवा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 27,370 नए पदों के सृजन की मंजूरी दी गई। बैठक में 27 एजेंडों पर मुहर लगी। फैसलों की जानकारी कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में दो नए कैडर (पब्लिक हेल्थ और हॉस्पिटल मैनेजमेंट कैडर) का गठन होगा। स्वास्थ्य विभाग में अब 3 निदेशालय काम करेंगे। लोक स्वास्थ्य निदेशालय, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय और चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के गठन की स्वीकृति दी गई है। इनके सुगम संचालन के लिए कुल 20,016 नए पदों का सृजन किया गया है। शीघ्र ही इन पदों पर बहाली होगी। इन दोनों कैडर के अलग होने से क्वालिटी ऑफ सर्विस बेहतर होगी। मरीजों के ट्रीटमेंट और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार होगा ।राज्य मंत्रियों और उप मंत्रियों के वेतन-भत्तों में वृद्धिसरकार ने मुख्य सचेतक, सचेतक, उप सचेतक समेत राज्य के विभिन्न आयोग व बोर्ड में तैनात राज्य मंत्री व उप मंत्री स्तर के अध्यक्षों-सदस्यों के वेतन भत्तों में बढ़ोतरी कर दी है। अब उन्हें 1,55,500 की जगह 1,97,000 रुपए मिलेंगे। यात्रा भत्ता 15 रुपए प्रति किलोमीटर की जगह 25 रुपए प्रति किलोमीटर मिलेगा। उप मंत्रियों और राज्यमंत्रियों का वेतन 50,000 से बढ़कर 65,000 रुपए, क्षेत्रीय भत्ता 55,000 रुपए से बढ़ाकर 70,000 और दैनिक भत्ता 3,000 से बढ़ाकर 3,500 रुपए कर दिया गया है। आतिथ्य भत्ता में राज्यमंत्रियों को 24,000 की जगह 29,500 और उपमंत्री को 23,500 की जगह 29,000 रुपए मिलेंगे।

सहायक उर्दू अनुवादकों के 3,306 नए पद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में 3,306 सहायक उर्दू अनुवादकों के पद सृजित किए गए हैं। इनकी तैनाती राज्य के सभी 1,380 थानों में भी की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों घोषणा की थी कि राज्य में सहायक उर्दू अनुवादक के पदों की संख्या को बढ़ा कर 3306 किया जाएगा। स्कूलों की निगरानी और सशक्त होगी प्रदेश के 81,399 सरकारी स्कूलों में नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग के लिए बिहार शिक्षा प्रशासन संवर्ग नियमावली 2025 को मंजूरी मिली है। इसके तहत 1,339 नए पद सृजित किए गए हैं। बीपीएससी के जरिए सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी के 805 पदों पर बहाली होगी। इनसे प्रोन्नति पाकर 534 प्रखंडों में शिक्षा विकास पदाधिकारी तैनात होंगे। हर 10 पंचायत पर एक सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। संविदा के पदों को समाप्त कर दिया गया है। शिक्षा विभाग में परामर्शी के दो पदों का सृजन हुआ है। आईएएस वैधनाथ यादव व पंकज कुमार जो 1 वर्ष के लिए संविदा पर नियुक्त किया गया है। कृषि विभाग में 2590 नए पद सृजित राज्य में कृषि रोड मैप के तहत खेती-किसानी को लाभकारी बनाने के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। कृषि रोड मैप के अंतर्गत किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कृषि विभाग में लिपिकीय संवर्ग के 2,590 पदों का पुनर्गठन किया गया है। इससे विभिन्न योजनाओं के संचालन में सुगमता आएगी।

संक्षिप्त डायरी

चर्चित आईपीएस अधिकारी रहे शिवदीप वामनराव लांडे ने पुलिस सेवा से त्यागपत्र के बाद राजनीतिक पार्टी की घोषणा की है। उनके पार्टी का नाम हिन्द सेना है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

चर्चित आईपीएस अधिकारी रहे शिवदीप वामनराव लांडे ने पुलिस सेवा से त्यागपत्र के बाद राजनीतिक पार्टी की घोषणा की है। उनके पार्टी का नाम हिन्द सेना है। बिहार में इतनी राजनीतिक पार्टियों के बीच इसके सफलता की कितनी संभावना है? उनका कहना है कि वे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव में भाग्य आजमायेगी। बिना किसी विशेष संगठन के इनके लिए क्या और कितनी कठिनाईयां हो सकती है? इनके पार्टी से खजौली, बाबूबरही समेत मधुबनी जिला के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में कौन लोग प्रत्याशी हो सकते हैं? यह तो समय आने पर ही पता चलेगा

दरभंगा, जिला कांग्रेस कार्यालय बलभद्रपुर में आयोजित अभिनंदन एवं पदभार ग्रहण समारोह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

दरभंगा, जिला कांग्रेस कार्यालय बलभद्रपुर में बुधवार को आयोजित अभिनंदन एवं पदभार ग्रहण समारोह में जिला कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष दयानंद पासवान का कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं ने पाग चादर और फूलों का गुलदस्ता देकर जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष श्री सीताराम चौधरी ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए नये जिलाध्यक्ष को पदभार ग्रहण कराया। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए जिला कांग्रेस को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने और राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने का आग्रह किया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात वर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री दयानंद पासवान ने समारोह को संबोधित करते हुए सभी मौजूद नेताओं और कार्यकताओं का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो हमारे ऊपर भरोसा करके जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे मैं पूरे तन-मन-धन से निभाउंगा और संगठन को आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका लाभ दिलाकर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाने का प्रयास करूंगा। जिलाभर से आए सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं में एक नया उत्साह दिख रहा था। समारोह में एआइसीसी के कॉर्डिनेटर बलजीत सिंह, प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि डां नागेश्वर पंजियार, मिथिलेश चौधरी, माधव झा, डां मशकूर उस्मानी, वरिष्ठ नेता शंभूनाथ चौधरी पालन, पूर्व मेयर अजय कुमार जालान, डिप्टी मेयर नाजिया हसन, डां पवन चौधरी, डां बैद्यनाथ झा बैजू, कांग्रेस नेत्री रीता सिंह, पुनम झा, रीता मिश्रा, रामपुकार चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी मो.असलम, रेयाज अली खां, शफकत इमाम जिलानी, रतिकांत झा, पंकज चौधरी, कन्हैया झा, प्रिंस परवेज, भूषण आजाद, अपलेंद्र मिश्र, परमानंद झा, अरुण झा, जीवन झा, गणेश सिंह, गणेश चौधरी, जीशान फारूकी, हसमत अंसारी, डां जमाल हसन, मनोज भारती, पिंकू गिरी, सुधीर पांडे, डां खुदादाद अब्दुल अली, सैय्यद तनवीर अनवर, शादाब अख्तर, लूतफुर रहमान, उदितनारायण चौधरी, मो. चांद, राहुल झा, नवीन झा, मनोरंजन झा, देवकीनंदन ठाकुर, रमनजी झा, जयशंकर प्रसाद चौधरी, उदितनारायण चौधरी, अच्युतानंद ठाकुर, मो.अनसार हसन, सुशील कुमार सिंह, रघुवंश कुमार सिंह, विशाल महतो, दिलीप झा, संतोष श्रीवास्तव, मो. अंसार, प्रभाकर चौधरी, प्रो मिथिलेश यादव, मो.शोएब अंसारी, नवीन चौधरी, शादाब अतिकी पप्पू चौधरी, बसंत झा, हसन परवेज आदि ने वर्तमान जिलाध्यक्ष को पाग चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया।

120 की स्पीड में 65 फीट नीचे गिरी स्कॉर्पियो,4 मौतें

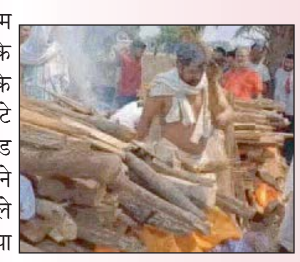

गया। सोमवार रात श्राद्ध कार्यक्रम से लौटते वक्त एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे के वक्त स्कॉर्पियो 120 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही थी। स्पीड ज्यादा होने के कारण ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया। गाड़ी पहले डिवाइडर से टकराई, फिर पुलिया से 65 फीट नीचे तालाब में गिर गई। स्पीड इतनी थी कि पुलिया पर लगे लोहे के मोटे रॉड तक उखड़ गए ।ड्राइवर ने गाड़ी रोकने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश की थी। अगर रफ्तार कम होती तो शायद हादसा नहीं होता ।हादसे में ड्राइवर की जान बच गई, लेकिन परिवार के 4 सदस्यों की मौत हो गई। घर में अब सिर्फ 3 बुजुर्ग ही बचे हैं। वहीं, मगध मेडिकल कॉलेज में घायल ड्राइवर सिंटू का इलाज चल रहा है। बड़ा बेटा सुमित आनंद (17) बीजेपी कार्यकर्ता था। उसके दोस्त गांधी की दादी की मौत हो गई थी। सुमित ने अपने पिता शशिकांत शर्मा (42) और मां रिंकू देवी (37) से जिद की थी सभी लोग बिहार शरीफ श्राद्ध कार्यक्रम में चलें ।पूरा परिवार सोमवार को बिहार शरीफ गया। साथ में छोटा भाई बाल कृष्ण (5) भी था। वहां से देर रात परिवार लौट रहा था। घर पहुंचने के लिए महज 30 किमी का सफर तय करना था। तभी हादसा हो गया। घटना खिजरसराय में दखिनगांव के पास हुई ।ग्रामीणों के अनुसार, जिस गाड़ी से एक्सीडेंट हुआ। उसे शशिकांत बेचने वाले थे। एक व्यक्ति से एक महीने पहले 9 लाख रुपए में डील भी हुई थी, पर बड़ा बेटा सुमित स्कॉर्पियो नहीं बेचना चाहता था ।उसने अपने पिता से जिद की थी कि गाड़ी को नहीं बेचिए। गाड़ी में किसी प्रकार की खराबी नहीं थी। गाड़ी इसलिए नहीं बिकी, क्योंकि सुमित को स्कॉर्पियो पसंद थी ।वहीं, ड्राइवर सिंटू सहवाजपुर का निवासी है। कुछ दिन पहले तक सिंटू ऑटो चलाता था। कुछ ही दिन पहले शशिकांत ने अपनी स्कॉर्पियो चलाने के लिए रखा था ।मां-पिता और दादा की कौन करेगा देखभाल ?बताया गया कि शशिकांत शर्मा का परिवार सुखी-संपन्न था। सूद पर पैसे देने का कारोबार करते थे। दोनों बेटे सुमित और बाल कृष्ण की उम्र के बीच लंबा फासला था, क्योंकि शुरू में शशिकांत एक ही बेटा रखना चाहते थे।

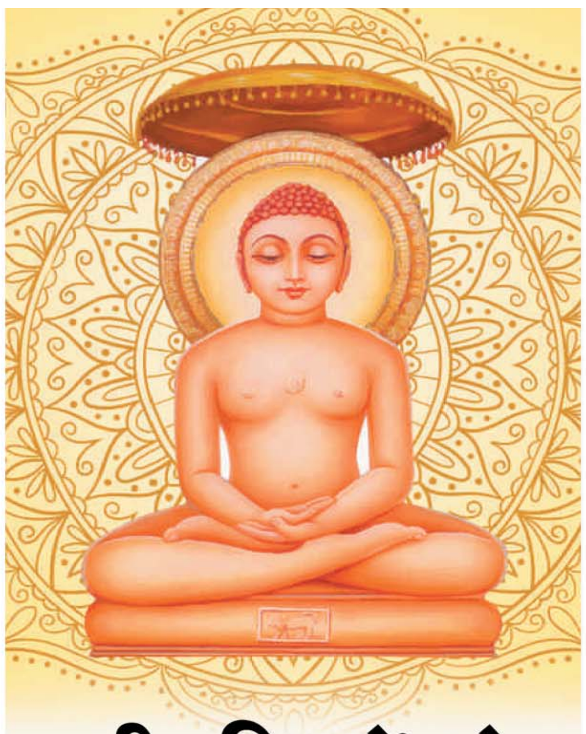

सभी इन्द्रियों को जीतने के कारण जितेन्द्रिय कहलाए स्वामी

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी माने जाते हैं.महावीर का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज श्री सिद्धार्थ और माता त्रिशिला रानी देवी के यहां हुआ था.वर्धमान महावीर का जन्म एक क्षत्रिय राजकुमार के रूप में एक राज परिवार में हुआ था. उनका जन्म प्राचीन भारत के वैशाली राज्य के गांव कुंडग्राम में हुआ था. भगवान महावीर कई नामों से जानें जाते हैं जिनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति और साहसी आदि मुख्य नाम थे.भगवान महावीर का जन्म एक साधारण बालक के रूप में हुआ था इनकी कड़ी तपस्या की वजह से ही इनका जीवन अनूठा बन गया.

ऐसा माना जाता है कि महावीर स्वामी का काफी अन्तर्मुखी स्वभाव के थे.शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी लेकिन माता-पिता की इच्छा की वजह से उन्होंने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ परिणय सूत्र में बंध गए और जिससे उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया. तीस साल की उम्र में उन्होंने घर-बार छोड़ दिया और कठोर तपस्या की वजह से कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया.महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थाई आधार दिया.महावीर स्वामी ने श्रद्धा एवं विश्वास की वजह से जैन धर्म की फिर से प्रतिष्ठा स्थापित की. उन्होंने 'अहिंसा परमोधर्म' के सिद्धांत और लोक कल्याण का मार्ग अपना कर विश्व को शांति का सन्देश दिया.आधुनिक काल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पूरी दुनिया को अहिंसा के जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए आह्वान किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम और सबसे अधिक जोर महावीर स्वामी ने ही दिया है.इस आदर्श के अनुसार, हमें किसी भी रूप, मनसा-वाचा-कर्मणा, में हिंसा नहीं करनी चाहिए.जैन धर्म की मान्यताओं के मुताबिक वर्द्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए.इन्द्रियों को जीतने के कारण वे जितेन्द्रिय कहे जाते हैं.यह कठिन तप पराक्रम के समान माना गया, इसलिए वे 'महावीर' कहलाए. उन्हें वीर,अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है.

भगवान महावीर ने अपने उपदेशों से इस समाज का कल्याण किया है.उनकी शिक्षाओं में ये बातें प्रमुख थीं कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो.इसके अलावा उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति तथा छह आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया.जो जैन धर्म के प्रमुख आधार माने गए.पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर ने आखिरी सांस ली.

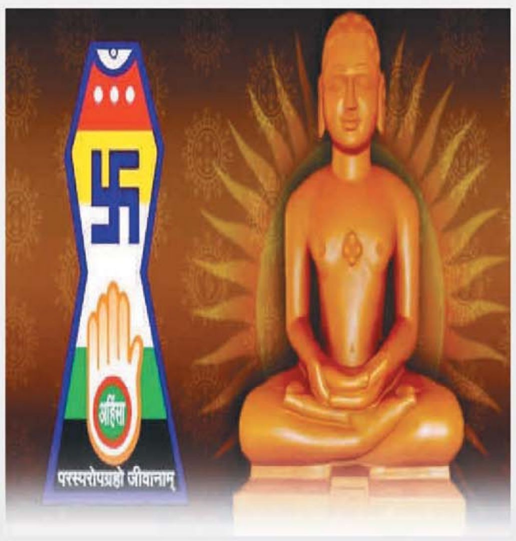

अहिंसा परमोधर्म

वर्तमान युग में महात्मा गाँधी ने सारी मनुष्य जाति को जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए अहवाहन किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम एवं सबसे अधिक जैन तीर्थंकर पार्श्व और महावीर ने ही दिया है। महावीर स्वामी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हमें हिंसा किसी भी रूप में नहीं करनी चाहिए। सदा सत्य बोलना चाहिए। निर्बल, निरीह और असहाय व्यक्तियों की ही नहीं बल्कि पशुओं को भी नहीं सताना चाहिए। मनुष्य को मन, वचन , कर्म से शुद्ध होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन काल में देशाटन अवश्य करना चाहिए इससे ज्ञानार्जन होता हैं। यह ज्ञानार्जन का सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। चोरी कभी नहीं करनी चाहिए। चोरी भी मन , वचन एवम कर्म से होती हैं अथवा किसी एक से भी करना, महापाप हैं। महावीर हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देते हैं। उनकी जयंती के दिन हमें यह प्रतिज्ञा करने चाहिए कि उनकी बताई शिक्षा में से किसी एक शिक्षा को अपनायें। इससे हमारे में नैतिक गुणों का विकास होगा, साथ ही साथ अच्छे कर्म भी होंगे। भगवान महावीर ने दुनिया को बहुत ही अच्छे संदेश दिए। उनका सबसे प्रिय संदेश था अहिंसा के मार्ग पर चलने का। भगवान महावीर के मूल मंत्र 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलकर ही हम देश, दुनिया को बचा सकते हैं। भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें करुणामय एवं निस्वार्थ सादगीपूर्ण जीवन की प्रेरणा देती हैं। यह त्योहार सच्चाई, अहिंसा तथा सौहार्द के प्रति सभी की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का काम करे।

कैवल्य ज्ञान का मार्ग महावीर

मानव समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने वाले महापुरुष भगवान महावीर का जन्मचैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज 'श्री सिद्धार्थ' और माता 'त्रिशिला देवी' के यहां हुआ था। जिस कारण इस दिन जैन श्रद्धालु इस पावन दिवस को 'महावीर जयन्ती' के रूप में परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास और श्रद्धाभक्ति पूर्वक मनाते हैं। बचपन में भगवान महावीर का नाम वर्धमान था। जैन धर्मियों का मानना है कि वर्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामान माना गया, जिस कारण उनको महावीर कहा गया और उनके अनुयायी जैन कहलाए।

महावीर का मार्ग पूर्णत: स्पष्ट और कैवल्य ज्ञान प्राप्त करने का मार्ग है। यह राजपथ है। उनके उपदेश हमारे जीवन में किसी भी तरह के विरोधाभास को नहीं रहने देते। जीवन में विरोधाभास या द्वंद्व है तो फिर आप कहीं भी नहीं पहुँच सकते। भगवान महावीर को समझने के लिए कैवल्य ज्ञान प्राप्त करना होगा। समुद्र को जानने के लिए समुद्र में डूबना होगा। महावीर की गहराई को फिर भी कोई छू नहीं सकता। धरती पर कुछ गिने-चुने ही महापुरुष हुए हैं। उनमें महावीर ध्यानियों में ऐसे हैं जैसे सागरों में प्रशांत महासागर। महावीर का जीवन, दर्शन या तप कुछ भी रहा हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुख्य बात यह कि उन्होंने 'कैवल्य ज्ञान' की जिस ऊँचाई को छुआ था वह अवर्णीय है। वह अंतरिक्ष के उस सन्नाटे की तरह है जिसमें किसी भी पदार्थ की उपस्थिति नहीं हो सकती। जहाँ न ध्वनि है और न ही ऊर्जा। केवल शुद्ध आत्मतत्व।

महावीर का जीवन : : भगवान महावीर तीर्थंकरों की कड़ी के अंतिम तीर्थंकर हैं। उनका जन्म नाम वर्धमान है। राजकुमार वर्धमान के माता-पिता श्रमण धर्म के पार्श्वनाथ सम्प्रदाय से थे। महावीर से 250 वर्ष पूर्व 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए थे।

भगवान महावीर का जन्म 599 ईपू.अर्थात 2614 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के कुंडलपुर के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ के यहाँ हुआ। उनकी माता त्रिशला लिच्छवि राजा चेटकी की पुत्र थीं। भगवान महावीर ने सिद्धार्थ-त्रिशला की तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल की तेरस को जन्म लिया।

महावीर की शिक्षा : वर्धमान के बड़े भाई का नाम

नंदिवर्धन व बहन का नाम सुदर्शना था। वर्धमान का बचपन राजमहल में बीता। आठ बरस के हुए, तो उन्हें पढ़ाने, शिक्षा देने, धनुष आदि चलाना सिखाने के लिए शिल्प शाला में भेजा गया।

विवाह मतभेद : श्वेताम्बर संघ की मान्यता है कि वर्धमान ने यशोदा से विवाह किया था। उनकी बेटी का नाम था अयोज्जा या अनवद्या। जबकि दिगम्बर संघ की मान्यता है कि उनका विवाह हुआ ही नहीं था। वे बाल ब्रह्मचारी थे।

श्रामणी दीक्षा : महावीर की उम्र जब 28 वर्ष थी, तब उनके माता-पिता का देहान्त हो गया। बड़े भाई नंदिवर्धन के अनुरोध पर वे दो बरस तक घर पर रहे। बाद में तीस बरस की उम्र में वर्धमान ने श्रमण परंपरा में श्रामणी दीक्षा ले ली। वे 'समण' बन गए। अधिकांश समय वे ध्यान में ही मग्न रहते।

कैवल्य ज्ञान : भगवान महावीर ने 12 साल तक मौन तपस्या तथा गहन ध्यान किया। अन्त में उन्हें 'कैवल्य ज्ञान' प्राप्त हुआ। कैवल्य ज्ञान प्राप्त होने के बाद भगवान महावीर ने जनकल्याण के लिए शिक्षा देना शुरू की। अर्धमगधी भाषा में वे प्रवचन करने लगे, क्योंकि उस काल में आम जनता की यही भाषा थी।

महावीर का तत्वज्ञान : ब्रह्मांड में दो ही तत्व हैं जीव और अजीव अर्थात जड़ और चेतन। दोनों एक दूसरे से परस्पर बद्ध हैं। इस बद्धता को ही कर्माश्रव व कर्मबंध कहते हैं। चेतन का जड़ के इस बंधन से मुक्त होना ही कैवल्य ज्ञान और पूर्ण मुक्त हो जाना निर्वाण है। इसके अलावा अनेकांतवाद अर्थात वास्तववादी और सापेक्षतावादी बहुत्ववाद सिद्धांत और स्यादवाद अर्थात ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धांत। उक्त दोनों सिद्धांतों में सिमटा है भगवान महावीर का दर्शन। दर्शन अर्थात जो ब्रह्मांड और आत्मा के अस्तित्व के प्रारंभ और इसकी स्थिति तथा प्रकार के बारे में खुलासा करता हो।

महावीर का संघ : भगवान महावीर ने कैवल्य ज्ञान मार्ग को पुष्ट करने हेतु अपने अनुयायियों को चार भागों में विभाजित किया- मुनि, आर्यिका, श्रावक और श्राविका। प्रथम दो वर्ग गृहत्यागी परिव्राजकों के लिए और अंतिम दो गृहस्थों के लिए। यही उनका चतुर्विध-संघ कहलाया।

पंच महाव्रत : भगवान महावीर ने कैवल्य ज्ञान हेतु धर्म के मूल पाँच व्रत बताए- अहिंसा, अचौर्य, अमैथुन और अपरिग्रह। उक्त पंचमहाव्रतों का पालन **मुनियों के लिए पूर्ण रूप से और गृहस्थों के लिए** स्थूलरूप अर्थात अणुव्रत रूप से बताया गया है। हालाँकि महावीर का धर्म और दर्शन उक्त पंच महाव्रत से कहीं ज्यादा विस्तृत और गूह्म है।

महावीर का निर्वाण : महावीर का निर्वाण काल विक्रम काल से 470 वर्ष पूर्व, शक काल से 605 वर्ष पूर्व और ईसवी काल से 527 वर्ष पूर्व 72 वर्ष की आयु में कार्तिक कृष्ण (अश्विन) अमावस्या को पावापुरी (बिहार) में हुआ था। निर्वाण दिवस पर घर-घर दीपक जलाकर दीपावली मनाई जाती है।

महावीर के शिष्य : महावीर के हजारों शिष्य थे जिनमें राजा-महाराजा और अनेकानेक गणमान्य नागरिक थे। लेकिन कुछ प्रमुख शिष्य भी थे ?जो हमेशा उनके साथ रहते थे। इसके अलावा भी जिन्होंने नायकत्व संभाला उनमें भी प्रमुख रूप से तीन थे।

महावीर के निर्वाण के पश्चात जैन संघ का नायकत्व क्रमश: उनके तीन शिष्यों ने संभाला- गौतम, सुधर्म और जम्बू। इनका काल क्रमश: 12, 12, व 38 वर्ष अर्थात कुल 62 वर्ष तक रहा। इसके बाद ही आचार्य परम्परा में भेद हो गया। श्वेतांबर और दिगंबर पृथक-पृथक परंपराएँ हो गईं।

भगवान महावीर का जन्मोत्सव

महारानी त्रिशला का एक-एक क्षण बमुश्किल से बीत रहा था। वे बेसब्री से शिशु-जन्म की प्रतीक्षा कर रही थीं। उनकी देखभाल के लिए देवराज इंद्र ने देव कन्याओं को नियुक्त कर रखा था। अत: उन्हें किसी प्रकार की शारीरिक पीड़ा नहीं होती थी। जैन मान्यता के अनुसार, तीर्थंकर के जन्म के समय उनकी माता को किसी प्रकार की पीड़ा नहीं होती थी और ना ही उनके शरीर का रूपांतरण होता था। अंतत: वह घड़ी आ गई। चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन भगवान महावीर ने जन्म लिया। उनके जन्म के साथ ही तीनों लोकों में आनंद छा गया। देव लोक स्वयं वाद्य बजाकर मंगल ध्वनि करने लगे। इंद्र का सिंहासन डोलने लगा। वे समझ गए कि चौबीसवें तीर्थंकर महावीर ने जन्म ले लिया है। वे अपनी पत्नी शचि के साथ महावीर का जन्म कल्याणक मनाने आए। क्षीरसागर के अमृत जल से महावीर का जलाभिषेक किया गया। कुंडलपुर में दो सप्ताह तक उत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर महावीर का जन्मोत्सव मनाया गया। तदंतर ज्योतिषियों ने उनकी जन्मकुंडली बनाई और घोषित किया कि यह बालक या तो चक्रवर्ती राजा बनेगा या जगतगुरु।

प्राणी मात्र के कल्याण के लिए महावीर का संदेश

भगवान महावीर का संदेश प्राणी मात्र के कल्याण के लिए है। उन्होंने मनुय-मनुष्य के बीच भेदभाव की सभी दीवारों को ध्वस्त किया। उन्होंने जन्मना वर्ण व्यवस्था का विरोध किया। इस विश्व में न कोई प्राणी बड़ा है और न कोई छोटा। उन्होंने गुण-कर्म के आधार पर मनुष्य के महत्व का प्रतिपादन किया। ऊँच-नीच, उन्नत-अवनत, छोटे-बड़े सभी अपने कर्मों से बनते हैं। जातिवाद अतात्विक है। सभी समान हैं न कोई छोटा, न कोई बड़ा। भगवान की दृष्टि समभावी थी- सर्वत्र समता-भाव। वे सम्पूर्ण विश्व को समभाव से देखने वाले साधक थे, समता का आचरण करने वाले साधक थे। उनका प्रतिमान था- जो व्यक्ति अपने संस्कारों का निर्माण करता है, वही साधना का अधिकारी है। उनकी वाणी ने प्राणी मात्र के जीवन में मंगल प्रभात का उदय किया। जब भगवान से यह जिज्ञासा व्यक्त की गई कि आत्मा आँखों से नहीं दिखाई देती तथा इस आधार पर आत्मा के अस्तित्व के सम्बन्ध में शंका व्यक्त की गई तो भगवान ने उत्तर दिया : 'भवन के सब दरवाजे एवं खिड़कियाँ बन्द करने के बाद भी जब भवन के अन्दर संगीत की मधुर ध्वनि होती है तब आप उसे भवन के बाहर निकलते हुए नहीं देख पाते। आँखों से दिखाई न पड़ने के बावजूद संगीत की मधुर ध्वनि बाहर खड़े श्रोताओं को आच्छादित करती है। संगीत की ध्वनि पौद्गलिक (भौतिक द्रव्य) है। आत्मा अरूपी एवं अमूर्तिक है। आँखें अरूपी आत्मा को किस प्रकार देख सकती हैं? अमूर्तिक आत्मा का इन्द्रिय दर्शन नहीं होता, अनुभूति होती है। प्रत्येक आत्मा में परम ज्योति समाहित है। प्रत्येक चेतन में परम चेतन समाहित है। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में स्वतंत्र, मुक्त, निर्लेप एवं निर्विकार है। प्रत्येक आत्मा अपने पुरुषार्थ से परमात्मा बन सकती है। शुद्ध तात्विक दृष्टि से जो परमात्मा है वही मैं हूँ और जो मैं हूँ वही परमात्मा हैं। मनुष्य अपने सत्कर्म से उन्नत होता है।

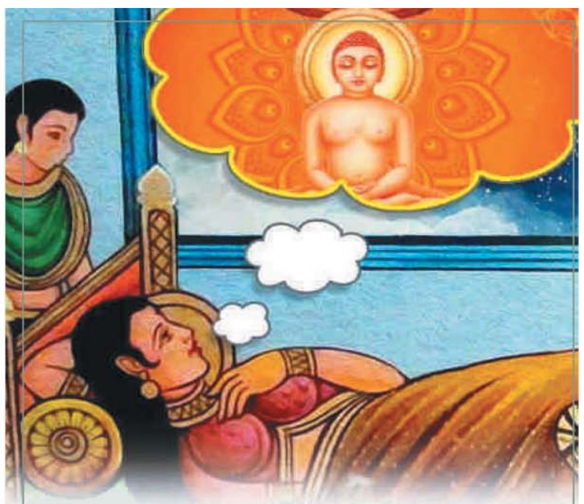

महावीर स्वामी के जन्म से पहले माता त्रिशला ने देखे थे ये शुभ स्वप्न

प्राचीन जैन ग्रंथ 'उत्तर पुराण' में तीर्थंकरों का वर्णन मिलता है। इस ग्रंथ के अनुसार वैशाली के राजा चेटक के दस पुत्र और सात पुत्रियां थीं। राजा चेतक प्राचीन भारत के वैशाली लिच्छवि राजवंश मुखिया थे जो गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी के समकालीन थे। राजा चेतक की रानी का नाम सुभद्रा था। इनके दस पुत्र हुए जिनके नाम धनदत्त, धनप्रभ, उपेन्द्र, सुदत्त, सिंहभद्र, सुकुम्भोज, अकम्पन, पतंगक, प्रभंजन और प्रभास थे और सात पुत्रियां थीं उनमें सबसे बड़ी प्रियकारिणी (त्रिशला) थी, फिर मृगावती, सुप्रभा, प्रभावती, चेलिनी, ज्येष्ठा और सबसे छोटी चंदना थी। उनकी ज्येष्ठ पुत्री त्रिशला (प्रियकारिणी) का विवाह कुण्डलपुर (वैशाली गणराज्य) के तत्कालीन राजा का सिद्धार्थ से हुआ था। एक दिन कुण्डलपुर के लोग सोकर उठे और देखते हैं कि अचानक वहां कीमती रत्नों की वर्षा आरंभ हो गई हैं। लोगों ने अभी तक जल वर्षा देखी थी, रत्न वर्षा देखकर उनका चमत्कृत होना स्वाभाविक था। इन्द्र की आज्ञानुसार कोषाध्यक्ष कुबेर कुण्डलपुर में प्रतिदिन प्रात:, मध्याह्न, सायं और रात्रि को तीन-तीन करोड़ रत्नों की वर्षा कर रहे थे। जैन मान्यतानुसार प्रत्येक तीर्थंकर के जन्म से छ: माह पूर्व से ऐसी रत्नवर्षा आरंभ हो जाती थी, जो उनके जन्मस्थल की सात पीढ़ियों तक संपन्न हो जाती थीं। कुण्डलपुरवासी इस अद्भुत रत्न वर्षा का कारण जानने के लिए उत्सुक थे। नगरभर में इसी बात की चर्चा थी। इतने रत्न बरस रहे थे कि घरों में रखने तक की जगह नहीं बची थी। कुण्डलपुर की सुख-समृद्धि स्वमेव बढ़ गई थी। नगर का वातावरण एक दिव्य आभा से आलोकित हो गया था।

जब महारानी त्रिशला भी नगर में हो रही अद्भुत रत्नवर्षा के बारे में सोच रही थीं। यह सोचते-सोचते वे ही गहरी नींद में सो गई। उसी रात्रि को अंतिम प्रहर में महारानी ने आषाढ़ शुक्ल षष्ठी के दिन सोलह शुभ मंगलकारी स्वप्न देखे। सुबह जागने पर महारानी त्रिशला के महाराज सिद्धार्थ से अपने स्वप्नों की चर्चा की और उसका फल जानने की इच्छा प्रकट की। राजा सिद्धार्थ एक कुशल राजनीतिज्ञ के साथ ही ज्योतिष शास्त्र के भी विद्वान थे। उन्होंने रानी से कहा कि एक-एक कर अपना स्वप्न बताएं। वे उसी प्रकार उसका फल महारानी को बताएंगे।

रानी ने पहला स्वप्न बताया : स्वप्न में एक अति विशाल श्वेत हाथी दिखाई दिया।
राजा ने फल बताया : उन्हें एक अद्भुत पुत्र-रत्न उत्पन्न होगा।

दूसरा स्वप्न : श्वेत वृषभ।
फल : वह पुत्र जगत का कल्याण करने वाला होगा।

तीसरा स्वप्न : श्वेत वर्ण और लाल अयालों वाला सिंह।
फल : वह पुत्र सिंह के समान बलशाली होगा।

चौथा स्वप्न : कमलासन लक्ष्मी का अभिषेक करते हुए दो हाथी।
फल : देवलोक से देवगण आकर उस पुत्र का अभिषेक करेंगे।

पांचवां स्वप्न : दो सुगंधित पुष्पमालाएं।
फल : वह धर्म तीर्थ स्थापित करेगा और जन-जन द्वारा पूजित होगा।

छठा स्वप्न : पूर्ण चन्द्रमा।
फल : उसके जन्म से तीनों लोक आनंदित होंगे।

सातवां स्वप्न : उदय होता सूर्य।
फल : वह पुत्र सूर्य के समान तेजयुक्त और पापी प्राणियों का उद्धारक होगा।

आठवां स्वप्न : कमल पत्रों से ढंके हुए दो स्वर्ण कलश।
फल : वह पुत्र अनेक निधियों का स्वामी निधि ?पति होगा।

नौवां स्वप्न : कमल सरोवर में क्रीड़ा करती दो मछलियां।
फल : महाआनंद का दाता, दुखहर्ता।

दसवां स्वप्न : कमलों से भरा जलाशय।
फल : एक हजार आठ शुभ लक्षणों से युक्त पुत्र।

ग्यारहवां स्वप्न : लहरें उछालता समुद्र।
फल : भूत-भविष्य-वर्तमान का ज्ञाता केवली पुत्र।

बारहवां स्वप्न : हीरे-मोती और रत्नजड़ित स्वर्ण सिंहासन।
फल : राज्य का स्वामी और प्रजा का हितचिंतक पुत्र।

तेरहवां स्वप्न : स्वर्ग का विमान।
फल : इस जन्म से पूर्व वह पुत्र स्वर्ग में देवता होगा।

चौदहवां स्वप्न : पृथ्वी को भेद कर निकलता नागों के राजा नागेन्द्र का विमान।
फल : जन्म से ही वह पुत्र त्रिकालदर्शी होगा।

पन्द्रहवां स्वप्न : रत्नों का ढेर।
फल : वह पुत्र अनंत गुणों से संपन्न होगा।

सोलहवां स्वप्न : धुआंरहित अग्नि।
वह पुत्र कर्मों का अंत करके मोक्ष (निर्वाण) प्राप्त करेगा।

इस तरह महारानी त्रिशला ने अपने सोलह स्वप्न फलों का वर्णन महाराजा सिद्धार्थ से प्राप्त किया। राजा सिद्धार्थ स्वप्न-फल बताकर शांत ही हुए थे कि उनके सामने कुछ दिव्य पुरुष प्रकट हुए। उनमें से एक ने अपना परिचय देते हुए कहा- 'हे राजन! मैं देवराज इन्द्र अपने साथियों सहित आपको व महारानी को नमन करता हूं। आप धन्य हैं, आपको तीनों लोकों के स्वामी का माता-पिता बनने का सौभाग्य मिला है। आपके यहां उत्पन्न होने वाला जीव-अंतिम तीर्थंकर महावीर के रूप में प्रसिद्ध होगा और पापियों का कल्याण करके स्वयं मोक्ष को प्राप्त करेगा। यह कहकर देवराज इन्द्र ने अपने साथी देवताओं सहित महारानी त्रिशला का अभिषेक किया, उन्हें दिव्य वस्त्र, रत्नाभूषण आदि प्रदान किए और महावीर का गर्भ कल्याणक मनाकर वापस स्वर्ग लौट गए। यह समाचार सुनकर महाराज सिद्धार्थ और महारानी त्रिशला की खुशियों का कोई ठिकाना नहीं रहा। पूरे राज्य में यह समाचार फैल गया। घर-घर में खुशियां मनाई जाने लगीं। चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म हुआ।

ऐपल ने भारत से 1.5 लाख करोड़ के आईफोन निर्यात किए

- पिछले साल की तुलना में 76 फीसदी अधिक

नई दिल्ली ।

ऐपल ने वित्त वर्ष 2025 में भारत से 1,50,000 करोड़ रुपये मूल्य (एफओबी) के आईफोन का निर्यात किया है। पिछले साल की तुलना में यह आंकड़ा न केवल 76 फीसदी अधिक है बल्कि यह उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत कंपनी के तय लक्ष्य का दोगुना भी है। ऐपल के वेंडरों द्वारा सरकार को दिए आंकड़ों से यह पता चला है। ऐपल ने यह कारनामा ऐसे समय में किया है जब अमेरिका ने भारत सहित दुनिया के तमाम देशों पर ऊंचा शुल्क लगा दिए हैं। इन शुल्कों से भारत से होने वाले निर्यात पर अनिश्चितताओं के बादल छा गए हैं। वित्त वर्ष 2024 में 85,000 करोड़ रुपये मूल्य के आईफोन का निर्यात हुआ था। वित्त वर्ष 2025 के लिए कंपनी ने पीएलआई योजना के तहत 74,900 करोड़ रुपये मूल्य के आईफोन निर्यात का लक्ष्य रखा था। आईसीईए के अनुमानों के अनुसार भारत से स्मार्टफोन के कुल निर्यात में ऐपल की हिस्सेदारी बढ़कर 75 फीसदी तक पहुंच जाएगी।

आईसीईए ने कहा कि भारत से 2,00,000 करोड़ रुपये मूल्य के स्मार्टफोन के निर्यात होने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष प्रत्येक महीने औसतन 12,500 करोड़ रुपये मूल्य के आईफोन का निर्यात हुआ था जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 7,083 करोड़ रुपये रहा था।

ऐपल के प्रवक्ता ने इस बारे में कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया। आईसीईए के अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में स्मार्टफोन का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2024 (1,30,000 करोड़ रुपये) की तुलना में 53 प्रतिशत से अधिक रहा।

बीईएल को रक्षा मंत्रालय से मिला 2,210 करोड़ का ऑर्डर

- इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम की सप्लाई शामिल

नई दिल्ली ।

एरोस्पेस और रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के शेयरों में मंगलवार को जोरदार तेजी देखी जा रही है। बीईएल ने रक्षा मंत्रालय से 2,210 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर प्राप्त किया है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम की सप्लाई शामिल है। इस समझौते के साथ कंपनी ने वित्त वर्ष 26 में कुल 2,803 करोड़ रुपये के आदेश प्राप्त किए हैं। बीईएल ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने रक्षा मंत्रालय के साथ 2,210 करोड़ रुपये (टैक्स को छोड़कर) के मूल्य का एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इसमें भारतीय वायु सेना के एमआई 17 वी5 हेलीकॉप्टरों के लिए ईडब्ल्यू सूट की सप्लाई की जाएगी। बीईएल के अनुसार ये सिस्टम स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं।

इनकी मेन्यूफेक्करिंग भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा की जायेगी। इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट एक रडार वार्निंग रिसीवर, मिसाइल अप्रोच वार्निंग सिस्टम और काउंटर मेजर डिस्पेंसिंग सिस्टम से लैस है। ये हेलीकॉप्टरों की कॉम्बैट सेफ्टी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने और प्रभावी काउंटरमेजर प्रदान करने में अहम रोल निभाता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि इस समझौते के साथ अब तक उसने वर्तमान वित्त वर्ष 26 में कुल 2,803 करोड़ रुपये के आदेश प्राप्त किए हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बढ़ा सकती है डिविडेंड

- शेयरों में तेज हलचल; 2.5 फीसदी से ज्यादा उछला

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ वॉर की वजह से वैश्विक बाजारों में गिरावट के बीच, भारतीय शेयर बाजार में इसका प्रभाव देखा गया। इस चलन में दिग्गज इंश्योरेंस कंपनी आईसीआईआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने निवेशकों को डिविडेंड की बढ़ोतरी की संभावना जताई। कंपनी ने बोर्ड की अप्रैल 2025 की बैठक में इस मुद्दे पर फैसला करेगी। कंपनी के स्टॉक्स में मंगलवार को उछाल देखने को मिली, जिससे बाजार में अनुकूलता दिखाई दी। इस दौरान, बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी-50 में सोमवार को भारी गिरावट आई, जिसे 4 जून, 2024 के बाद सबसे बड़ी गिरावट माना जा रहा है। इस गिरावट का कारण अमेरिका के टैरिफ और वैश्विक मंदी की भयभीती बढ़ने की आशंका है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने अपनी आगामी बैठक में डिविडेंड के मामले पर फैसला करने की घोषणा की है, जिससे निवेशकों को नया आशा का सामना हो सकता है। कंपनी ने यह भी जारी किया कि फिलहाल किसी भी डिविडेंड संबंधित जानकारी के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है, लेकिन संभावना है कि वह अपने निवेशकों को नया धन बांटने की स्थिति में हो। जून 2024 में लास्ट टाइम पर डिविडेंड देने के बाद, कंपनी की अपेक्षित तिथि और राशि के बारे में विस्तार से चर्चा की जा रही है। एक निवेशक ने यह कहा कि यह एक अच्छी खबर है जो कंपनी की स्थिति को मज़बूत कर सकती है और निवेशकों को लाभान्वित कर सकती है। इस विक्रमादित्य के बाद, इंश्योरेंस सेक्टर में और भी ढेर सारी जानकारी की अपेक्षा की जा रही है।

म्यूजिक लवर्स को अब मिलेगा लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का नया अनुभव

मुंबई : हाई क्वालिटी म्यूजिक और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी चाहने वालों के लिए प्रमुख ऑडियो ब्रांड जेबीएल ने भारत में अपनी बहुप्रतीक्षित ट्यून सीरीज 2 लॉन्च कर दी है, जिसमें ट्यून बड्स 2, ट्यून बीम 2 और ट्यून फ्लेक्स 2 शामिल हैं। इन टी डब्ल्यू एस ईयरबड्स को दमदार साउंड, लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और विभिन्न लाइफस्टाइल की जरूरतों के अनुसार तैयार किया गया है। इन प्रोडक्ट्स में ब्लूटूथ 5.3 एलइ ऑडियो, एडाप्टिव नॉइस कैंसलिंग, 6 हाई-परफॉर्मेंस माइक्रोफोन्स, आईपी54 वॉटर व डस्ट रेजिस्टेंस, और गूगल फास्ट पेयर जैसे स्मार्ट फीचर्स दिए गए हैं। ट्यून बड्स 2 में बड-स्टाइल डिजाइन, बीम 2 में क्लोज्ड स्टिक डिजाइन और फ्लेक्स 2 में ओपन स्टिक डिजाइन मिलता है। सभी मॉडल्स 48 घंटे तक की लंबी बैटरी लाइफ, बड़े ऑडियो ड्राइवर्स और वॉइसअवेयर जैसे फीचर्स हैं, जो म्यूजिक और कॉलिंग को बेहतर बनाते हैं। इस लॉन्च पर बात करते हुए विक्रम खेर, वाइस प्रेसिडेंट-लाइफस्टाइल, हारमन इंडिया ने कहा, ह्लजेबीएल में हमारा मानना है कि बेहतरीन साउंड हर खास पल का हिस्सा होना चाहिए। ट्यून सीरीज 2 के साथ हमारा लक्ष्य यूजर्स को ऐसा ऑडियो अनुभव देना है, जो न सिर्फ दमदार हो, बल्कि पूरी तरह पर्सनलाइज्ड भी हो। एडाप्टिव नॉइस कैंसलिंग और वॉइस अवेयर जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी यूजर्स को म्यूजिक से गहराई से जुड़ने का मौका देती है। हमारा फोकस म्यूजिक लवर्स के लिए ऐसा अनुभव तैयार करना है, जो क्वालिटी, कंफर्ट और टेक्नोलॉजी का बेहतरीन मेल हो।

जेबीएल की नई ट्यून सीरीज 2 के तीनों मॉडल ट्यून बड्स 2, ट्यून बीम 2 और ट्यून फ्लेक्स 2, 17 अप्रैल से भारत में उपलब्ध होंगे। ट्यून बड्स 2 की कीमत 9,499 , ट्यून बीम 2 की कीमत 11,999 और ट्यून फ्लेक्स 2 की कीमत 10,499 रुपए रखी गई है। ये प्रोडक्ट्स जेबीएल की आधिकारिक वेबसाइट के साथ-साथ देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर खरीदे जा सकेंगे।

इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल ने दिखाया दम, हरे निशान पर बंदा हुआ बाजार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों में तेजी के बीच भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी जैसे भारी भरकम स्टॉक्स में जोरदार तेजी से बाजार हरे निशान पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मंगलवार के कारोबार में 900 से ज्यादा अंक चढ़कर 74,013.73 पर खुला। कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स 74,859 अंक तक उछला था। अंत में सेंसेक्स 1089.18 अंक के जोरदार उछाल के साथ 74,227.08 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई (एनएसई) का निफ्टी-50 भी मंगलवार को मजबूती के साथ 22,446.75 अंक पर खुला। खुलते ही बाजार में जोरदार तेजी देखी गई। कारोबार के दौरान यह 22,697.20 अंक को छू गया। अंत में निफ्टी 374.25 अंक की मजबूती के साथ 22,535.85 पर बंद हुआ।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने चीन पर दबाव बढ़ाते हुए चीन से रेसिप्रोकल टैरिफ वापस लेने की बात कही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन ट्रंप की रणनीति के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा रहने की तैयारी में है।

वहीं जापान का निक्केई इंडेक्स मंगलवार को औसत रूप से 6 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ। यह पिछले सत्र में 1-1/2 साल के निचले स्तर से उबरा। निवेशकों ने वॉल स्ट्रीट पर रिकवरी के संकेतों से उत्साहित होकर शेयरों को खरीदा। निक्केई इंडेक्स 6.03 प्रतिशत चढ़कर 33,012.58 पर पहुंच गया, जो 6 अगस्त के बाद से इसका सबसे तेज एक दिवसीय लाभ है।

आरबीआई के ब्याज दरों पर फैसले का इंतजार

वैश्विक बाजारों की चाल के अलावा निवेशक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, जो बुधवार को निर्धारित है। साथ ही भारतीय कंपनियों के चौथे तिमाही के नतीजे और इस सप्ताह आने वाले मैक्रोइकॉनॉमिक आंकड़ों पर भी निवेशकों का फोकस है।

फियो की नकदी संकट कम करने पांच प्रतिशत ब्याज अनुदान की मांग

फियो ने कहा, अमेरिकी शुल्क हमारे भुगतान चक्र को करने जा रहे हैं प्रभावित

नई दिल्ली ।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने मंगलवार को कहा कि नौ अप्रैल से लागू 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क से अमेरिकी आयातकों का सीमा शुल्क बिल काफी बढ़ जाएगा जिससे भारतीय निर्यातकों को भुगतान में देरी होगी। संगठन ने सरकार से आग्रह किया कि वह बढ़ते नकदी संकट को कम करने के लिए तुरंत पांच प्रतिशत ब्याज अनुदान की घोषणा करे। फियो के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि नौ अप्रैल से अमेरिकी आयातकों को 26 प्रतिशत शुल्क अग्रिम रूप से देना होगा। पहले यह शून्य से चार प्रतिशत था। उच्च शुल्क उन पर अतिरिक्त बोझ डालेंगे और इसके लिए उन्हें ऋण लेना होगा तथा हमारे भुगतान में देरी होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी शुल्क हमारे भुगतान चक्र को प्रभावित करने जा रहे हैं। हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह सभी निर्यातकों के लिए ब्याज छूट योजना की तत्काल घोषणा करे। भारत में रेपो दर लगभग 6.25 प्रतिशत है तथा निर्यातकों को आठ से 12 प्रतिशत या इससे भी अधिक ब्याज देना पड़ता है जो कि प्राधिकृत डीलर बैंकों द्वारा उधारकर्ता के जोखिम मूल्यांकन तथा प्रसार पर निर्भर करता है। प्रतिस्पर्धी देशों में ब्याज दर बहुत कम है। मिसाल के तौर पर 2025 में चीन में केंद्रीय बैंक की दर 3.1 प्रतिशत, मलेशिया में तीन प्रतिशत, थाइलैंड में दो प्रतिशत और वियतनाम में 4.5 प्रतिशत है।ब्याज सब्सिडी योजना पिछले साल समाप्त हो गई और इस योजना का करीब 11,000 निर्यातक लाभ उठाते थे।वाणिज्य मंत्रालय निर्यात संवर्धन मिशन के तहत इस योजना को फिर से विकसित करने पर काम कर रहा है जिसकी घोषणा बजट में 2,250 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ की गई थी। रल्हन ने कहा कि अमेरिका में खरीदार ऑर्डर की पुष्टि करने और उच्च आयात शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए 12-14 प्रतिशत छूट की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी शुल्कों को वहन करने के लिए तैयार नहीं हैं। हमें उनके साथ बोझ साझा करना होगा।

जरूरत पड़ने पर म्युचुअल फंड पर आसानी से मिल जाता है सस्ता लोन

- आपका निवेश भी बना रहता है और लांग टर्म वेल्थ क्रिएशन में कोई रुकावट नहीं आती

नई दिल्ली ।

अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड्स बेचकर पैसों का इंतजाम करना एक आसान लगता है। लेकिन इसका एक बड़ा नुकसान भी देखा गया है। ऐसे में एक सरल और आसान विकल्प म्युचुअल फंड्स पर लोन लेना भी है। इसमें निवेशक को अपने म्युचुअल फंड्स बेचने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि वह उन्हें मॉर्गेज कर नकदी हासिल कर सकता है। यानी, म्युचुअल फंड पर लोन लेकर आप न केवल अपनी जरूरत को पूरा कर सकते हैं, बल्कि आपका निवेश भी बना रहता है और लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन की राह में कोई रुकावट नहीं आती। म्युचुअल फंड पर लोन एक ऐसी सुविधा है, जिसमें निवेशक अपने म्युचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हैं। सेबी में एक रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार कहते हैं, जब भी पैसों की कमी होती है, खासकर शॉर्ट टर्म जरूरतों में, तब म्युचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन लिया जा सकता है। यह आपके म्युचुअल फंड यूनिट्स को रिडीम करने से कहीं बेहतर विकल्प है। म्युचुअल फंड में निवेश आमतौर पर लॉन्ग टर्म जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है, इसलिए इन्हें छोटी अवधि की कैश जरूरतों के लिए रिडीम करना सही स्ट्रैटेजी नहीं है। ऐसी स्थितियों में म्युचुअल फंड पर लोन उठाना एक बेहतर प्रैटिकल सॉल्यूशन नजर आता है। इस तरह के फाइनेंस विकल्प पर ब्याज दर आमतौर पर क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन जैसे अन्य विकल्पों की तुलना में कम होती है, क्योंकि यह एक सुरक्षित लोन होता है जो आपके म्युचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर लिया जाता है।

ग्राहकों के बीच मारुति सुजुकी की लोकप्रियता कायम

नई दिल्ली । बीत महीने यानि की मार्च 2025 में भी भारतीय ग्राहकों के बीच मारुति सुजुकी की लोकप्रियता कायम रही। मारुति सुजुकी ने इस दौरान कुल 1,50,743 यूनिट कारों की बिक्री की। यह आंकड़ा मार्च 2024 की तुलना में 1.29प्रतिशत कम रहा, जब 1,52,718 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। इसके बावजूद मारुति ने 39.07प्रतिशत के हिस्से के साथ देश के पैसेंजर व्हीकल मार्केट में अपना दबदबा बनाए रखा। बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर हुंडई रही, जिसने 51,820 यूनिट कारों की बिक्री की। इस दौरान कंपनी की बिक्री में 2.23प्रतिशत की सालाना गिरावट दर्ज की गई। वहीं, टाटा मोटर्स ने 3.03प्रतिशत की वृद्धि के साथ 51,616 यूनिट्स की बिक्री की और तीसरे नंबर पर रही। महिंद्रा ने 48,048 यूनिट कारें बेचकर चौथा स्थान हासिल किया और 18.25प्रतिशत की जबरदस्त सालाना ग्रोथ दर्ज की। वहीं, स्कोडा ने 164.88 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 7,422 यूनिट्स की बिक्री की और सातवां स्थान हासिल किया। मार्च 2025 के आंकड़े दिखाते हैं कि भारत में कार बाजार में प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ रही है, लेकिन मारुति का वर्चस्व अब भी बरकरार है।

वेदांता को वैश्विक साझेदार की तलाश

कंपनी अगले तीन वर्षों में अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी

नई दिल्ली । खनन कंपनी वेदांता विभिन्न क्षेत्रों में अपनी 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं के लिए वैश्विक साझेदार की तलाश कर रही है। कंपनी के अनुसार यह कदम वेदांता की रणनीतिक योजना के अनुरूप है जिसके तहत अगले तीन वर्षों में वह अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी। इसके तहत कंपनी अपने कारोबार का चार इकाइयों वेदांता एल्युमीनियम, तेल एवं गैस, बिजली और लोहा एवं इस्पात में पुनर्गठन करेगी। जानकारी के अनुसार हम एक अनुभवी वैश्विक इंजीनियरिंग कंपनी की तलाश कर रहे हैं जिसे इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण प्रबंधन (ईपीसीएम) में अनुभव हो और जो हमारी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए हमारे लिए एक विस्तारित कार्यालय के रूप में कार्य कर सके। कंपनी ने कहा कि वह अगले तीन वर्षों में धातु, खनन और हाइड्रो कार्बन क्षेत्र में विकास परियोजनाओं पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी। ये परियोजनाएं इसके मौजूदा परिचालन का विस्तार है। इच्छुक कंपनियों को अपने प्रासंगिक अनुभव, 'प्रोफाइल' और वर्तमान में जारी परियोजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके लिए 30 अप्रैल तक आवेदन दिया सकते है। वेदांता के एक मुख्य वित्तीय अधिकारी ने पहले कहा था कि विभाजन अंतिम चरण में है। इसके इस वर्ष जून-जुलाई माह में पूरा होने की उम्मीद है।

टाटा पंच ईवी पर मिल रही 70,000 तक की छूट

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी पॉपुलर इलेक्ट्रिक कार पंच ईवी पर ग्राहकों को अधिकतम रुपए 70,000 तक की छूट दे रही है, जिसमें कैश डिस्काउंट के साथ-साथ एक्सचेंज बोनस भी शामिल है। मामले में अधिक जानकारी और लाभ उठाने के लिए ग्राहक अपने नजदीकी टाटा डीलरशिप से संपर्क कर सकते हैं। फीचर्स के मामले में यह कार काफी प्रीमियम है। इसमें 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एयर प्यूरीफायर और सनरूफ जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

सेफ्टी के लिहाज से पंच ईवी में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और 360-डिग्री कैमरा जैसे एडवांस फीचर्स मिलते हैं। टाटा पंच ईवी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 9.99 लाख से शुरू होकर टॉप वेरिएंट में रुपए 14.44 लाख तक जाती है। बेहतरीन रेंज, एडवांस फीचर्स और अब भारी छूट के चलते यह इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में एक आकर्षक विकल्प बन गई है।

टाटा पंच ईवी को दो बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया गया है। पहला वेरिएंट 25 केडब्ल्यूएच की बैटरी से लैस है, जो 82 बीएचपी की पावर और 114 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह मॉडल एक बार चार्ज करने पर 315 किलोमीटर तक की रेंज देता है। वहीं दूसरा वेरिएंट 35 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ आता है, जो 122 बीएचपी की पावर और 190 एनएम टॉर्क देने में सक्षम है, और इसकी ड्राइविंग रेंज 421 किलोमीटर तक है।

हल्दीराम फूड्स और हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड हुए एक

- हल्दीराम अब स्नैक्स और नमकीन का उत्पादन एक साथ करेगा

नई दिल्ली । हल्दीराम की नागपुर और दिल्ली शाखाओं को मिलाकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड का गठन पूरा हो गया है। इस विलय से हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड और हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड एक हो गए हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकानरी ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है और भावनात्मक एकता का परिचय है। इस विलय से हल्दीराम अब स्नैक्स और नमकीन का उत्पादन एक साथ करेगा। दिल्ली इकाई में हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है और शेष 44 प्रतिशत हिस्सेदारी नागपुर शाखा के पास है। इस गठन से उम्मीद है कि भारतीय पैक्ड फूड उद्योग को नए फैसले और विकास के मार्ग प्राप्त होंगे। सौदागरों का मानना है कि इस सौदे का मूल्यांकन लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब है। हल्दीराम के संस्थापक गंगा बिशन अग्रवाल द्वारा 1937 में राजस्थान में शुरू की गई इस खाद्य उत्पाद की विकसित यात्रा अब 80 से अधिक देशों में जारी है। यह गठन भारतीय उद्योग के लिए नए द्वार खोलता है और स्नैक्स और नमकीन सेगमेंट में मजबूती लाता है।

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की नई ग्रैंड विटारा

- शुरुआती कीमत 11.42 लाख

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने ग्रैंड विटारा को नए अवतार में लॉन्च किया। इस नए मॉडल की शुरुआती कीमत 11.42 लाख रुपये है, और यह पेट्रोल इंजन और लिथियम-आयन बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक मोटर का मेल है जो ज्यादा माइलेज और बेहतरीन प्रदर्शन देता है। नये ग्रैंड विटारा में अनेक नए और प्रीमियम फीचर जोड़े गए हैं, जैसे कि वायरलेस कनेक्टिविटी, स्मार्टप्ले प्रो प्लस इंफोटेनमेंट सिस्टम, हेड-अप डिस्प्ले, 360 डिग्री कैमरा, और वायरलेस चार्जिंग डॉक। इसके साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से भी यह वाहन आधुनिक फीचर्स के साथ लैस है, जैसे कि ईएसपी, एबीएस, ईबीडी, और अन्य सुरक्षा तकनीकें। कंपनी के विपणन और बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने घोषणा की है कि नई ग्रैंड विटारा का नया हाइब्रिड संस्करण भी लॉन्च किया गया है, जिसकी कीमत 16.99 लाख रुपये है। यह नया मॉडल शानदार डिज़ाइन और बेहतरीन कार्यक्षमता के साथ आता है, और लोकप्रियता में एक बड़ी गिरावट ला सकता है। इस नए ग्रैंड विटारा में कई नए और उन्नत फीचर्स हैं, जो सुरक्षा, सुविधा, और स्टाइल की दृष्टि से इसकी पॉजिशनिंग को और मजबूती देते हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग बढ़कर 10,163 करोड़ हुई

सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी के रूप में उभरने की संभावना

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में बिक्री बुकिंग वार्षिक आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 10,163 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की बिक्री बुकिंग (प्री-सेल्स) 31 प्रतिशत बढ़कर 29,444 करोड़ रुपये रही। करीब 30,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के साथ गोदरेज प्रॉपर्टीज के 2024-25 में बिक्री बुकिंग के मामले में सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी के रूप में उभरने की संभावना है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से डीएलएफ भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग मूल्य के लिहाज से सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 10,163 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के अनुसार यह गोदरेज प्रॉपर्टीज द्वारा हासिल किया गया अब तक का सबसे अधिक तिमाही बुकिंग मूल्य है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु आवासीय बाजार में उसकी मजबूत उपस्थिति है।

भौतिक चकाचौंध व सोशल मीडिया से बढ़ रहे रिश्तों के कत्ल

योगेन्द्र योगी

पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। आखिर हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है। क्या तरक्की और स्वतंत्रता का यही पैमाना है? सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों का क्षरण का सिलसिला आखिर कहां जाकर थमेगा। इस बारे में गहन-चिंतन मनन की जरूरत है।

विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की सीख देने वाले भारत जैसे आध्यत्म और शांति की धरा वाले देश में बढ़ती भौतिक विलासिता की चकाचौंध और सोशल मीडिया का जिन्दगी में बढ़ता दखल, पारिवारिक-सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है। संबंधों में तकरार और फिर नृशंस तरीके से हत्या जैसे मामलों ने देश को झकझौर कर रख दिया है। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपुत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां के हुलीमावु क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। देश के अलग-अलग शहरों में हो रही ऐसी हत्याओं ने देश की जनता को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। आखिर ये सिलसिला कहां जकर थमेगा? इन घटनाओं ने सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया है कि आखिर यह देश किस दिशा में जा रहा है।

पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 फीसदी के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किया। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारवें मिनट में एक महिला या लड़की का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 फीसदी से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर। ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 फीसदी शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा ये भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 फीसदी पुरुषों का भी कत्ल होता है। अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है। ब्रिटिश मेडिकल जनरल लेनसेट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 60 फीसदी महिलाओं के कत्ल मौजूदा या फिर पूर्व पार्टनर की वजह से होती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में महिलाओं के कत्ल का सबसे ज्यादा खतरा उन्हीं के मौजूदा या पूर्व पार्टनर से ही होता है। जबकि पूर्व या मौजूदा महिला पार्टनर के हाथों पुरुषों के कत्ल का प्रतिशत सिर्फ साढ़े 6 फीसदी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक देश में हर साल कितने पति अपनी पत्नी का या पत्नी अपने पति का कत्ल करती हैं। एनसीआरबी के 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इश्क और रिश्तों में लोग अब जान नहीं देते बल्कि जान लेते हैं। भारत में जिन वजहों से सबसे ज्यादा कत्ल होते हैं। उनमें लव अफेयर और शादी के बाद संबंधों के मामलों में होने वाला कत्ल तीसरे और चौथे नंबर पर आता है। देश में होने वाले हर 10 में से औसतन एक कत्ल किसी ना किसी आशिक-माशूक या पति-पत्नी के हाथ से ही होता है।

आंकडों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए। ये तमाम कत्ल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती। परेशान करने वाली बात यह है कि इन 19 वजहों में से तीसरी और चौथी नंबर पर कत्ल की जो वजह बनी वो इश्क, धोखा, फरेब और शादी के बाद के संबंध थे। 28 हजार 522 कत्ल के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कत्ल इसी वजह से हुए। ऐसा नहीं है कि इश्क में पहले कत्ल नहीं हुआ करते थे। पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमंचे उठाए हैं। लेकिन 2010 के बाद से पति-पत्नी, इश्क, बेवफाई और अवैध संबंध की वजह से होने वाले कत्ल की तादाद तेजी से बढ़ी।

पिछले 15 सालों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो साफ पता चलता है कि जैसे जैसे सोशल मीडिया का चलन बढ़ा पति पत्नी के रिश्ते, शादी के बाद के संबंध और इश्क और खूनी होता चला गया। आंकड़ों के हिसाब से 2010 से 2014 के दरम्यान लव अफेयर और संबंधों की वजह से होने वाले कत्ल का प्रतिशत 7 से 8 फीसदी था। लेकिन 2015 से 2022 के दरम्यान ये बढ़कर 10 से 11 फीसदी हो गया। ये गिनती लगातार बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक 2022 में देशभर में खुदकुशी के कुल 17 हजार 924 केस दर्ज हुए थे। जिनमें से अकेले शादी से जुड़े मामलों में 8 हजार 204 पति या पत्नी ने खुदकुशी की। जबकि इश्क के चलते 7 हजार 692 प्रेमी जोड़ों में से किसी एक ने खुदकुशी कर ली। इसके अलावा अवैध संबंधों की वजह से भी 855 लोगों ने खुदकुशी की।

एनसीआरबी के अलावा नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के एक आंकड़ें के मुताबिक 4 फीसदी शादीशुदा महिलाओं ने ये माना है कि वो अपने पति को शारिरिक तौर पर चोट पहुंचाती है। इसी तरह स्टडी ऑफ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंस (आईआईपीएस) की एक रिपोर्ट के मुताबिक नौकरीपेशा महिलाएं जो पैसे कमाती हैं और मोबाइल का इस्तेमाल करती हैं, अपने पति से ज्यादा झगड़ती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं की जैसे जैसे उम्र बढती जाती है वो अपने पति से ज्यादा झगड? लगती हैं। जबकि पति के मामले में ये उल्टा है। पति की उम्र जैसे जैस बढ़ती है वो बीवियों से झगड़ा कम करने लगते हैं। आईआईपीएस की ये रिपोर्ट ये भी कहती है कि एकल परिवार में पति पत्नी के बीच हिंसक लड़ाई ज्यादा होती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर एक हजार पति में से 29 पति अपनी पत्नियों की हिंसा का शिकार होते हैं। जबकि एकल परिवार में यही आंकड़ा पत्नियों के लिए हर एक हजार में 32 है। वैसे पति पत्नी से जुड़े दर्ज कत्ल के मामलों के एक आंकड़े के मुताबिक 2022 में देशभर में पत्नी के हाथों पति के 220 कत्ल के मामले सामने आए थे। इसी दौरान पति के हाथों पत्नी के कत्ल के 270 से ज्यादा मामले सामने आए। फिलहाल 2025 की तो अभी शुरूआत है। वर्ष 2024 का आंकड़ा एनसीआरबी ने अभी जारी नहीं किया है। लेकिन रिपोर्ट होने वाले आंकड़े डरावने हैं और इन्हीं आंकड़ों को सच करके जब मुस्कान, साहिल, प्रगति, राकेश रौशन ना जाने ऐसे कितने ही नाम और ऐसी कितनी ही तस्वीरें सामने आती हैं तो अहसास करा जाती हैं कि अब मुहब्बत उस अहसास का नाम नहीं रहा जो कभी हर दिल में रहा करता था। सवाल यही है कि आखिर हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है। क्या तरक्की और स्वतंत्रता का यही पैमाना है? सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों का क्षरण का सिलसिला आखिर कहां जाकर थमेगा। इस बारे में गहन-चिंतन मनन की जरूरत है।

संपादकीय

महंगाई की दोहरी मार

दुनिया भर में शेयर बाजार के जबरदस्त तरीके से लुढ़कने के सदमे के दरम्यान ही सरकार ने जनता को घरेलू गैस सिलेंडर में पचास रुपये का इजाफा कर करारा झटका दिया। उपभोक्ताओं को इस वृद्धि के बाद प्रति सिलेंडर 853 या 879 रुपये देने होंगे जो अब तक क्रमशः दिल्ली में 803 रुपये या कोलकाता में 829 रुपये में मिल रहा था। उज्जवला योजना के तहत मिलने वाला 14.2 किग्रा. का सिलेंडर अब 553 रुपये में उपलब्ध होगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के अनुसार, आगे इस मूल्य वृद्धि की समीक्षा की जाएगी। अमेरिका-चीन के बीच छिड़े व्यापार युद्ध के चलते अप्रैल, 2021 के बाद कच्चे तेल की कीमतें सबसे निचले स्तर पर हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के बाद शेयर बाजार धड़ाम से गिरा है। निवेशकों में चीन समेत अन्य कई देशों के अमेरिका पर उल्टा नये टैरिफ की घोषणा से टैरिफ वॉर के गंभीर रूप लेने का डर बैठ गया है। इसका सीधा असर भारतेय बाजार पर भी दिखा है, जहां भय और अनिश्चितता के चलते बिकवाली की गहरी मार पड़ी। निवेशकों की घबराहट के बावजूद बाजार के गिरने का सिलसिला मंगलवार को थोड़ा थमता नजर आया। मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार के असर से घरेलू शेयर मार्केट का बचना नामुमकिन है। आर्थिक विशेषज्ञ इस ट्रेड वॉर को आर्थिक मंदी की आहट भी मान रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई की मार केवल भारतीय जनता ही नहीं झेल रही है, आम अमेरिकी भी खासा परेशान है। ट्रंप के निर्णयों के बाद अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों का दौर चालू हो चुका है। हालांकि अपने यहां आपसी असहमतियों से बिखरा विपक्ष इस मौके का लाभ लेने में कतई चूक रहा है। पेट्रोल-डीजल के खुदरा मूल्य के न बढ़ने की दलीलों के बावजूद आम उपभोक्ता जल्द ही दाम बढ़ने को लेकर पूरी तरह आशंकित है। जैसे पूर्व में गैस सिलेंडर के दाम दस-दस रुपये बढ़ते रहे हैं। बड़ा तबका अपने सीमित बजट में आसानी से समन्वय कर लेता है। मगर पचास रुपये आम निम्न मध्यवर्गीय की जेब पर पड़ने वाली मामूली राशि नहीं कही जानी चाहिए। वह भले ही छोटा निवेशक न हो पर कंपनियों की आय और मुनाफे पर पड़ रहे ट्रेड वॉर के असर से भी आम नागरिक नहीं बचने वाला। क्योंकि इसके कारण बढ़ी महंगाई के चपेटे में समूची दुनिया आ सकती है। सरकार को तत्काल विचार करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है। इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

भगवान महावीर - अहिंसा और आत्मबल का अमर संदेश

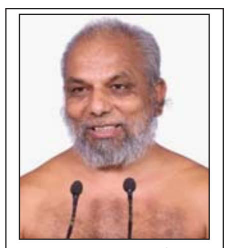

मुनि प्रमाणसागर जी

भारत की पुण्यभूमि ऋषियों, मुनियों और तपस्वियों की भूमि रही है। इस भूमि ने बार-बार ऐसे महामानवों को जन्म दिया जिन्होंने मानवता को नई दिशा और ऊँचाई दी। इन्हीं महामानवों में भगवान महावीर का नाम सर्वोपरि है। उनका जीवन, उनके विचार और उनकी साधना न केवल जैन समाज बल्कि समस्त मानव जाति के लिए पथप्रदर्शक हैं।

आज जब हम महावीर जयंती मना रहे हैं, यह केवल एक परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि केवल पूजा या उत्सव से नहीं, बल्कि उनके सिद्धांतों को जीवन में उतारने से ही सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित होती है।

भगवान महावीर का जीवनः तप, त्याग और आत्मोन्नति का पथ

भगवान महावीर का जन्म लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व वैशाली के गणराज्य में क्षत्रियकुंड नामक स्थान पर हुआ था। उनके पिता राजा सिद्धार्थ और माता त्रिशला देवी थीं। राजसी वैभव से युक्त जीवन उन्हें कभी बाँध न सका। आत्मा की मुक्तिपथ की पुकार ने उन्हें 30 वर्ष की अवस्था में ही घर-परिवार, सुख-संसार सब कुछ त्यागने को प्रेरित किया।

बारह वर्षों तक उन्होंने कठोर तप, ध्यान और मौन व्रत के साथ आत्मानुशासन का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। अंततः उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति हुई और वे भगवान महावीर कहलाए। उन्होंने समवसरण में बैठकर चार माह में अनेकों जनों को ज्ञान से आलोकित किया।

अहिंसाः केवल बाहरी नहीं, आंतरिक भी

भगवान महावीर ने सबसे पहले जिस सिद्धांत को जीवन का मूल बनाया, वह है - अहिंसा। परंतु उनकी अहिंसा केवल किसी को मारने से बचना नहीं थी, वह विचारों, वाणी और व्यवहार से भी हिंसा से बचने का आग्रह करती थी। वे कहते हैं:

जियो और जीने दो झ यह केवल एक नीति-वाक्य नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जीवन-दर्शन है।

आज के समाज में जब असहिष्णुता बढ़ रही है, कटुता और हिंसा विचारों से व्यवहार तक फैल रही है, तब भगवान महावीर की यह शिक्षा और भी प्रासंगिक हो जाती है। यदि हम अपने विचारों में भी संयम लाएँ, तो समाज में शांति और सहिष्णुता का वातावरण निर्मित हो सकता है।

आत्मबल की महिमा

भगवान महावीर ने हमें सिखाया कि मनुष्य अपने भीतर अपार शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहाः

खुद पर विजय सबसे बड़ी विजय है।

यह आत्मबल की प्रेरणा आज के युग में अत्यंत आवश्यक है, जब युवा वर्ग बाहरी आकर्षणों में उलझकर आत्मविस्मृति की ओर बढ़ रहा है। आत्मबल और आत्मविश्वास के साथ यदि व्यक्ति आगे बढ़े, तो वह असंभव को भी संभव बना सकता है।

अपरिग्रहः सीमित साधनों में संतोष

आज की उपभोक्तावादी संस्कृति ने हमारी आवश्यकताओं को लोभ में बदल दिया है। भगवान महावीर ने अपरिग्रह का सिद्धांत देकर सादगी, संतोष और आत्मनियंत्रण की शिक्षा दी। यह न केवल आत्मिक उन्नति का पथ है, बल्कि पर्यावरण-संरक्षण का भी आधार है।

यदि आज हम सभी सीमित संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना सीखें, तो प्रकृति भी प्रसन्न होगी और समाज में संतुलन बना रहेगा।

अनेकान्तवादः विचारों की विविधता में समरसता

भगवान महावीर ने 'अनेकान्तवाद' का सिद्धांत दिया, जो विचारों की विविधता को सम्मान देने की प्रेरणा देता है। वे कहते थे - एक ही सत्य को भिन्न दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है। यही कारण है कि वे स्याद्वाद का उपदेश देते हैं, जिसमें हर दृष्टिकोण को स्थान मिलता है।

आज के समय में जब विचारों की असहमति को शत्रुता समझा जाने लगा है, तब अनेकान्त का सिद्धांत सहिष्णु संवाद और समरसता की राह दिखाता है।

भगवान महावीर की शिक्षा और आज का समाज

भगवान महावीर के सिद्धांतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे किसी काल या क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं हैं। वे सार्वकालिक, सार्वदेशिक और सार्वमानविक हैं। उनका मूल संदेश है -

आत्मा ही परम मित्र और परम शत्रु है।

आज जब समाज बाहरी तड़क-भड़क में उलझकर भीतर की शांति खो चुका है, भगवान महावीर की शिक्षाएँ आत्मचिंतन और आत्मसाक्षात्कार का मार्ग खोलती हैं।

भगवान महावीर के सिद्धांतों को वर्तमान समाज में स्थापित करने का कार्य सतत रूप से किया जाना चाहिए। पदयात्रा और विहार के क्रम में मैंने पाया है कि लोगों के भीतर भगवान महावीर के विचारों को जानने और उन्हें अपनाने की गहरी आकांक्षा है। वे सत्य, अहिंसा और संयम के लिए सजग हैं झ बस उन्हें सही दिशा और प्रेरणा की आवश्यकता है।

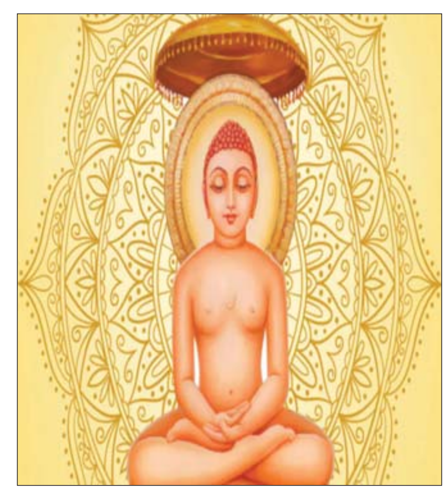

मेरा यह आग्रह है कि महावीर जयंती केवल एक तिथि नहीं, बल्कि हर मनुष्य के जीवन में नई क्रांति का अवसर बने।

निष्कर्ष

महावीर जयंती हमें केवल भगवान महावीर के जन्म की याद नहीं दिलाती, यह हमें यह सोचने को विवश करती है कि हम उनके सिद्धांतों को कितना जी पाए हैं। आज आवश्यकता है कि हम आडंबर से हटकर आत्मोत्थान की ओर बढ़ें।

यदि हम सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अनेकान्तवाद को जीवन में उतार लें, तो न केवल हमारा जीवन सुखी होगा, बल्कि सम्पूर्ण समाज में समरसता, शांति और सह-अस्तित्व की भावना भी पुष्ट होगी।

आइए, इस महावीर जयंती पर हम संकल्प लें -

हम केवल महावीर को पूजेंगे नहीं, महावीर को जिएंगे

मुद्दा : बढ़ती गर्मी में घटता जल

पंकज चतुर्वेदी

भारत के सबसे बड़े महानगरों में से एक मुंबई की प्यास बुझाने का दारोमदार जिन सात जलाशयों पर है, उनमें मार्च के चौथे हफ्ते में ही महज 37.67 प्रतिशत पानी बच रह गया। इन जलाशयों में फिलहाल 5 लाख 45 हजार 183 मिलियन लीटर पानी है।

दावा है कि यह जल बमुश्किल मई महीने तक चल पाएगा। हर दिन 400 करोड़ लीटर पेयजल की मांग वाले इस महानगर में समय से पहली आई गर्मी ने पानी का गणित बिगाड़ दिया है। गर्मी के कारण जलाशयों में वाष्पीकरण तेज हो गया है। इसलिए जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है।

देश के दूसरे संरक्षित जलाशयों के हालात भी मुंबई से बेहतर नहीं हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश के अधिकांश बड़े जलाशयों में पानी उनकी कुल क्षमता के मुकाबले 45% तक कम हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने मार्च से मई के बीच भीषण गर्मी की चेतावनी दी है, तीखी गर्मी यानी जमा जल का अधिक वाष्पीकरण। सीडब्ल्यूसी के अनुसार, देश के 155 प्रमुख जलाशयों में फिलहाल 8,070 करोड़ क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी बचा है, जबकि इनकी कुल क्षमता 18,080 करोड़ क्यूबिक मीटर है। जलाशय आरक्षित जल-कुंड हैं, जो खेती-किसानी की जान होते हैं। अभूत से कल-कारखाने भी इनके पानी पर निर्भर हैं। पेयजल तो है ही। यदि इन जलाशयों में पानी पर वाष्पीकरण की चोट गहरी हुई तो जान लें कि रबी और खरीफ के बीच तीसरी फसल लेने वाले खेत खाली ही रहेंगे। यदि जलाशय खाली, नदी सूखी तो बहुत सी जल विद्युत परियोजनाओं का ठप होना भी तय है। चिलचिलाती गर्मी में बिजली की कमी बड़े स्तर पर हाहाकार का न्योता है। संकट अकेले जलाशयों का नहीं है, नदियां भी समय से पहले सूख रही हैं। नदियों का सूखना अकेले पानी की कमी ही नहीं होता, इससे समूचे पर्यावरणीय तंत्र का नुकसान होता है। जमीन की नमी कम होने से ले कर जल-जंगल के जीव तक इससे प्रभावित होते हैं, और यह समूचा तंत्र जंगलों के नुकसान का कारण बनता है।

खून से लाल बस्तर की जीवन रेखा कहलाने वाली इंद्रावती नदी फरवरी के अंतिम हफ्ते में ही मैदान बन गई। बालाघाट की बावन थड़ी नदी हो या फिर अम्बिकापुर की बांकी नदी या बदायूं की सोत नदी, हर जगह जलधर की जगह रेत का मैदान है और लगता है कि नदी वास्तव में पानी के लिए नहीं, बल्कि बालू के लिए होती है। यह बात सीडब्ल्यूसी कह रहा है कि देश की 20 नदी घाटियों में से 14 में मौजूदा जल भंडार उनकी क्षमता के मुकाबले आधे से भी कम है। इन नदी बेसिनों में से गंगा अपनी सक्रिय क्षमता के मुकाबले मात्र 50 फीसद पर है, जबकि गोदावरी में 48, नर्मदा में 47 और कृष्णा में 34 फीसद पानी ही शेष बचा है। यह परिदृश्य भूजल के लिए सबसे बड़ा खतरा है और हमारे देश की अधिकांश ग्रामीण जल योजनाएं भूजल पर ही निर्भर हैं। बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ का ही परिणाम है कि बिहार की 90 फीसद नदियों में पानी नहीं बचा। कुछ दशक पहले तक राज्य की बड़ी नदियां-कमला, बलान, फल्गू, घाघरा आदि-कई-कई धाराओं में बहती थीं जो आज नदारद हैं। झारखंड की 141 नदियों के गुम हो जाने की बात फाइलों में दर्ज हो चुकी है। राज्य की राजधानी रांची में करमा नदी देखते देखते अतिक्रमण के घेर में मर गई। हरमू और जुमार नदियां नाला बना चुकी हैं। चतरा, देवघर, पाकुड़, पूर्वी सिंहभूम घने जंगल वाले जिले हैं, जहां कुछ ही सालों में सात से 12 नदियों की जल धारा मर गई।

यह सवाल हमारे देश में लगभग हर तीसरे साल खड़ा हो जाता है कि ह्यऔसत से कमह्ल पानी बरसा या बरसेगा, अब क्या होगा? देश के 13 राज्यों के 135 जिलों की कोई दो करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि प्रत्येक दस साल में चार बार पानी के लिए त्राहि-त्राहि करती है। अभी तक तो कम बरसात की आंशका होते ही दाल, सब्जी व अन्य उत्पादों के दाम बाजार में आसमानी हो जाते थे लेकिन अब बाजार पर सबसे अधिक असर गर्मी के आंकड़ों का है। इसके बावजूद बढ़ते तापमान के साथ पानी के इस्तेमाल की हमारी आदतें नहीं सुधर रहीं। असल में हमने पानी को ले कर अपनी आदतें खराब कीं। जब कुएं से रस्सी डाल कर पानी खींचना होता था या चापाकल चला कर पानी भरना होता था तो जितनी जरूरत होती थी, उतना ही जल उलींचा जाता था। घर में टोंटी वाले नल लगने और उसके बाद बिजली या डीजल पंप से चलने वाले ट्यूबवेल लगने के बाद तो एक गिलास पानी के लिए बटन दबाते ही दो बाल्टी पानी बर्बाद करने में भी हमारी आत्मा नहीं कांपती है। हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को स्थानीय स्तर पर सहेजने, नदियों के प्राकृतिक मार्ग में बांध, रेत निकालने, मलवा डालने, कूड़ा मिलाने जैसी गतिविधियों से बच कर, पारंपरिक जल स्त्रोतों-तालाब, कुओं, बावड़ी आदि के हालात सुधार कर, एक महीने की बारिश के साथ साल भर के पानी की कमी से जूझने की रही है। हम भूल जाते हैं कि प्रकृति पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है, और इस चक्र को गतिमान बनाए रखना हमारी महती जिम्मेदारी है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मैं किसी भी शादीशुदा इंसान को डेट नहीं करूंगी

अभिनेता जीवी प्रकाश ने पिछले साल अपनी पत्नी गायिका सैंधवी से तलाक ले लिया था। इस मामले को भी लोग अभिनेत्री दिव्याभारती से जोड़ रहे हैं, साथ ही दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें भी उड़ रही हैं। अभिनेत्री ने इन सब बातों पर चुप्पी तोड़ी और सभी को झूठा बताया है। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहा।

अभिनेत्री का इन मुद्दों से कोई संबंध नहीं

साउथ अभिनेत्री दिव्याभारती ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा है कि जानबूझकर उनका नाम किसी के निजी जीवन में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जीवी प्रकाश के पारिवारिक मामले से उनका कोई संबंध नहीं है। साथ ही अभिनेत्री ने लिखा कि वो कभी किसी अभिनेता को डेट नहीं करेंगी और किसी शादीशुदा इंसान को तो हरगिज नहीं। इसके अलावा अभिनेत्री ने स्टोरी में लिखा कि वह पहले तो इसका जवाब नहीं देना चाहती थी, लेकिन जब अफवाहें बढ़ने लगी तो उन्हें जवाब देना पड़ा।

वह एक स्वतंत्र महिला है

इसी पोस्ट में आगे बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि वह एक स्वतंत्र और मजबूत महिला हैं। साथ ही उन्होंने लोगों से नकारात्मकता फैलाने की बजाय सकारत्मकता पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही और अनुरोध किया कि उनका सम्मान किया जाए।

एक नजर मामले और अभिनेत्री की ओर जीवी प्रकाश ने पिछले साल अपनी पत्नी सैंधवी से 11 साल तक रिश्ते में रहने के बाद तलाक ले लिया था। अब इस मामले में लोगों का कहना है कि उनका रिश्ता टूटने के पीछे अभिनेत्री दिव्याभारती का हाथ है। साथ ही इन दोनों के अफेयर्स की अफवाहें भी उड़ाई जा रही हैं। हालांकि, आपको बतात चलें कि अभिनेत्री ने जीवी प्रकाश के साथ बैचलर और किंग्सटन जैसी फिल्मों में काम किया है।

खाकी के सेट पर घबरा गई थीं चित्रांगदा सिंह

चित्रांगदा सिंह की खाकी- द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज हाल ही में रिलीज हुई। सीरीज के रिलीज होने के बाद एक्ट्रेस ने शूटिंग के कुछ किस्से शेयर किए। उन्होंने कहा कि वह शूटिंग के समय 400 लोगों के सामने काफी नर्वस फील कर रही थीं। चित्रांगदा सिंह ने सेट के किस्से शेयर करते हुए कहा कि कुछ मोमेंट ऐसे हैं, जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने बताया, 'एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा चैलेंजिंग किरदारों को चुनती हूं। नॉर्मल किरदार निभाना कॉमिक बुक जैसा लगता है।'

एक सीन में 400 लोगों के सामने भाषण देना पड़ा

चित्रांगदा ने कहा कि निबेदिता बसाक की भूमिका निभाना मुश्किल था। एक स्पेशल सीन को करते हुए एक्ट्रेस को काफी घबराहट हुई। उन्होंने कहा, फिल्म के सेट पर मुझे करीब 400 लोगों के सामने भाषण देना था। इस सीन को विक्टोरिया मेमोरियल के ठीक सामने एक बड़े मैदान में शूट किया गया था। मैंने डायरेक्टर के साथ वैन में अपने भाषण की प्रैक्टिस की। लेकिन जैसे ही मैं स्टेज पर चढ़ी और रेडी टू रोल सुना, मुझे काफी घबराहट होने लगी और मैं कुछ सेकेंड के लिए फ्रिज हो गई थी। हालांकि, भीड़ की एनर्जी ने मुझे आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया। यह मोमेंट मुझे हमेशा याद रहेगा।

20 मार्च को रिलीज हुई थी वेबसीरीज

'खाकी- द बंगाल चैप्टर' नेटफ्लिक्स पर हिंदी और बंगाली में एक साथ स्ट्रीम होने वाली पहली हिंदी सीरीज है। इसमें चित्रांगदा सिंह, निबेदिता बसाक की भूमिका में नजर आ रही हैं। इनके अलावा जीत मदनानी, प्रोसेनजीत चटर्जी, परमब्रत चटर्जी भी लीड रोल में हैं। खाकी- द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज 20 मार्च 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। यह सीरीज 'खाकी- द बिहार चैप्टर' का स्टैंड अलोन सीक्वल है। इसको नीरज पांडे ने क्रिएट किया है।

जल्द ही एक्ट्रेस हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2 में दिखेंगी।

चित्रांगदा सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही 'हाउसफुल 5' में दिखेंगी। फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। फिल्म में चित्रांगदा और अक्षय कुमार के अलावा फरदीन खान, पूजा हेगड़े, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े, अभिषेक बच्चन के साथ जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, और सौंदर्या शर्मा भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पांच साल बाद पार्थ समथान की टीवी की दुनिया में वापसी!

अभिनेता पार्थ समथान को आखिरी बार 'कसौटी जिंदगी की सीजन 2' में देखा गया था। इस शो में वह एरिका फर्नांडिस के साथ नजर आए थे। अब वह टेलीविजन पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता कथित तौर पर सीआईडी 2 में दिखाई देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पार्थ सीआईडी 2 में अभिनय करेंगे। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में खबर आई की शिवाजी साटम (एसीपी प्रद्युमन) शो को अलविदा कहने वाले हैं। आगामी एपिसोड में उनकी मौत से जुड़ा दुखद मोड़ दिखाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पर अभी कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक लंबी छुट्टी का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सीआईडी की आगामी शूटिंग के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। पार्थ ने साल 2024 में आई फिल्म 'घुड़चढ़ी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इसके पहले वह कई सारे टीवी शो में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

अजय देवगन को भाया 'केसरी 2' का ट्रेलर

अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म 'केसरी 2' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की कहानी जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित है। इसमें अक्षय कुमार ने वकील शंकरन नायर की भूमिका निभाई है। जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के लिए जिम्मेदार ब्रिटिश अधिकारी रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर को कोर्ट में सजा दिलाने की नायर ठान लेते हैं। फिल्म 'केसरी 2' के ट्रेलर को देखकर दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस ट्रेलर की खूब तारीफ की है। साथ ही अभिनेता अजय देवगन ने भी फिल्म को सराहा है।

अक्षय की तारीफों के पुल बांध दिए

फिल्म 'केसरी 2' का ट्रेलर देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स अक्षय कुमार की तारीफ करते नहीं थके। एक यूजर ने लिखा, 'यह बिल्कुल भी बॉलीवुड फिल्म नहीं लगती है। फिल्म के किरदार बहुत ही कमाल के हैं। साथ ही शंकरन नायर की भूमिका में अक्षय से बेहतर कलाकार कोई हो नहीं सकता था। अच्छा लगा कि बॉलीवुड ने अपनी गलतियों से सीखा है और खुद को बेहतर बनाने पर काम किया है।' एक यूजर ने लिखा, 'अक्षय कुमार एक मास्टरपीस फिल्म लेकर आए हैं।' कई यूजर्स ने इस फिल्म को अक्षय कुमार का कमबैक तक कह दिया। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'केसरी 2' का ट्रेलर साझा किया है। साथ ही एक खास मैसेज भी लिखा है। अजय देवगन लिखते हैं, 'भगत सिंह की लड़ाई, संघर्ष सड़क पर था, ये लड़ाई कोर्ट रूम में है। इन दोनों ही चीजों ने इतिहास को बदल दिया। 'केसरी 2' के लिए मेरे दोस्त अक्षय कुमार और पूरी टीम को बधाई।' इस तरह अजय देवगन ने भी फिल्म 'केसरी 2' को सराहा है। फिल्म में अक्षय कुमार का किरदार शंकरन नायर एक सीन में ब्रिटिश अधिकारी डायर को एक डायलॉग बोलते हैं, 'द एंपायर की श्रिंकिंग'। यह डायलॉग फैंस को खूब भाया है। इस डायलॉग को सोशल मीडिया यूजर्स ने खूब पसंद किया है।

आर माधवन-अनन्या की भी तारीफ हुई

अक्षय कुमार के अलावा फिल्म 'केसरी 2' में आर माधवन और अनन्या पांडे भी वकील की भूमिका निभा रहे हैं। अक्षय के सामने आर माधवन चुनौती बनकर खड़े हैं। दोनों की टक्कर ट्रेलर में देखने लायक है। कई यूजर्स ने आर माधवन को भी सराहा है। एक यूजर लिखता है, 'आर माधवन का एंट्री सीन कमाल का है।' वहीं एक दूसरा यूजर लिखता है, ' आर माधवन के अलावा अनन्या भी फिल्म में अच्छी लग रही हैं। इस टॉपिक पर फिल्म बनाना बहुत बड़ी बात है।'

क्लोज और नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है हॉलिवुड बाहर वालों को नहीं घुसने देते

कहानी घर घर की, देश में निकला होगा चांद और बा बहू और बेबी जैसे मशहूर टीवी शोज की ऐक्ट्रेस श्वेता केसवानी करीब डेढ़ दशक पहले ये सारी शोहरत और पहचान को प्यार और परिवार के लिए छोड़कर सात समंदर पार एक नए देश न्यूयॉर्क में बस गईं। श्वेता का कहना है कि बाहर से आए कलाकारों के लिए हॉलिवुड में घुसना टेढ़ी खीर है।

आप भारत में एक मशहूर ऐक्ट्रेस थीं। ऐसे में, इंडिया छोड़कर न्यूयॉर्क में बसने और हॉलिवुड में हाथ आजमाने का फैसला कैसे किया? और यह सफर कैसा रहा?

साल 2010 में मैं न्यूयॉर्क में एक एक्टिंग कोर्स करने गई थी। वहां मैं अपने पति केन एंडीनो से मिली। पहले हम लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहे, मगर जब हमने साथ रहने का फैसला किया तो मैंने सोचा कि मैं वहां मूव करने का चांस लेती हूं, क्योंकि ऐसा नहीं था कि मुझे सिर्फ अफेयर करना था। मुझे अपना घर बनाना था। मैं अपना बच्चा चाहती थी और जब बच्चा होता है तो मां को एक ब्रेक लेना पड़ता है क्योंकि बच्चे को मां की जरूरत होती है। ऐसे में, मैंने सोचा कि एक नए मार्केट को एक्सप्लोर करने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि बेशक इंडिया में नाम था, पर सास-बहू के सीरियल ही चल रहे थे। जब मैं कोर्स करने आई थी तब टीवी में हम जैसे स्थापित एक्टर्स के लिए माहौल ठंडा था, क्योंकि नए चेहरे बहुत कम फीस पर काम कर रहे थे तो मेकर्स नए लोगों को चांस दे रहे थे। मुझे जो ऑफर मिल रहे थे, वे मुझे पसंद नहीं आ रहा थे तो मैंने सोचा कि अगर यूनिवर्स ने मुझे इस आदमी से मिलाया है तो कोई वजह होगी। हालांकि, हॉलिवुड में घुसने का सफर बहुत चैलेंजिंग था। मुझे इंडस्ट्री में रिलेशनशिप बनाने में ही 13 साल लग गए।

हॉलिवुड फिल्मों में आम तौर पर भारतीय एक्टर्स को छोटे-मोटे रोल या ड्राइवर-वर्कर जैसे कम आदमनी वाले किरदारों में ही कास्ट किया जाता है। आपका अनुभव क्या रहा है?

आपने बिल्कुल सही कहा। हॉलिवुड बहुत ही क्लोज, नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है। उनके गार्ड होते हैं, जो हॉलिवुड में नॉन हॉलिवुड के लोगों को घुसने नहीं देना चाहते। नॉन हॉलिवुड के जो भी लोग हॉलिवुड में आए हैं, उन्होंने बहुत ज्यादा मेहनत की है। यकीन मानिए, हॉलिवुड रूपी किले को भेदना मजाक नहीं है। रोल देते वक्त हमें सिर्फ एशियन डायस्पोरा के करैक्टर के लिए सोचा जाता है यानी सिर्फ साउथ एशियन नहीं, मिडिल इस्टर्न, नेटिव अमेरिकन, हम सबको एक एक ब्रैकेट में डाल दिया है, तो अगर कोई ब्राउन या नॉन अमेरिकन एक्टर चाहिए तब उन्हें हमारी याद आती है और इतने बड़े सागर, जिसमें जपान, कोरिया, भारत, नेटिव अमेरिकन, मिडिल ईस्ट, सब जगह के लोग हैं, उनमें से ऑडिशन होता है, तो मैं साल में 100 ऑडिशन करूं तो कहीं जाकर 2 बुकिंग मिलती है।

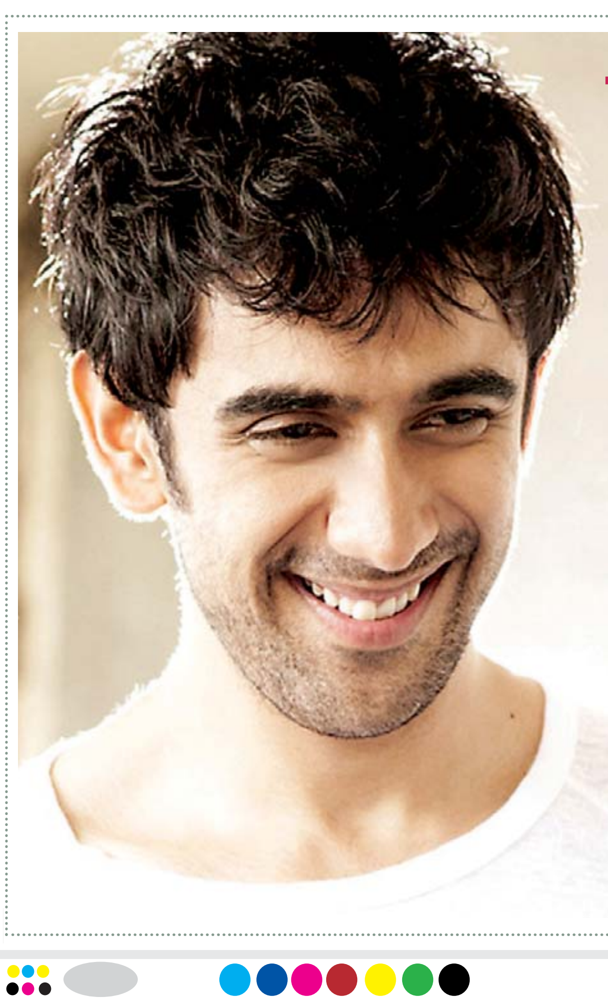

फिल्म न चलने पर ऑडियंस को दोष नहीं दे सकते

अमित साध इंडस्ट्री में जाना-माना नाम हैं। एक्टर अपने इंटेंस और एक्शन रोल के लिए जाने जाते हैं। अमित आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने कई जतन किए हैं। बहुत सारी चुनौतियों को झेला है। एक्टर का मानना है कि इंडस्ट्री हो या समाज इंसानियत पहले होनी चाहिए। उनकी कोशिश है कि वो अपने हिस्से की इंसानियत बराबर से निभा पाए।

अमित आप सुशांत सिंह राजपूत के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते थे। क्या आउटसाइडर एक्टर को जनता सपोर्ट नहीं करती है?

मैं इस बारे में बहुत सोचता हूं। जनता ने ऑलरेडी सबको बहुत कुछ दे रखा है। तो हर चीज जनता पर नहीं डाल सकते। अगर आपके घर में आग लगी हो तो आग बुझाने की ड्यूटी सबसे पहले घरवालों की होती है। न कि पड़ोसी की। वैसे ही अगर कोई एक्टर परेशान है, अकेला है तो पहला रोल इंडस्ट्री का होना चाहिए। इंडस्ट्री एक फैमिली है। अगर अपने ही अपने काम नहीं आए तो हम कौन होते हैं ऑडियंस को दोष देने वाले। मुझे लगता है कि हमें एक-दूसरे का ज्यादा ख्याल रखने की जरूरत है। एक-दूसरे के प्रति इतना गुस्सा, रंजिश या उसे इंसान को रिजेक्ट करना देना नहीं होना चाहिए।

सुशांत ने या आपने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है लेकिन ऑडियंस नहीं देखती। तो क्या जनता दोषी नहीं है?

ऐसे में मेरा मानना है कि अगर कोई फिल्म नहीं चली तो इसका दोष हम ऑडियंस पर नहीं डाल सकते। ऑडियंस बहुत बड़ा फैक्टर है लेकिन कई बार गणित सही नहीं बैठता है। पिक्चर अच्छी है या गंदी ये तय करने वाले भी हम कोई नहीं होते हैं। मान लीजिए, कोई फिल्म बनी, उसका एक वक्त था, उस फिल्म की किस्मत थी, उसमें वो फील था। दुनिया ने देखी और वो चल गई। अगली नहीं चली तो आगे बढ़ना चाहिए। कुछ और ट्राई करना चाहिए।

आपको नहीं लगता है कि ऑडियंस स्टार किड्स के बारे में जानने के लिए उत्सुक होती है? पैपराजी भी उन्हें ही फोकस करते हैं?

बिल्कुल नहीं। कोई ऑडियंस स्टार किड को जानने में उत्सुक नहीं होती। उनकी मार्केटिंग टीम आपको यकीन दिलाती है। जनता बहुत स्मार्ट है। जनता ये तय करती है कि उन्हें कौन सी फिल्म सिनेमा हॉल में देखनी है, कौन सी ओटीटी में और कौन सी पिक्चर नहीं देखनी है। जनता कंज्यूमर है और कंज्यूमर भगवान होता है। ऑडियंस नहीं होती तो इंडस्ट्री नहीं होती। ऑडियंस नहीं होती तो मेरे जैसा इंसान एक्टर नहीं बनता। मैं तो ऑडियंस से शिकायत ही नहीं कर सकता। उन्होंने तो मुझे सड़क से उठाकर यहां बिठा दिया है।

नेपोटिज्म पर आपकी क्या राय है?

मुझे तो लगता है कि हम सब नेपोटिज्म हैं। मेरी नजर में नेपोटिज्म कोई चीज आपको अपने मां-बाप से, कुदरत से, अपने आस-पास के माहौल से मिलना है। कुछ चीजों में आप आगे होते हैं। कुछ चीजों में कोई दूसरा बेहतर होता है। अगर मुझे कोई बोले 20 फीट से छलांग लगाने, मैं दो मिनट मैं कर दूंगा। अगर मुझे गन दोगे तो मैं सोल्जर बन जाऊंगा क्योंकि मैं हमेशा एक सोल्जर की तरह ट्रेन्ड हुआ हूं। ये मेरी नेपोटिज्म है। मार्केटिंग ने इस टर्म को गढ़ दिया है। सबको अपने हिस्से की खुशियां और स्ट्रगल मिलती है। चाहे आप सचिन तेंदुलकर के बेटे क्यों ना हो?

इस समय आपका एम्बिशन क्या है? ड्रीम रोल क्या है?

मेरे अंदर एम्बिशन नहीं काम को लेकर भूख है। ड्रीम रोल की बात करूं तो मुझे जो भी रोल मिलता है, उसमें अपना समर्पण देता हूं। उसे ही अपना ड्रीम रोल बना देता हूं। हालांकि, मैं फिल्मों में लॉयर की भूमिका निभाना चाहता हूं। मैं सुपरहीरो वाली फिल्म करना चाहता हूं। मैं कॉमेडी फिल्में करना चाहता हूं। ऑडियंस को एंटरटेनमेंट के साथ खुशी और रोमांच देना चाहता हूं।

फैंस का कोई मैसेज या तारीफ जो आपके दिल के करीब है और आप बताना चाहते हो?

जवाब- मेरे पास दो ऐसे किस्से हैं। 'काई पो चे' के वक्त मेरी एक फैंस मुझे मैसेज करके लड़ती थी कि आप इंटरव्यू में बोलते क्यों नहीं हैं? मैं भी उससे लड़ता और बताता था कि दूसरे एक्टर मुझे बोलने ही नहीं देते। तो वो कहती कि जब आपसे सवाल करते हैं, तब तो जवाब देना चाहिए। मैंने उससे बोला कि शायद मुझे बात करने नहीं आती, मैं कोशिश करूंगा। फिल्म 'सुल्तान' और 'ब्रीद' के बाद मैं थोड़ा बोलने लगा। इंटरव्यू में अपनी सोच बताने लगा। फिर उसका मैसेज आया कि अब मैं असली शेर को देख रही हूं।

अमित अपने आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए?

'पुणे हाइवे' करके मेरी एक फिल्म आ रही है। ये राहुल दा कुन्हा की प्ले पर आधारित मर्डर मिस्ट्री है। मेरे लिए ये फिल्म 'काई पो चे' है। इसमें भी तीन दोस्त हैं। इस पूरी फिल्म की वाइब भी 'काई पो छे' वाली ही है। तीन दोस्तों की कहानी है। फिल्म में ड्राई ह्यूमर है। दोस्ती और दुविधा साथ-साथ चलती है। जल्द ही इस फिल्म का प्रमोशन शुरू होगा। मेरी एक और फिल्म आ रही है 'प्रताप'। इसमें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है। मैं अपनी दोनों फिल्मों को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और कैपिटल्स में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुरुवार को आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीम अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक टक्कर होने की उम्मीद है। आरसीबी की टीम जहां अपने घरेलू मैदान में उतरेगी। वहीं कैपिटल्स इस सत्र में शीर्ष पर होने के कारण बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। आंकडों पर नजर डालें तो आरसीबी का पलड़ा भारी नजर आता है। दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो वहां ऋष्क्षका पलड़ा भारी नजर आ रहा है। बेंगलुरु और दिल्ली के बीच आईपीएल इतिहास में अब तक 12 मैच इस मैदान पर खेले गये हैं, जिसमें आरसीबी ने 7 मैच जीते हैं। कैपिल्स की टीम बेंगलुरु में आरसीबी के खिलाफ सिर्फ 4 मैच ही जीत पाई है।

इस मैच में प्रशंसकों को आरसीबी के अनुभवी बल्लेबजा विराट कोहली और रॉयल्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। अब देखना होगा कि इनमें कौन भारी पड़ता है। इस सत्र में अब तक दिल्ली का प्रदर्शन शानदार रहा है और उसने अपने तीनों मैच जीते हैं जबकि आरसीबी को चार में से तीन मैचों में जीत मिली है। दोनों टीमें अब तक हालातों के अनुसार खेलने में सफल रही हैं।

आरसीबी को एकमात्र हार इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस के हाथों मिली थी। वहीं दिल्ली कैपिटलस ने अब तक अपनी तीनो ही मैच जीते हैं। ऐसे में टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। इस मैच में विराट को स्टार्क के अलाव बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की गेंदबाजी का सामना करना होगा। इस सत्र में स्टार्क ने तीन मैचों में 11 की औसत से नौ विकेट लिए हैं जिससे पता चलता है कि वह लय में हैं। इसके बाद कुलदीप ने छह की इकॉनॉमी रेट से विकेट लिए हैं।

वहीं कैपिटल्स के कुलदीप किसी भी बल्लेबाज पर अंकुश लगा सकते हैं। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वह स्पिनरों के खिलाफ सफल भी रहे हैं। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान और स्पिनर अक्षर पटेल को अपनी ओर से बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। वह अब तक तीन मैचों में एक भी विकेट नहीं ले पाये हैं।

दूसरी कोर आरसीबी की बात करें तो उसके पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना करना कैपिटल्स के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। ये दोनो ही पावरप्ले में प्रभावी रहे हैं। इनका लक्ष्य दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को रन बनाने से रोकना होगा। राहुल अपने इस घरेलू मैदान पर खतरनाक साबित हो सकते हैं। इस मैच में दिल्ली को उम्मीद रहेगी कि बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी फिटनेस जांच में सफल होकर उतरें। इसके अलावा करुण नायर से भी टीम को अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव।

सचिन तेंदुलकर ने अंजलि संग हाथियों को खिलाया खाना, नन्हे प्रशंसकों से मिले

दिसपुर (असम) (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने बुधवार को असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की अपनी यात्रा के दौरान हाथियों को गन्ना खिलाया। 'मास्टर ब्लास्टर' ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अपने समय का आनंद लेना जारी रखा और अभयारण्य में मौजूद वन्यजीवों के साथ बातचीत की। उन्होंने हाथियों को गन्ना खिलाया और फिर जीप सफारी का आनंद लिया। गौरतलब है कि मंगलवार को तेंदुलकर काजीरंगा नेशनल पार्क में जीप सफारी पर निकले और एक नन्हे प्रशंसक से मिले। सफारी की सवारी के दौरान, उन्होंने एक नन्हे प्रशंसक से मुलाकात की और उससे हाथ मिलाया।

'क्रिकेट के भगवान' के नाम से मशहूर तेंदुलकर के नाम अभी भी टेस्ट और वन-डे इंटरनेशनल (ODI) में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है और उन्होंने 100 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाए हैं। अपने असाधारण कौशल और क्रिकेट में महारत के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने 1989 से 2013 तक दुनिया भर के प्रशंसकों का मनोरंजन किया। मुंबई में जन्मे इस क्रिकेटर ने 15 नवंबर, 1989 को सिर्फ 16 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और उसी साल 18 दिसंबर को अपना पहला वनडे खेला। 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 48.52 की औसत से कुल 34,357 रन बनाए और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। उनके 100 शतक और 164 अर्धशतक खेल के इतिहास में बेजोड़ हैं।

धोनी आईपीएल में 150 कैच पकड़ने वाले पहले विकेटकीपर बने

मोहाली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में भले ही हार का सामना करना पड़ा है पर उसके अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने एक नया रिकार्ड बना दिया। इस मैच के दौरान धोनी आईपीएल इतिहास में विकेट के पीछे सबसे पहले 150 कैच पकड़ने वाले विकेटकीपर बन गए हैं। इस सूची में दूसरा नाम दिनेश कार्तिक का है। धोनी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर नेहल वढेरा का कैच पकड़ते ही आईपीएल में अपना 150 वा कैच पकड़ा। वह आईपीएल में ये आंकड़ा हासिल करने वाले पहल खिलाड़ी हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे कार्तिक के नाम 137 कैच हैं। तीसरे नंबर पर रिद्धिमान साहा हैं, जिन्होंने 87 कैचों लिए हैं। वहीं चौथे नंबर पर ऋषभ पंत हैं। उनके नाम 76 कैच जबकि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर रिकी पोंटिंग के नाम 66 कैच हैं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ धोनी बल्लेबाजी के लिए पांचवे नंबर पर उतरे और उन्होंने 12 गेंदों में ही 27 रन बना दिया। इस पारी के दौरान उन्होंने एक चौका और 3 छक्के लगाये। उनका स्ट्राइक रेट 225 का था। इससे पहले के मैचों में वह आठवें या नौवे नंबर पर उतर रहे थी जिसपर प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी थी।

आईसीसी रैंकिंग: ब्रेसवेल ऑलराउंडरों की सूची में पांचवें नंबर पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ब्रेसवेल को पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। उनकी कप्तानी में कीवी टीम ने तीसरे वनडे में भी पाकिस्तान को हराकर 3-0 से सीरीज पर कब्जा किया। ब्रेसवल अब 246 रेटिंग अंकों के साथ ऑलराउंडरों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे वह अपनी ही टीम के मिशेल सेंटनर के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गये हैं। अंतिम एकदिवीसय में 6ठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए इस ऑलराउंडर ने 40 गेंदों में एक चौके और छह छक्कों सहित 59 रन बनाये। ब्रेसवेल ने गेंदबाजी के दौरान एक विकेट भी लिया।

इस सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए कीवी खिलाड़ी बेन सियर्स को रैंकिंग में लाभ मिला है और व 12 स्थान ऊपर आकर र 89वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सीयर्स ने एकदिवसीय सीरीज में तीन मैचों में कुल 10 विकेट लिए जिससे वह गेंदबाजी रैंकिंग में 64 पायदान पर पहुंचे हैं।

वहीं नंबर एक स्थान पर भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल बने हुए हैं। शुभमन का हाल में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। वहीं पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम दूसरी जबकि भारत के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान को अच्छी बल्लेबाजी के कारा दो स्थान का लाभ मिला है और वह 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पीएसएल में सईम अयूब और फखर जमां वापसी के लिए तैयार

कराची । चोटों से उबरने के बाद पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सईम अयूब और फखर जमां पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में वापसी करने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक सूत्र ने पुष्टि की कि इन दोनों बल्लेबाजों को बोर्ड के मेडिकल पैनल ने 11 अप्रैल से शुरू होने वाले पीएसएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौटने के लिए मंजूरी दे दी है। सईम ने जनवरी की शुरुआत से ही कोई मैच नहीं खेला है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन में दूसरे टेस्ट के पहले दिन क्षेत्ररक्षण के दौरान उनके टखने में फैक्चर हो गया था। जमां चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में चोटिल हो गए थे। सूत्र ने कहा कि सईम इस्लामाबाद में पेशावर जाल्मी जबकि फखर लाहौर कलंदर्स की टीम से जुड़ गए हैं। बता दें कि चोटिल होने के कारण ये दोनों खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे।

आईपीएल अंक तालिका में सीएसके को हुआ नुकसान, सुपर जायंट्स को लाभ

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग के खिलाफ मिली हार के बाद अंक तालिका में हल्का बदलाव आया है। सीएसके अब नौवें स्थान पर खिसक गयी है। वहीं एक अन्य मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली जीत के बाद एक स्थान का लाभ हुआ है। पंजाब किंग्स ने इस सत्र में तीसरा मैच जीता पर वह अभी भी चौथे पायदान पर ही है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) दूसरे जबकि गुजरात टाइटन्स है तीसरे व दिल्ली कैपिटल्स पहले नंबर पर है। शीर्ष पांच में शामिल सभी टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं पर नेट रन रेट के कारण पंजाब की टीम इस समय चौथे पायदान पर फिसल गयी है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स एक और जीत के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। लखनऊ के भी 6 अंक हैं पर नेट रन रेट अच्छा नहीं हैं। नंबर 6 पर पहुंची केकेआर के खाते में 4 अंक हैं, उसने 5 में से 2 मुकाबले जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने भी दो मुकाबे जीते हैं पर रॉयल्स ने चार मैच खेले हैं, इसलिए टीम सातवें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस पांच में से चार मुकाबलों में मिली हार से आठवें नंबर पर जबकि सीएसके नौवें नंबर पर है। दसवें स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है।

द्रविड़ को नहीं पसंद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम, ऑलराउंडरों की कमी होगी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड ने आईपीएल में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को लेकर सवाल उठाये हैं। द्रविड़ के अनुसार जब वह भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच थे तभी से उन्हें आईपीएल में 'इम्पैक्ट प्लेयर' अच्छा नहीं लगता है। द्रविड़ ने कहा कि उन्होंने इस नियम के लाभ की बात सुनी है पर इससे आने वाले समय में अच्छे ऑलराउंडरों की कमी हो जाएगी। द्रविड़ से पहले भी कई दिग्गजों ने इस नीयम की आलोचना की थी। इम्पैक्ट प्लेयर नियम आईपीएल 2023 में पेश किया गया था। इसके बाद से ही ऑलराउंडरों की जगह विशेषज्ञ खिलाड़ी की मांग बढ़ने लगी। द्रविड़ ने कहा, 'जब मैं भारतीय टीम का कोच था, मुझे मुझे इम्पैक्ट प्लेयर नियम खास पसंद नहीं था। इसका ये अर्थ नहीं है कि यह खेल को अधिक

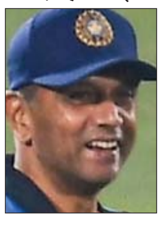

प्रतिस्पर्धी नहीं बनाता। यह निश्चित रूप से बनाता है। यह मैचों को अंत तक जीवंत बनाये रखता है हालांकि राष्ट्रीय टीम के हिसाब से ये अलग प्रकार की परेशानी पैदा करता है।卐 वहीं एक कोच का लक्ष्य बेहतर ऑलरांउडर तैयार करना रहता है पर ये नियम उसमें आड़े आता है। उन्होंने साथ ही कहा कि पहले जब दोनों टीम के 11 खिलाड़ी खेलते थे तो उस प्रारुप में कुछ खिलाड़ियों को अलग अलग हालातों में बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने का ज्यादा अवसर मिलता था पर इम्पैक्ट प्लेयर नियम ने इसमें बदलाव किया है। इस नियम के कारण टूर्नामेंट में बड़े बड़े स्कोर देखने को मिल रहे हैं। कई टीमें 200 से अधिक रन बना रही हैं। इसी कारण आईपीएल इतिहास के बड़े स्कोर देखने में आये हैं। इसका कारण है कि टीमों के पास एक अतिरिक्स विशेषज्ञ बल्लेबाज होता है। इसका मतलब है कि कोई भी टीम वास्तव में खेल से बाहर नहीं होती क्योंकि उसके पास नौवें नंबर तक एक बल्लेबाज रहता है।' इससे पहले कई अन्य पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों ने भी इस नियम की आलोचना करते हुए कहा था कि इससे ऑलराउंडरों के लिए टीम में जगह हासिल करने के अवसर कम होंगे।

नेहरा ने मुश्किल समय में खुश रहने की सीख दी: ऋषभ पंत

कोलकाता (एजेंसी)। साल 2022 में हुए भयानक कार हादसे के बाद आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत के जीवन और करियर में सबसे बड़ी प्रेरणा पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा की सलाह बनी। पंत ने कहा कि नेहरा ने मुश्किल समय में उन्हें खुश रहने की सीख दी, जिसने उन्हें मानसिक रूप से काफी मजबूती दी। उन्होंने कहा, आशीष नेहरा मेरे क्लब के सीनियर हैं। वह मुझसे मिलने आए और बोले कि तुम्हें बहुत चोट लगी है, लेकिन अब तुम बस एक ही काम कर सकते हो - खुद को खुश रखो। पंत ने बताया कि यह सलाह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद कारगर साबित हुई। पंत के मुताबिक चोट के बाद का समय उनकी जिंदगी का सबसे कठिन दौर था। क्रिकेट से दूर रहना, खुद से ब्रश तक न कर पाना, और हर छोटे-छोटे काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहना उन्हें भीतर तक झकझोर गया।

उन्होंने कहा, मैं दिन-रात क्रिकेट खेलता था और अचानक एक जगह बैठ जाना मेरे लिए बेहद मुश्किल था।

मुझे स्वीकार करना पड़ा कि यह एक-दो दिन में ठीक नहीं होगा। खुद को संयम में रखा और नकारात्मक सोच से दूर रहा। इस हादसे ने पंत का जीवन और खेल के प्रति नजरिया पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने कहा, जीवन के प्रति नजरिया बदला तो खेल को देखने का नजरिया भी बदल गया। अब मुझे महसूस होता है कि हर दिन जागना, चलना, ब्रश करना जैसी सामान्य चीजें भी कितनी कीमती होती हैं। हम इन्हें हल्के में ले लेते हैं, लेकिन ये बहुत महत्वपूर्ण हैं। एक समय पर क्रिकेट में सफलता को रन और रिकॉर्ड से मापने वाले पंत अब जीवन को सफलता का असली पैमाना मानते हैं।

उन्होंने कहा, हर दिन सफल होना जरूरी नहीं, लेकिन खुद को हर हाल में आगे बढ़ाने का जज्बा होना चाहिए। आईपीएल की बात करें तो लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछले साल मेगा नीलामी में पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदा और उन्हें कप्तानी सौंपी, जिससे यह साफ हुआ कि मुश्किलों के बाद भी वह टीमों के लिए भरोसे का नाम हैं। मालूम हो कि 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली-देहरादून मार्ग पर ऋषभ पंत की कार भीषण हादसे का शिकार हो गई थी। कार में आग लग गई थी और पंत को गंभीर चोटें आई थीं। इसके बाद उन्हें कई सर्जरी से गुजरना पड़ा और करीब एक साल तक रिहैबिलिटेशन में रहना पड़ा।

हैरी ब्रूक को वनडे और टी20 टीम का नया कप्तान नियुक्त

लंदन । इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बल्लेबाज हैरी ब्रूक को इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम का नया कप्तान नियुक्त किया। ब्रूक को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में सौंपी गई है जब इंग्लैंड की सीमित ओवरों की क्रिकेट में पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह बदलाव उस वक्त आया जब जोस बटलर ने आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में इंग्लैंड के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। ब्रूक इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा जनवरी 2022 से हैं और वह पिछले

एक वर्ष से उपकप्तान की भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले भी जोस बटलर की अनुपस्थिति में कप्तानी का अनुभव हासिल किया है। उन्होंने पिछले साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में इंग्लैंड की कप्तानी की थी। ब्रूक ने अब तक 26 वनडे मैचों में 34.00 की औसत से 816 रन बनाए हैं, जिसमें 110 रन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 44 मैचों में भाग लिया है और कई अहम पारियां खेली हैं। ब्रूक 2022 की टी20 वर्ल्ड कप विजेता इंग्लिश टीम का हिस्सा भी रहे हैं। उन्होंने अपने कप्तान बनाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इंग्लैंड की कप्तानी उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा, 'जब से मैं यॉर्कशर की ओर से खेलने लगा, तभी से यह सपना देखा था कि एक दिन इंग्लैंड का नेतृत्व करूंगा। आज वह सपना पूरा हो गया है।' दिलचस्प रूप से, ब्रूक को 2024 की आईपीएल नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा था, लेकिन उन्होंने 2025 में टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया ताकि इंग्लैंड के लिए अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर सकें। इसके परिणामस्वरूप, उन्हें दो वर्षों के लिए आईपीएल से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ईसीबी के प्रबंध निदेशक रॉब की ने ब्रूक की नियुक्ति पर कहा कि वह पहले से उत्तराधिकार योजना का हिस्सा थे, लेकिन परिस्थितियों के कारण उन्हें जल्द जिम्मेदारी सौंपी गई है।

श्रेयस, रविंद्र और डफी आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ अवार्ड की दौड़ में शामिल

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और जैकब डफी के साथ मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर पुरस्कार के लिये नामांकित किया है। श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से शानदार रहा है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उसमें अय्यर ने पांच मैचों में दो अर्धशतकों की सहायता से 243 रन बनाये थे।

आईसीसी ने कहा, ''इस बल्लेबाज ने तीन एकदिवसीय में 57.33 की औसत से 172 रन बनाये और टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये। भारतीय टीम की खिताबी जीत में भी श्रेयस की अहम भूमिका रही। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए के मैच में 79 रन बनाये और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 रन बनाये। इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 48 रन भी बनाये।'' विश्व क्रिकेट की शीर्ष संस्था के अनुसार श्रेयस की

पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने और साझेदारियां बनाने की क्षमता काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन ने कीवी टीम की ओर से चार मैचों में दो शतक सहित 263 रन बनाये और तीन विकेट भी लिये जबकि डफी ने मार्च में 6.17 की इकॉनामी रेट से 13 लिए। वहीं महिला क्रिकेट की बात करें तो सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड, अमेरिका की चेतना प्रसाद और ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शामिल हैं।

मुंबई इंडियंस के पावरप्ले प्रदर्शन को लेकर चिंतित दिख रहे माहेला जयवर्धने

मुंबई । मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने टीम के पावरप्ले प्रदर्शन को लेकर चिंता जाहिर की है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 12 रन की हार के बाद जयवर्धने ने कहा कि पावरप्ले में टीम का खेल, चाहे गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी हो फीका रहा। उन्होंने बताया कि शुरुआती ओवरों में हमारे गेंदबाज लगातार रन लुटा रहे हैं और अहम मौकों पर अनुशासन भी कम दिखाता है। सोमवार को पहले ही ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने विकेट लिया, लेकिन उसके बाद कोहली और पडिक्कल ने जवाबी हमला कर सिर्फ छह ओवर में 73 रन बना दिए, जिसमें दीपक चाहर का 20 रन का महंगा ओवर निर्णायक साबित हुआ। यह वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ अब तक का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर था। गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी टीम शुरुआती झटकों से परेशान है। लक्ष्य का पीछा करने उतारी मुंबई ने चार ओवर में दो विकेट गंवाए और पावरप्ले खत्म होने तक स्कोर 54/2 रहा। मौजूदा सीजन में पावरप्ले में मुंबई ने कुल 10 विकेट गंवाए हैं। कोच जयवर्धने ने कहा कि टीम ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन शुरुआत को बरकरार नहीं रख सके। टीम ने जल्दी विकेट खोए और फिर गति खो दी। इसके बाद बीच में कुछ बड़े ओवर जरूर आए, लेकिन पहले दस ओवरों में हम मैच में नहीं थे।

कैसे आईपीएल ने बदल दिया पूरा क्रिकेट करियर, पहली बार बोले विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि उनका मूल सिद्धांत अहंकार पर काबू रखते हुए मैच की परिस्थितियों के हिसाब से बल्लेबाजी करना है। मौजूदा दौर के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक कोहली ने हाल ही में एक और उपलब्धि हासिल की। वह टी20 प्रारूप में 13000 रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। कोहली ने कहा कि यह (बल्लेबाजी) कभी अहंकार के बारे में नहीं है। यह कभी किसी को मात देने की कोशिश नहीं है। मेरे लिए यह हमेशा खेल की स्थिति को समझने के बारे में रहा है। यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे हमेशा गर्व है। मैं परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि अगर मैं लय में होता हूं तो मैं स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी उठाने की पहल करता। अगर कोई और बेहतर तरीके से खेल रहा होता है तो वह ऐसा करता है।

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक और रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 256 मैचों में 8 शतकों के साथ 8168 रन बनाए हैं। इस 36 साल के खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने 2011 सत्र के बाद से इस प्रारूप की जरूरतों को समझ लिया। उन्होंने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने पहले तीन वर्षों में मुझे शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने के मौके नहीं मिले। मुझे आमतौर पर निचले क्रम में भेजा जाता था। ऐसे में मैं उस दौरान आईपीएल में बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो पाया।

कोहली ने कहा कि मैंने साल 2010 से अच्छा प्रदर्शन करना शुरू किया और 2011 से नियमित तौर पर तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने लगा। तब से मैंने निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन किया है। कोहली ने स्वीकार किया कि लीग में 18 साल बिताने से उन्हें क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अपने कौशल को निखारने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि आईपीएल आपको बहुत ही अनोखे तरीके से चुनौती देता है क्योंकि इस लीग की संरचना काफी अगल है। यह एक छोटी द्विपक्षीय श्रृंखला की तरह नहीं है, यह कई हफ्तों तक चलता है और अंक तालिका में आपकी स्थिति बदलती रहती है। लगातार बदलते परिदृश्य से अलग-अलग तरह के दबाव आते हैं। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट से आपको मानसिक और प्रतिस्पर्धी रूप से कई तरीकों से आगे बढ़ाने की चुनौती मिलती है जो अन्य प्रारूपों में नहीं होती। इसने मुझे अपने टी20 कौशल को लगातार सुधारने और विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका : 14 जून को भव्य सैन्य परेड आयोजित करने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार इस गर्मी में वाशिंगटन में एक भव्य सैन्य परेड आयोजित करने के बारे में चर्चाएं कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह एक पुराना सपना रहा है। वॉशिंगटन डीसी के मेयर म्यूरियल बाउजर ने सोमवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने वाशिंगटन से बात की है और 14 जून को वर्जीनिया के अरलिंगटन से वॉशिंगटन तक एक परेड आयोजित करने की योजना बनाई है। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, सेना अपनी स्थापना को 250 साल पूरे होने के मौके पर 14 जून को आयोजित होने वाले महोत्सव में एक परेड जोड़ने पर विचार कर रही है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि चर्चाएं अभी शुरुआती चरण में हैं और कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। 14 जून को ट्रंप का 79वां जन्मदिन भी है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि कोई सैन्य परेड तय नहीं की गई है।

ज्वालामुखी फटने से चार किलोमीटर इलाके में फैली राख

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में एक अशांत ज्वालामुखी के फटने से चार किलोमीटर इलाके में राख फैल गई। इसके चलते प्रशासन को स्कूल बंद करने का आदेश देना पड़ा। हालांकि ज्वालामुखी फटने से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ज्वालामुखी विस्फोट फिलीपींस के अशांत माउंट कानलोन ज्वालामुखी में हुआ। इससे पहले बीते साल दिसंबर में भी इस ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ था, जिसके चलते इसके आसपास रहने वाले हजारों लोगों को वहां से निकालना पड़ा था। अब फिर से ज्वालामुखी के फटने पर प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और ज्वालामुखी के आसपास के छह किलोमीटर इलाके में न जाने की सलाह दी है।

अमेरिका के विदेश मंत्री ने पाकिस्तानी समकक्ष से की बात, अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियारों पर चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अफगानिस्तान से 2021 में पूर्ण वापसी के दौरान छोड़े गए अमेरिकी सैन्य उपकरणों को लेकर पाकिस्तान से बात की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, रुबियो ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से एक फोन पर बातचीत की। रुबियो और डार के बीच हुई इस बातचीत में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा, और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की गई। इस दौरान डार ने पाकिस्तान की अमेरिका के साथ साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई और व्यापार, निवेश और आतंकवाद-रोधी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया। रुबियो ने कहा कि अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी सैन्य उपकरणों के मुद्दे को हल करने की आवश्यकता पर है। उन्होंने कहा कि भविष्य में दोनों देशों के संबंधों में व्यापार और निवेश एक प्रमुख बिंदु होंगे, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में।

अमेरिका में फिर हादसा ; रनवे से फिसलकर पानी में जा गिरा कॉरपोरेट विमान, बाल-बाल बचे लोग

नॉर्थ बेंड (ओरेगन), एजेंसी। अमेरिका में एक और विमान हादसे का शिकार हो गया। गनीमत रही कि विमान में सवार यात्रियों की जान बच गई। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को दक्षिणी ओरेगन में एक छोटा कॉरपोरेट विमान रनवे से फिसलकर पानी में जा गिरा। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर पोस्ट में एयरपोर्ट ने बताया कि विमान साउथवेस्ट ओरेगन रीजनल एयरपोर्ट के नॉर्थ बेंड में रनवे से फिसल गया और कूस बे में जा गिरा। हादसा सोमवार सुबह 6:15 बजे हुआ। एयरपोर्ट ने बताया कि विमान में सवार पायलट और चार यात्रियों को बचा लिया गया है, उन्हें अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल सभी की हालत स्थिर है। एयरपोर्ट ने बताया कि सोमवार शाम को दो लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एक को भर्ती कराया गया है, जबकि दूसरे की अभी भी जांच की जा रही है। बताया गया कि पांचवें व्यक्ति को आगे के इलाज के लिए इलाके से बाहर अच्छे अस्पताल में भेज दिया गया है। एयरपोर्ट ने बताया कि 2019 होंडा एचए-420 को नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद पानी से निकाला गया। विमान सेंट जॉर्ज, यूटा से ओरेगन आ रहा था।

इस्राइल पर पत्रकार की हत्या का आरोप, गाजा में अस्पताल के बाहर हुआ हमला

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया बीते डेढ़ साल से अधिक समय से अशांति की मार झेल रहा है। इस्राइल पर मीडिया सेंटर पर हमला कर पत्रकार की हत्या करने का आरोप लगा है। इस्राइल ने गाजा पट्टी में दो प्रमुख अस्पतालों के बाहर टेंटों पर रात भर हमला किया, जिसमें एक स्थानीय रिपोर्टर सहित दो लोगों की मौत हो गई और छह रिपोर्टरों सहित नौ अन्य घायल हो गए। अस्पतालों के अनुसार, पूरे क्षेत्र में अलग-अलग हमलों में 15 अन्य लोग भी मारे गए। खान यूनिस में नासिर अस्पताल के बाहर इस्राइली सेना ने मीडिया टेंट पर हमले में फलस्तीन टुडे के रिपोर्टर यूसुफ अल-फकावी की मौत हुई। हमले में छह रिपोर्टर घायल हो गए। इस्राइली सेना ने कहा, उसने हमास के एक लड़ाके पर हमला किया, लेकिन कोई और जानकारी नहीं दी। सेना ने कहा, हमास आवासीय क्षेत्रों में गहराई से घुसा हुआ है, इसलिए आम लोग चपेट में आ जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने दी चीन पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है, जिससे कुल टैरिफ उत्पादों के मूल्य से भी अधिक हो जाएंगे। साथ ही, वे दुनिया भर के देशों पर बराबरी का टैक्स लगाने की अपनी नीति को और मजबूती दे रहे हैं। उन्होंने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर चीन ने 8 अप्रैल 2025 तक अपने 34 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि को वापस नहीं लिया, तो अमेरिका 9 अप्रैल से चीन पर 50त्न अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह बीजिंग के साथ शुल्कों पर किसी भी बातचीत को खत्म कर देंगे। अन्य शुल्कों के साथ मिलकर, कुल टैरिफ 104 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

अगर अमेरिका-चीन टैरिफ विवाद में कोई भी पक्ष पीछे नहीं हटा, तो आयातित उत्पादों की कीमत से अधिक शुल्क का अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बुरा असर पड़ सकता है, जो रोजमर्रा की कई चीजों के लिए चीन पर निर्भर हैं। ट्रंप का यह बयान चीन के उस ऐलान के जवाब में था, जिसमें उसने अमेरिकी आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। पारस्परिक शुल्कों में किसी भी रुकावट से इनकार करते हुए ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हम इस पर विचार नहीं कर रहे हैं।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा, मुझे इससे गुजरने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि मुझे अंत में एक खूबसूरत तस्वीर दिखाई देती है। ट्रंप की धमकियों के बीच अमेरिकी शेयर बाजारों ने पिछले हफ्ते अपनी तेज गिरावट को रोका, जिसमें नैस्डैक ने सोमवार को 0.1 प्रतिशत की मामूली बढ़त हासिल की, जबकि व्यापक एसएंडपी इंडेक्स में केवल 0.23 प्रतिशत की गिरावट आई। कुछ समय के लिए एक सकारात्मक संकेत दिखा, जब यह अफवाह थी कि पारस्परिक टैरिफों पर 90 दिन की रोक लगेगी, तब एसएंडपी 3.4 प्रतिशत ऊपर था, लेकिन व्हाइट हाउस द्वारा इसे खारिज किए जाने से पहले एसएंडपी में गिरावट आई। ट्रंप ने जोर देकर कहा, हम बहुत से देशों के साथ जबरदस्त प्रगति कर रहे हैं और जिन देशों ने वास्तव में हमारा फायदा उठाया है, वे अब कह रहे हैं, कृपया बातचीत करें। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि टोक्यो बातचीत के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। विदेश विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत में भारत पर पारस्परिक टैरिफ और निष्पक्ष और संतुलित व्यापार संबंधों की दिशा में प्रगति कैसे करें पर चर्चा की। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने अमेरिका को शून्य के बदले शून्य का सौदा पेश किया, जिसमें औद्योगिक सामानों, जैसे कारों पर टैरिफ खत्म करने की पेशकश की।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, हम हमेशा एक अच्छे सौदे के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी, हम जवाबी उपायों के साथ जवाब देने के लिए भी तैयार हैं और व्यापार में बदलाव से होने वाले अप्रत्यक्ष प्रभावों से खुद को बचाने के लिए भी तैयार हैं। रिपोर्टों के अनुसार, यूरोपीय संघ दो चरणों में अपने स्वयं के पारस्परिक टैरिफ लगाएगा, एक अगले सप्ताह और दूसरा मई में। दो रिपब्लिकन सीनेटरों माइक ली और रॉन जॉनसन ने ट्रंप से एक्स पोस्ट में इस डील को स्वीकार करने का आग्रह किया। हालांकि, इजरायल के लिए कोई टैरिफ रियायत की घोषणा नहीं की गई, लेकिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल उनके देश के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे को खत्म कर देगा और सुझाव दिया कि यह अन्य देशों के लिए एक मॉडल होगा।

वेस्ट बैंक में इजरायल ने अमेरिकी मूल के किशोर को गोलियों से भूना, हत्या के बाद बता दिया आतंकी

वेस्ट बैंक, एजेंसी। इजरायली हमलों से खौफजदा वेस्ट बैंक में एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इजरायली सेना ने एक 14 वर्षीय अमेरिकी मूल के किशोर को गोलियों से भून दिया। रविवार शाम टुरमुस अय्या के पास हुई इस फायरिंग में दो और किशोर घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। हत्या के बाद इजरायली सेना ने सफाई देते हुए इन बच्चों को आतंकी करार दे दिया। उधर, फिलिस्तीनी अधिकारियों और मानवाधिकार संगठनों ने इसे एक और बिना मुकदमे की हत्या बताया है।

अमेरिका ने अब तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश भड़का सकता है। इजरायली हमले में मारे गए फिलिस्तीनी-अमेरिकी किशोर की पहचान उमर मोहम्मद सादा राबेआ के रूप में हुई है। इजरायली सेना ने दावा किया है कि उसके सैनिकों ने तीन आतंकवादियों पर गोली चलाई जो एक राजमार्ग पर पत्थर फेंककर वहां से गुजर रहे नागरिकों पर हमले कर रहे थे। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और इसे बिना मुकदमे के हत्या की एक कड़ी में नया मामला बताया है। अमेरिका की ओर से फिलहाल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इजरायली हमलों में हजारों फिलिस्तीनियों की हत्या 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर घातक हमले और उसके बाद गाजा में जारी युद्ध के बाद से वेस्ट बैंक में हिंसा में भारी बढ़ोतरी देखी गई है। इजरायली बलों ने वेस्ट बैंक में छापेमारी और गिरफ्तारी अभियानों को तेज कर दिया है, अकेले वेस्ट बैंक में सैकड़ों फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है। ओवरऑल इजरायल गाजा और वेस्ट बैंक में 50 हजार से ज्यादा की जान ले चुका है।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को बड़ी राहत, युद्धकालीन कानून के तहत निर्वासन पर रोक लगाने वाला आदेश हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को निचली अदालत के उस आदेश को हटा दिया, जिसमें युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करके वेनेजुएला प्रवासियों के निर्वासन पर रोक लगाई गई थी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि 1978 के विदेशी शत्रु अधिनियम के तहत निर्वासन के अधीन प्रवासियों को अपने निष्कासन को कानून रूप से चुनौती देने का मौका दिया जाना चाहिए। एक संघीय अदालत के न्यायाधीश ने राष्ट्रपति ट्रंप के निर्वासन वाले फैसले पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वह अब फिर से निर्वासन शुरू कर सकते हैं। शीर्ष कोर्ट का 5-4 का फैसला उन्हें ऐसा करने के लिए फिर से अनुमति देता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस कानून का उपयोग कथित वेनेजुएला गिरोह को सदस्यों को पकड़ने और उन्हें अल साल्वाडोर की जेल में भेजने के लिए किया था। अमेरिका से निर्वासित किए गए वेनेजुएलावासियों के वकीलों ने कहा कि उनके क्लाइंट वेनेजुएला के गिरोह ट्रेन डी अरागुआ के सदस्य नहीं थे, उन्होंने कोई अपराध नहीं किया। लेकिन उन्हें मुख्य रूप से उनके टैटू के आधार पर निशाना बनाया गया।. इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया।

शुरू हो गया आर्थिक परमाणु युद्ध, डोनाल्ड ट्रंप से नाराज हो गए अरबपति दोस्त; जमकर लताड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर के 57 देशों पर टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगी एलन मस्क को निंदा का सामना करना पड़ रहा है। उनके खिलाफ अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोपीय देशों में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं यूरोपीय यूनियन के देशों ने अमेरिका पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दे दी है। डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करने वाले उनके विरोधी ही नहीं उनके समर्थक भी हैं। इसी लिस्ट में एक नाम अरबपति निवेशक बिल एकमैन का भी है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया के खिलाफ ही आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है। उन्होंने कहा कि इससे अमेरिका के व्यापारिक संबंध खराब होंगे और दोस्तों के सामने भी छवि धूमिल हो जाएगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोई अर्थव्यवस्था के जानकार नहीं हैं इसलिए अपनी नीतियों के लिए वह सहयोगियों पर ही आंख मूंदकर यकीन करते हैं। उनकी खराब गणित की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था को संकट में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कहा कि कारोबार विश्वास पर टिका होता है और डोनाल्ड ट्रंप उसी विश्वास को तारतार कर रहे हैं।

एकमैन ने कहा, राष्ट्रपति दुनियाभर में कारोबार को लेकर अपनी विश्वसनीयता खोते ही जा रहे हैं। वहीं इसका खामियाजा अमेरिका की उस जनता को भी भुगतना पड़ रहा है जिसने चुनाव में उनका समर्थन किया था। जनता ने आपको इसलिए वोट नहीं दिया था।

उन्होंने कहा कि हमारे दुश्मनों को तो छोड़िए बल्कि दोस्तों पर भी असंतुलित टैरिफ लाद दिए गए हैं जिससे डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया के खिलाफ ही आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है। जो देश निवेश और व्यापार के लिए इतना सुलभ माना जाता था उसके विश्वास को ही तहस-नहस कर दिया गया। एकमैन ने कहा, यह अर्थव्यवस्था का परमाणु युद्ध है। निवेश रुकेगा तो ग्राहक भी अपने बटुए बंद कर लेंगे। इससे अमेरिकी का छवि भी खराब होगी और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान होगा। वहीं इसके रिकवर करने में दशकों का समय लग जाएगा। उन्होंने कहा कि जब शेयर बाजार गिरता है तो ग्राहक भी निवेश रोक देते हैं। ऐसे में कारोबारियों के पास कर्मचारियों की छंटनी और निवेश को रोकने के अलावा कोई चारा ही नहीं बचता। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से बड़े ही नहीं बल्कि छोटे व्यापार भी प्रभावित होंगे। जोपीमोरगन चेज ऐंड कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेमी डिमोन ने भी डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा था कि उनकी नीतियां दुनिया को मंदी की ओर धकेल रही हैं। उन्होंने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि कई करीबी सहयोगियों के साथ भी व्यापारिक समझौते रुक गए हैं। उन्होंने सलाह दी थी की भारत जैसे देशों के साथ अमेरिका को रिश्ते बढ़ाने चाहिए और व्यापार में योगदान देना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सीनेटर माने जाने वाले टेड क्रुज ने भी उनके खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा, अगर हम मंदी की ओर जाते हैं तो राजनीत में भी खूनी खेल शुरू हो जाएगा। वहीं डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए यह एक दवाई है।

इजरायली कैद में फिलिस्तीनियों पर जुल्म की हदें पार

गाजा पट्टी, एजेंसी। गाजा पट्टी से लौटे फिलिस्तीनी नागरिकों की आंखों में आजादी की चमक तो है, लेकिन जुल्म की परछाइयां गहरी हैं। इजरायली कैद से रिहा हुए इन लोगों ने जो कहा, वो सुनकर किसी की भी रूह कांप उठेगी। इन्होंने बताया कि किसी को कपड़े उतारकर करंट दिए गए, भूखा-प्यासा रखकर कुत्तों से कटवाया गया, किसी को यौन हिंसा और अमानवीय यातनाओं का शिकार बनना पड़ा। ये वही लोग हैं जिन्हें अक्टूबर 7 के बाद गिरफ्तार किया गया था, लेकिन इजरायल के पास उनके खिलाफ न कोई ठोस सबूत था और न ही कोई चार्जशीट। अब जब ये जिंदा वापस लौटे हैं, तो दुनिया के सामने इजरायली क्रूरता की सच्चाई सामने आ रही है।

आग और हथियारों से प्रताड़ना : गाजा से इजरायली सेना द्वारा गिरफ्तार किए गए और हाल ही में संघर्षविराम सौदे के तहत रिहा किए गए फिलिस्तीनी बंदियों ने इजरायली क्रूरता बयां की है। 36 वर्षीय मिस्त्री मोहम्मद अबू ताविलेह ने बीबीसी से बातचीत में कहा कि उन्हें तीन दिन तक एक कमरे में बंद करके रासायनिक पदार्थों से जलाया गया। उनके अनुसार, सैनिकों ने पहले सिर को केमिकल में डुबोया, फिर उनके शरीर पर एयर फ्रेशनर छिड़ककर

आग लगा दी। उन्होंने कहा, मैं जानवर की तरह तड़प रहा था, मेरी गर्दन से लेकर पैर तक आग फैल गई थी। उन्होंने आगे बताया कि सैनिकों ने उन्हें बंदूक की बट और डंडों से पीटा और शरीर पर तेजाब डाला। इलाज के लिए उन्हें इज़रायल के एक सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां वे बिना कपड़ों के हथकड़ी से बांधकर एक बिस्तर पर रखे गए और शौच के लिए डायपर दी गई। यौन उत्पीड़न और हत्या के भी आरोप अन्य बंदियों ने बताया कि उन्हें बिजली के झटके दिए गए, भूखा-प्यासा रखा गया, कुत्तों से कटाया गया और घंटों तक यातनापूर्ण पोजीशन में बैठने के लिए मजबूर किया गया। 44 वर्षीय हमद अल-दहदोह ने बताया कि पीटने के दौरान उनकी पसलियां टूट गईं और कान व रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचा। एक बंदी ने बताया कि उसने हिरासत में यौन हिंसा होते देखी। कुछ ने यह भी कहा कि उन्होंने अन्य बंदियों की मौत होते देखी। आरोपों पर इजरायली सेना इजरायल डिफेंस फोर्स ने कहा कि वह किसी भी प्रकार के व्यवस्थित दुरुपयोग को खारिज करता है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों की जांच की जाएगी, लेकिन अधिकांश आरोपों में पहचान या पर्याप्त विवरण नहीं हैं। इजरायली जेल प्रशासन ने भी कहा कि उन्हें इन आरोपों की कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि यह सब उस समय सामने आ रहा है जब 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर हमला किए जाने और 1200 लोगों की हत्या के बाद, वेस्ट बैंक और गाजा में इजरायली ऑपरेशन तेज हो गए हैं। इसके बाद 50 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों की जान ले ली गई और बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया, इनमें से कई को बिना किसी आरोप के महीनों तक हिरासत में रखने का भी आरोप है।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव का एलान, महाभियोग के जरिए येओल को पद से हटाए जाने के बाद फैसला

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने नया राष्ट्रपति चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देश में अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल की जगह लेने के लिए 3 जून को राष्ट्रपति चुनाव कराया जाएगा। देश के कार्यवाहक नेता हान डक-सू ने मंगलवार को घोषणा की कि हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति यून की जगह लेने के लिए 3 जून को समयपूर्व राष्ट्रपति चुनाव होंगे। यह घोषणा संवैधानिक न्यायालय की ओर से यून सुक येओल को दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के दुर्भाग्यपूर्ण मामले में पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद की गई।

3 जून के चुनाव में दो प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। यून की रूढ़िवादी पीपुल्स पावर पार्टी और इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच यह रोचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। देखना होगा कि क्या रूढ़िवादी फिर से संगठित हो सकते हैं और संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ली जे-म्यांग को चुनौती देने के लिए एक मजबूत उम्मीदवार को मैदान में उतार सकते हैं? सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के लिए सत्ता में बने रहना एक कठिन लड़ाई होगी, क्योंकि वह जनता का विश्वास बहाल करने और यून के मार्शल लॉ स्टंट से उपजे गंभीर आंतरिक फूट को ठीक करने के लिए संघर्ष कर रही है।

सर्वेक्षणों में विपक्ष को बढ़त के आसार : विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चला है कि विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग, देश का अगला राष्ट्रपति बनने की रेस में सबसे आगे हैं। जब संवैधानिक अदालत ने यून सुक योल को राष्ट्रपति पद से हटाने का फैसला सुनाया तो उस वक्त राजधानी सियोल में यून सुक योल के खिलाफ एक रैली आयोजित हो रही थी। जैसे ही अदालत ने यून सुक योल को पद से हटाने का फैसला सुनाया तो रैली में लोग खुशी से झूम उठे और नाचने लगे।

पूरे मामले को समझिए : यून सुक येओल ने बीते साल 3 दिसंबर को देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था और सैंकड़ों सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को नेशनल असेंबली भेज दिया था। यून सुक योल ने तर्क दिया कि उन्होंने सिर्फ सदन में व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसा किया था, लेकिन जांच के दौरान सैन्य अधिकारियों ने बताया कि यून ने उन्हें विपक्षी सांसदों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया था, ताकि वे यून के आदेश के खिलाफ मतदान न कर सकें। हालांकि, विपक्षी सांसद किसी तरह सफल रहे और उन्होंने योल के आदेश के खिलाफ मतदान कर उसे रद्द करा दिया।

ट्रंप और नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में गाजा बंधकों और टैरिफ पर चर्चा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की। इस मुलाकात में गाजा बंधक संकट और इजरायली वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ पर चर्चा हुई। सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान, ट्रंप ने गाजा में बंधकों की रिहाई को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने चल रही वार्ताओं के बारे में आशा व्यक्त की, लेकिन कोई विशिष्ट विवरण नहीं दिया। ट्रंप ने कहा, हम प्रगति कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हम जल्द ही सभी बंधकों को घर वापस ले आएंगे। नेतन्याहू ने इस पर सहमति जताते हुए बंधकों की आजादी सुनिश्चित करने के लिए इजरायल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने इजरायल और हमास के बीच अस्थिर युद्ध विराम पर भी बात की। हालांकि उन्होंने किसी नए समझौते की घोषणा नहीं की, लेकिन दोनों ने क्षेत्र में हिंसा को कम करने के महत्व पर जोर दिया। ट्रंप ने हाल ही में इजरायल से आयात पर 17 प्रतिशत टैरिफ लगाने का बचाव किया, जो उनकी व्यापक व्यापार नीति का हिस्सा है और कई अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहा है। नेतन्याहू ने कथित तौर पर इन शुल्कों से राहत मांगी, तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने के इजरायल के प्रयासों पर प्रकाश

डाला। 2024 में, दोनों देशों के बीच कुल वस्तु व्यापार 37.0 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जिसमें इजरायल को अमेरिकी निर्यात 14.8 बिलियन डॉलर और इजरायल से आयात 22.2 बिलियन डॉलर होगा, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका का व्यापार घाटा 7.4 बिलियन डॉलर होगा। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, नेतन्याहू की व्हाइट हाउस यात्रा की व्यवस्था पिछले गुरुवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत के दौरान की गई थी, जब नेतन्याहू ने टैरिफ का मुद्दा उठाया था। व्हाइट हाउस ने शुरू में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की योजना बनाई थी, लेकिन बिना किसी स्पष्टीकरण के इसे रद्द कर दिया गया। इसके बजाय, पत्रकारों ने ओवल ऑफिस मीटिंग में सवाल पूछे। ट्रंप ने इस बैठक के दौरान गाजा के पुनर्विकास के लिए किसी दीर्घकालिक योजना पर चर्चा नहीं की। उनके प्रशासन ने पहले भी इस क्षेत्र के लिए विवादास्पद विचार प्रस्तावित किए हैं, जिनकी विभिन्न समूहों द्वारा आलोचना की गई है। बैठक में संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल के बीच जटिल संबंधों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें सुरक्षा चिंताओं और आर्थिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने इन मुद्दों पर मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

पीएम मोदी को लेकर बोलीं कंगना रनौत

'चांद पर दाग होता है, उन पर एक भी दाग नहीं है...',

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने लगातार अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में हैं। इसी बीच कंगना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। कंगना ने कहा कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा सनातन, राष्ट्रवाद, वसुधैव कुटुम्बकम पर आधारित है जिसका हम लंबे समय से पालन करते आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2014 से पहले बहुत सारे घोटाले होते थे - 2जी घोटाला, कोयला घोटाला, चारा घोटाला। लेकिन 2014 के बाद से पीएम मोदी पर एक भी दाग नहीं है। 'चांद पर दाग होता है, उन पर एक भी दाग नहीं है'।

इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मंडी में एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा था कि पूरे देश में पीएम मोदी और भगवा की लहर है। लेकिन हिमाचल प्रदेश की हालत देखकर दुख होता है। उनकी एजेंसियां समोसे की जांच कर रही हैं। जो हो रहा है उससे हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हमें अपने राज्य को प्रगति के पथ पर ले जाना है। हमें अपने राज्य को इन 'भेड़ियों' के पंजे से मुक्त कराना है।

आपको बता दें कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है जिसका नेतृत्व सुखविंदर सिंह सुक्खू कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई साधारण इंसान नहीं बल्कि एक अवतार हैं। मैं 2014 से पहले वोट देने भी नहीं गई थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले हम भी राजनीति को दुर्भाग्य समझते थे और नेताओं को लेकर लोगों में काफी नफरत थी। रनौत ने कहा कि पहले सब खा रहे थे और देश को बर्बाद कर रहे थे। कंगना ने कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला।

जोगिंदरनगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर भी उन्होंने तीखा हमला बोला। उन्होंने विक्रमादित्य पर हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में अपनी हार को स्वीकार न कर पाने का आरोप लगाया और उनके राजनीतिक व्यवहार की आलोचना की। विक्रमादित्य ने हाल ही में सुंदरनगर के अपने दौरे के दौरान कंगना पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह लंबे समय से अपने संसदीय क्षेत्र से गायब हैं। विक्रमादित्य और उनकी मां व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह दोनों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा, 'राजनीति में प्रतिस्पर्धा होती है, लेकिन इसकी भी सीमाएं होती हैं। किसी को बार-बार दूसरों पर कीचड़ नहीं उछालना चाहिए और न ही अपशब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए।'

दिल्ली या कहीं ओर से कांग्रेस का कोई भी नेता आए, गुजरात की जनता का कभी विश्वास जीत नहीं पाएगा : ऋषिकेश पटेल

अहमदाबाद । गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से कांग्रेस का चाहे कोई भी नेता आ जाए, गुजरात की जनता का कभी विश्वास जीत नहीं पाएगा। बता दें कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में गुजरात और केन्द्र सरकार पर कड़े प्रहार किए गए हैं। कांग्रेस नेता पवन खेडा ने यहां तक दावा कर डाला कि गुजरात में भाजपा सरकार को कुछ समय की मेहमान है। कांग्रेस के बयानों पर राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि नेता चाहे दिल्ली से आएं या कहीं और से- कांग्रेस कभी भी गुजरात में लोगों का विश्वास नहीं जीत पाएगी। अब तो कागजों पर भी कांग्रेस खत्म होती जा रही है। कांग्रेस गुजरात में सरकार बनाने का केवल सपना देख रही है। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि आज एक तरफ विधायकों के लिए विकास अनुदान में एक करोड़ रुपये की वृद्धि की गई, वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालय में प्रवेश की समीक्षा के लिए कुलपति के साथ बैठक बुलाई गई। उन्होंने कहा कि राज्य के विधायक अब अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास पर प्रति वर्ष रु. 1.50 करोड़ के बजाय रु. 2.50 करोड़ खर्च कर सकेंगे। मुख्यमंत्री के तत्काल निर्णय के बाद अधिसूचना जारी कर दी गई है। विशेष निर्देश दिए गए हैं कि कैच द रेन अभियान के तहत प्रत्येक विधायक को जल संरक्षण कार्यों के लिए 50 लाख रुपए आवंटित करने होंगे। इसका मतलब यह है कि अब विकास कागजों पर ही नहीं, बल्कि जमीन पर भी दिखेगा।

साईं बाबा के चरणों में भक्तों ने दिया 4 करोड़ से अधिक का दान

शिरडी (एजेंसी)। शिरडी साईंबाबा संस्थान द्वारा आयोजित श्री राम नवमी महोत्सव के दौरान साईं बाबा के चरणों में भक्तों ने 4 करोड़ 26 रूपये का दान दिया है। संसथान के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि श्री रामनवमी उत्सव के दौरान 2.5 लाख से अधिक साईं भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान दक्षिणा पेटी में 1 करोड़ 67 लाख 89 हजार रुपए नकद, दान काउंटर 79 लाख 38 हजार रुपए, पीआरओ द्वारा दिए गए सशुल्क पास से 47 लाख 16 हजार रुपए का दान, डेबिट, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन दान, चेक, डीडी, मनीऑर्डर के माध्यम से 1 करोड़ 24 लाख 15 हजार रुपये, 6 लाख 15 हजार रुपए कीमत का 83 ग्राम सोना, 1 लाख 31 हजार रुपए मूल्य का 2030 ग्राम चांदी, इस प्रकार 4 करोड़ 26 लाख 07 हजार रूपये का कुल दान साईं संस्थान को प्राप्त हुआ।

ग्लूकोमा बुजुर्गों में ही नहीं अब बच्चों में बढ़ने लगी यह बीमारी, समय पर कराएं इलाज

हैदराबाद (एजेंसी)। काला मोतियाबिंद (ग्लूकोमा) बुजुर्गों में ज्यादा होता है, लेकिन हाल के शोध और डॉक्टरों ने बताया कि अब यह बीमारी बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। ग्लूकोमा आंखों की एक गंभीर बीमारी है, जिसमें ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है और अगर समय पर इसका इलाज नहीं किया तो इससे हमेशा के लिए आंखों की रोशनी जा सकती है। स्वास्थ विशेषज्ञ ने बताया कि कुछ बच्चे इस बीमारी के साथ ही पैदा होते हैं और बच्चों में ये बाद में देखी जा रही है, जिसके कारण आंखों का असामान्य रूप से बड़ा दिखना, आंखों से पानी बहना या लाल होना, धुंधला दिखाई देना और आंखों में दर्द होना शामिल है। उन्होने बताया की इसका कोई मुख्य कारण नहीं कह सकते हैं, लेकिन अगर परिवार में किसी को ग्लूकोमा की बीमारी है, तो बच्चों में इसका खतरा बढ़ जाता है साथ ही कम वजन वाले बच्चों में आंखों की समस्याएं ज्यादा होती हैं। अगर बच्चों के आंख में इंफेक्शन होता, तो इससे भी ग्लूकोमा हो सकता है। कुछ रिसर्च से पता चलता है कि लंबे समय तक स्टेरॉयड दवाई दिए जाने से भी ग्लूकोमा का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की आंखों की नियमित जांच करवाना जरूरी है। ग्लूकोमा का इलाज आई ड्रॉप्स, लेजर थेरेपी या सर्जरी से किया जा सकता है और सबसे अहम है बच्चों को मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से ब्रेक लेने की आदत डालें, क्योंकि ग्लूकोमा एक गंभीर बीमारी है जिसका समय पर इलाज संभव है। अगर बच्चों के आंख में किसी तरह का बदलाव या फिर इंफेक्शन दिखता है तो तुरंत डाक्टर को दिखाएं और उसका इलाज करवाएं।

रिपोर्ट में खुलासा : प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के दौरान भारत में पाकिस्तान से भी ज्यादा मौतें

नई दिल्ली(एजेंसी)। महिलाओं में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के समय होने वाली मौतों पर यूनाइटेड नेशन ने रिपोर्ट जारी की है। इसमें दुनिया में हर 2 मिनट में एक महिला की मौत होना बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत में करीब 19 हजार गर्भवती महिलाओं की मौत हुई यानी हर दिन औसतन 52 महिलाओं ने अपनी जान गंवाई। यह आंकड़ा दुनिया में प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली कुल मौतों का 7.2 फीसदी है। इस सूची में नाइजीरिया के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट में पाकिस्तान में होने वाली मौतों का भी आकड़ा शामिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान में 2023 में 11 हजार मौतें हुई यानि हर दिन औसतन 30 मौतें। नाइजीरिया में 75 हजार महिलाओं की मौत हुई। यह दुनिया में कुल प्रेग्नेंट महिलाओं की मौत का 28.7 फीसदी है। 2000 से 2023 के बीच भारत में मातृ मृत्युदर में 78 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी के चलते 2000 से 2023 के बीच दुनियाभर में एमएमआर में 40 फीसदी की कमी आई, लेकिन 2016 के बाद से सुधार की गति धीमी हो गई है। डब्ल्यूएचओ के चीफ डॉ. टेड्रोस घेब्रेयेसस ने चिंता जताते हुए कहा कि ये आंकड़े बताते हैं कि प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हालात गंभीर हैं। अगर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार नहीं हुआ तो यह संकट और गहरा सकता है।

सैफ अली पर हमले मामले में पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट, आरोपित शरीफुल इस्लाम के खिलाफ कई सबूत

मुंबई(एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमले मामले में मुंबई पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया है। पुलिस ने बताया है कि बांद्रा कोर्ट में 1000 पन्नों का आरोपपत्र (चार्जशीट) दायर किया है। पुलिस की चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपित शरीफुल इस्लाम के खिलाफ कई सबूत मिले हैं। 1000 पन्नों से अधिक बड़ी चार्जशीट में फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट को भी शामिल किया है। चार्जशीट में कहा गया है कि सैफ के शरीर और आरोपी के पास मिले टुकड़े एक ही चाकू के थे। चार्जशीट में आरोपी के बाएं हाथ के फिंगरप्रिंट रिपोर्ट का भी जिक्र है। दरअसल सैफ अली खान पर 16 जनवरी की रात उनके ही घर पर हमला हुआ था। आरोपित लूटपाट की नीयत से घर में दाखिल हुआ था। विरोध करने पर सैफ पर चाकू से हमला किया। पुलिस के मुताबिक अभिनेता को रीढ़ की हड्डी और शरीर के अन्य अंगों पर चोट आई थी। इसके फौरान बाद एक्शन लेकर पुलिस ने आरोपित मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद को ठाणे से गिरफ्तार किया था।

ओडिशा में कांग्रेस के 11 वरिष्ठ नेताओं और 5,000 अज्ञात पार्टी समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में पुलिस ने विधानसभा घेराव के दौरान हुई हिंसा के मामले में कांग्रेस के 11 वरिष्ठ नेताओं और 5,000 अज्ञात पार्टी समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना 27 मार्च को हुई, जब कांग्रेस ने महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों के विरोध में विधानसभा घेराव किया था। इस दौरान हिंसक झड़पों में पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल हो गए थे।

गंभीर कानूनी विवाद में फंस गए कॉमेडियन कुणाल कामरा

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा इन दिनों एक गंभीर कानूनी विवाद में फंस गए हैं। कामरा पहले ही मद्रास हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत ले चुके हैं, जिसे 17 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। मुंबई पुलिस ने उन्हें तीन बार समन भेजा, लेकिन कामरा अब तक पेश नहीं हुए हैं। अगर हाईकोर्ट उनकी याचिका खारिज कर देता है, तो उन्हें गिरफ्तारी का सामना करना पड़ सकता है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि जांच के दौरान उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई न की जाए, जैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करना या गिरफ्तारी।

मामला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई 'गद्दार' टिप्पणी से जुड़ा है, जिसे उन्होंने अपने शो 'नया भारत' के दौरान व्यंग्य के रूप में प्रस्तुत किया था। शो का एक हिस्सा, जिसमें कामरा ने फिल्म 'दिल तो पागल है' के गाने की पैरोडी बनाकर शिंदे पर कटाक्ष किया, मार्च 2025 में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर कामरा के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 353(1)(ख), 353(2) और 356(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। कामरा ने इस एफआईआर को रद्द कराने के लिए 5 अप्रैल को बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया।

याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने मुंबई पुलिस और विधायक मुरजी पटेल को नोटिस जारी किया और 16 अप्रैल को अगली सुनवाई की तारीख तय की है। कामरा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नवरोज़ सीरवाई ने कोर्ट में यह दलील दी कि यह मामला हत्या का नहीं बल्कि एक स्टैंडअप शो से जुड़ा है, जिसमें हास्य और व्यंग्य के माध्यम से राजनीतिक टिप्पणी की गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि कामरा को इस शो के बाद जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिससे उनकी सुरक्षा खतरे में है। वकील ने यह आग्रह भी किया कि कामरा को शारीरिक रूप से उपस्थित होने की बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जांच में सहयोग करने की अनुमति दी जाए।

'वक्फ एक्ट को लेकर राहुल गांधी की सोच स्पष्ट नहीं', रविशंकर प्रसाद बोले- देश ने उन्हें गंभीरता से लेना बंद कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ एक्ट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बयान पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में एक बार कहा था कि 6-7 साल में एक व्यक्ति युवा हो जाता है। फिर उन्होंने कहा कि तपस्या से गर्मी आ जाती है। आज वैसा ही नया सिद्धांत कुछ दिखाई पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी को वक्फ पर बोलने की कोशिश करने के लिए अहमदाबाद का इंतजार करना पड़ा। मैं कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी 12-13 घंटे सदन में बहस हुई आप खुद बैठे थे, वक्फ पर आपने क्यों नहीं बोला। ये दिखाता है कि क्या बोलना चाहिए, क्या नहीं बोलना चाहिए, इसके बारे में उनकी (राहुल गांधी) सोच में स्पष्टता नहीं होती है।

अपना हमला जारी रखते हुए रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि इससे पता चलता है कि राहुल गांधी को समझ नहीं आ रहा है कि वक्फ के बारे में क्या बोलना है। मैं पूरे अधिकार से कह रहा हूं कि राहुल गांधी के पास इस बात की स्पष्टता नहीं है कि उन्हें किस मुद्दे पर और कब क्या रुख अपनाना चाहिए। उन्हें इन तीन सवालों का जवाब देना चाहिए। क्या आपको यह सही लगता है या गलत कि वक्फ की 8 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली संपत्ति पर गरीब मुसलमानों और बेटियों के लिए कोई अस्पताल, स्कूल, अनाथालय या कौशल केंद्र नहीं बनाया गया है? क्या आपको इस बात से परेशानी है कि मुस्लिम समुदाय की विधवाओं की तरक्की के लिए वक्फ में सुधार किया जा रहा है?

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आजकल किसी ने उन्हें ओबीसी पर बोलने के लिए चिट थमा दी है। तो, क्या आपको कोई दिक्कत है अगर वक्फ में संशोधन के जरिए पिछड़े मुसलमानों पर विचार किया जा रहा है? वक्फ पर उनका रुख देरी से आया है। उनसे कहा गया कि उन्होंने वक्फ के बारे में कुछ नहीं कहा, इसलिए उन्होंने सिर्फ कहने के लिए बिल को असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि इस देश ने राहुल गांधी को गंभीरता से लेना बंद कर दिया है। राहुल गांधी जब ओबीसी की बात करते हैं तो सबसे पहले ये बताइए कि कांग्रेस पार्टी के सबसे उच्च निर्णय लेना में ओबीसी को जगह है क्या? यही कांग्रेस पार्टी की सच्चाई है।

पीएम मोदी के बताए 9 संकल्प हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए: योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पावन धरती जैन तीर्थंकरों की भूमि रही है। अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, जो अयोध्या के राजा थे। अयोध्या में ही पांच तीर्थंकरों ने जन्म लिया। वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ है। हमारे तीर्थंकरों ने यहीं से धर्म और साधना की परंपरा को पूरी दुनिया में आगे बढ़ाया। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के संगीत नाटक अकादमी में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यकम के दौरान कही। शांति, ऊर्जा, सकारात्मकता और विश्व कल्याण के लिए कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जिटो) की ओर से किया गया। सीएम योगी ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिए गए प्रेरणादायक संदेश का उल्लेख किया। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने हमारे जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं, जिन्हें समाज के हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताकर कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति न केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है। सीएम योगी ने कहा कि सभी 24 तीर्थंकरों का जीवन लोककल्याण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अपने उपदेशों और साधना के माध्यम से जीवन जीने की एक उच्च परंपरा दुनिया के सामने रखी। जैन धर्म की ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। हर भारतीय को उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ईडी के मूल अधिकार हैं तो जनता के भी, ईडी ने तुरंत याचिका वापस ली

नई दिठ्ठल्ठी (एजेंसी)। ईडी ने आर्टिकल 32 के तहत एक याचिका शीर्ष अदालत में दाखिल की थी और मांग की थी कि छत्तीसगढ़ के नागरिक आपूर्ति निगम में हुए घोटाले की जांच को दिल्ली ट्रांसफर किया जाए। इस पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि ईडी के अपने मूल अधिकार हैं तो फिर उसे जनता के भी मूल अधिकारों के बारे में सोचना चाहिए। बेंच ने यह भी कहा कि आर्टिकल 32 के तहत तभी अर्जी दाखिल हो सकती है, जब मूल अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो। इसके साथ ही ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी अर्जी भी वापस ले ली है।

ईडी की ओर से यह अर्जी पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और अन्य के खिलाफ चल रहे मामले में दाखिल की थी। अनिल टुटेजा और अन्य 2015 के एक मामले में आरोपी हैं, जिसमें नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से चावल की खरीद और उसके वितरण में बड़े घोटाले का आरोप है। ईडी का कहना है कि छत्तीसगढ़ का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम इस जांच को प्रभावित कर रहा है। गवाहों को धमकाया जा रहा है और जांचकर्ताओं पर भी राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश हो रही है। ईडी की मांग है कि इस केस को नई दिल्ली में पीएमएलए के तहत स्पेशल कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए। इसके अलावा इस मामले में नए सिरे से ट्रायल भी चलाया जाए।

एजेंसी ने कहा कि इस मामले की जांच में 2018 में सरकार बदलने के बाद काफी असर पड़ा था। टुटेजा तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल के काफी करीबी हो गए और उन्हें अग्रिम जमानत दे दी गई। इस तरह जांच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। यही नहीं एजेंसी ने एसआईटी के सदस्यों और टुटेजा के बीच हुई वॉट्सऐप चैट्स का भी जिक्र किया। यही नहीं कॉल रिकॉर्ड का डेटा भी पेश किया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की अर्जी पर ही सवाल उठा दिए। अदालत ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि ईडी जैसी एजेंसी ने सरकार की एजेंसियों के खिलाफ ही अर्जी दाखिल की है।

बाल ठाकरे के घर एक पैगंबर पैदा हो गया वाले बयान को लेकर विधायक यतनलाल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, मामला दर्ज किया गया

हिंगोली (एजेंसी)। कर्नाटक के निष्कासित भाजपा नेता और विजयपुरा के विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ रामनवमी के एक कार्यक्रम के दौरान पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित तौर पर की गई विवादास्पद टिप्पणी को लेकर मामला दर्ज किया गया है। विजयपुरा के गोल गुम्बज पुलिस स्टेशन में स्थानीय निवासी मोहम्मद हन्नान द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में यतनाल पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है और सांप्रदायिक अशांति भड़क सकती है। शिकायत के अनुसार, यतनाल ने 7 अप्रैल को हुबली के बन्नी ओनी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी।

उन पर आरोप है कि उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे के घर एक पैंगबर पैदा हो गया। जिसे मुस्लिम समुदाय के सदस्यों द्वारा भड़काऊ और आपत्तिजनक माना गया। यतनाल ने कार्यक्रम में कहा, बाल ठाकरे क्या आदमी थे। जब मीडिया उनसे पूछती थी कि 'आप किस तरह के हिंदू हैं?' तो वे कहते थे, 'मैं पागल हिंदू हूं।' वे गर्व से कहते थे कि वे हिंदुओं और हिंदुत्व के दीवाने हैं। लेकिन उनके घर में एक मुहम्मद पैगम्बर पैदा हो गया है। मुझे लगता है कि वे क्रॉसब्रीड होंगे। शिकायतकर्ता ने कहा कि यतनाल की टिप्पणियों से मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंची है और सांप्रदायिक सद्भाव को खतरा है। विजयपुरा में पुलिस ने पुष्टि की है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

दिल्ली समेत देश के कई राज्य हीटवेव की चपेट में, बाड़मेर में पारा 47 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल देश में मानसून सामान्य रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट में एक अनुमान के मुताबिक, 80 फीसदी से ज्यादा संभावना है कि मानसून सामान्य या उससे ज्यादा रहेगा। देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में अप्रैल के पहले हफ्ते से ही लू चलने लगी है। दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, और पंजाब के कई हिस्से हीटवेव की चपेट में हैं। मध्य प्रदेश के 30 जिलों में आज यानी बुधवार को हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है।

15 साल बाद दिल्ली में अप्रैल में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। कई इलाकों में हीटवेव के हालात बने हैं। इससे पहले 2011 में यह स्थितियां बनी थीं। राजस्थान के बाड़मेर में मंगलवार को टेम्परेचर 47 डिग्री रहा। 10 साल बाद अप्रैल में बाड़मेर का पारा 47 डिग्री पहुंच गया। जैसलमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ समेत कई जिलों में तेज गर्मी पड़ रही है।

आईएमडी के मुताबिक देश के कुछ हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि से थोड़ी राहत मिली है, लेकिन ये प्रभाव केवल पूर्वी राज्य और दक्षिण भारत तक ही सीमित रहा।

त्रिपुरा, असम और मेघालय में 8 से10 अप्रैल के बीच भारी बारिश का अलर्ट है। केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में अगले 3 दिन तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी 9 से 11 अप्रैल तक बारिश और ओले गिरे की संभावना है। अगले 2 दिन तक राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और गुजरात में 2 से 4 डिग्री का तापमान बढ़ सकता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते बिहार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। केरल, महाराष्ट्र, गोवा और तटीय तमिलनाडु में उमस परेशान करेगी। बंगाल की खाड़ी में बनते लो प्रेशर से 11 अप्रैल के बाद पूर्वोत्तर राज्यों में भी बारिश की संभावना जताई गई है।